नई दिल्ली
गुरुवार 2 जुलाई 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष, द्वितीया वर्ष : 30, अंक : 74
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

आज रात 7.55 बजे देखिए पूरा इंटरव्यू जनता टीवी व आईएनएच न्यूज चैनल पर

मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से 'हरिभूमि समूह' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का **'सार्थक संवाद'**

मंत्रिमंडल में परिवर्तन तय, केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार, हर मंत्री के कार्यों की 'समीक्षा' की जा चुकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का कहना है कि सत्ता और संगठन में समन्वय होना चाहिए। सत्ता में संगठन समा न जाए इसका भी प्रयास होना चाहिए। लेकिन सत्ता से दूरी न बनाएं, इसका भी प्रयास होना चाहिए। जैसे एक पटरी के दो पाथ होते हैं न कभी दूर होते हैं न पास होते हैं, हम साथ चलें। जब हमें लगता है ये चीज ठीक नहीं है तो हम सुझाव देते हैं। जब उन्हें लगता है संगठन में ऐसा नहीं, इसमें कुछ बदलाव होना चाहिए तो वो सुझाव देते हैं। तो एक दूसरे के समन्वय के साथ सत्ता और संगठन चलें। क्योंकि सरकार से संगठन नहीं, संगठन से सरकार है। अगर संगठन सही होगा, कार्यकर्ता में अपनी विचारधारा और अपनी कार्य पद्धति के प्रति सम्मान होगा तो सत्ता तो आएगी ही। इसलिए सत्ता से संगठन न चले। संगठन के साथ सरकार समन्वय करके चले इसका हम प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि मोहन मंत्रिमंडल में परिवर्तन तय है। केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार है। हर मंत्री के कार्यों की 'समीक्षा' की जा चुकी है। रिपोर्ट कार्ड बन चुके हैं। यह बात उन्होंने प्रदेश में उनके एक साल के कार्यकाल पर 'हरिभूमि समूह' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से 'सार्थक संवाद' में कही।

- पीएम मोदी विजिनरी प्रधानमंत्री देश और समाज की चिंता उनका लक्ष्य
- राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन बेहद सरल और सहज, हर विषय को सुनते हैं
- सरकार से संगठन नहीं, संगठन से सरकार है, जनप्रतिनिधियों पर जनता का भरोसा जरूरी
- सीएम डॉ. यादव ने पुरानी योजनाओं को चालू रखने के साथ नई योजनाएं बनाईं
- पार्टी लोगों के घर से न चले पार्टी किसी व्यक्ति से न चले पार्टी कार्यालय से चले
- हम अक्टूबर तक पार्टी के नए प्रदेश कार्यालय का लोकार्पण कर देंगे

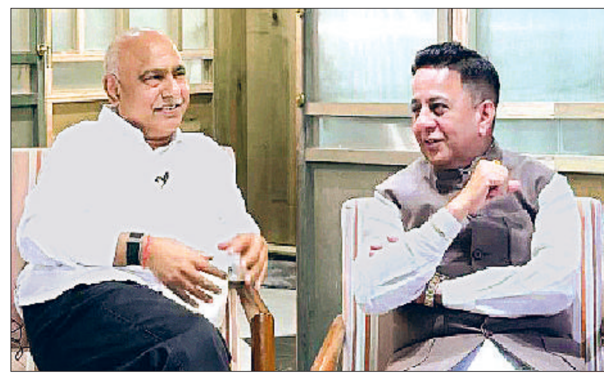

प्रश्नः भवन बनवाना ज्यादा आसान था या संगठन चलाना ज्यादा आसान है?

उत्तर: मुझे तो वो भी काम आसान था, ये भी काम आसान है। अगर मन में कोई लंबी अभिलाषा न हो और काम को लेकर कोई तनाव न हो, आप के खुद के बहुत एजेंडे न हों तो हर काम आसान है, जो पार्टी दे उसका स्वागत करना चाहिए और उस पर खरे उतरना चाहिए।

प्रश्नः एक साल कैसा बीता, कितनी कठिनाई से या कितने आनंद से, क्या अनुभव रहा?

उत्तर: पार्टी ने मुझे जो दायित्व दिया उसमें मेरा प्रयास रहा कि केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के सभी प्रमुख लोग और कार्यकर्ता जो अपेक्षा करते हैं उसमें मैंने खरा उतरने का प्रयास किया। पार्टी के संगठन में नियुक्तियां हों, चाहे अनुशासन, समन्वय, नवाचार का मामला हो, पार्टी में कार्यकर्ता सक्रिय रहे, जनता के बीच हमारी छवि अच्छी रहे, हमारी पार्टी के काम कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता में नीचे तक पहुंचे, इसका प्रयास किया। मुझे लगता है मेरी मेहनत सफल रही क्योंकि सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री का साथ मिला। एक वर्ष में मुझे बहुत ही अच्छे अनुभव आए। मेरी दृष्टि में एक वर्ष बहुत ही अच्छा रहा।

उनसे पूरी बात

प्रश्न: आपके पिताजी विजय खंडेलवाल भाजपा के बड़े नेता रह चुके हैं। सत्ता और संगठन दोनों को आपने देखा है। जब पार्टी सत्ता में रहती है तो नेता की अभिलाषा सत्ता में रहती है, आपके हिस्से में संगठन आया है, क्या कहना चाहेंगे आप?

उत्तर: मेरे पिता जरूर राजनीति में थे लेकिन मेरा राजनीति से कोई वास्ता नहीं था। परिस्थितिवश जरूर में राजनीति में आया। जहां पार्टी के नेतृत्व को लगता है कि आप इस पद या दायित्व के लिए उपयुक्त हैं तो वो निर्णय करते हैं। उनके निर्णय को सार्थक करना ये हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। यदि हम खुद अपनी चिंता करेंगे, अपना सोचेंगे तो फिर हम पार्टी की विचारधारा, अपनी कार्यपद्धति या पार्टी जो हमसे अपेक्षा करती है, हम उस पर कैसे खरे उतरेंगे।

प्रश्न: पार्टी ने आपको प्रदेश का भवन बनाने की जिम्मेदारी दी थी अब संगठन बनाने की भी जिम्मेदारी दी है तो संगठन बनाने की व्यस्तता के बीच भवन का क्या काम?

उत्तर: पार्टी जो भी काम दें उसे पूरा करना चाहिए। मैं कोषाध्यक्ष था, उसके बाद ठाकरे ट्रस्ट की, उसके बाद पार्टी के भवन की जिम्मेदारी दी। मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं ईमानदारी और मेहनत से करूं। ये मेरा काम होना चाहिए कि मैं उस अपेक्षा पर खरा उतरूं। आज प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है इस अपेक्षा पर खरा उतरूं ये मेरी सोच भी होनी चाहिए और मेरी जिम्मेदारी भी।

प्रश्न: एक साल संगठन में आप क्या कर पाए?

उत्तर: एक साल में संगठन में नीचे तक जितनी नियुक्तियां होनी थीं उसे पूरा किया। संगठन की लगातार कार्यसमिति से लेकर मंडल और बूथ स्तर तक नियमित रूप से बैठकें हो इसका क्रम बनाया। हर महीने हमारा संवाद प्रभारी, जिला ⏩ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एलपीजी सिलेंडर 183.50 रुपए सस्ता हुआ

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती करउपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 183.50 की कमी की गई है।

ईशान किशन बने टी20 के किंग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने इतिहास रचा है। आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में ईशान पहली बार दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं।

केंद्रीय कैबिनेट के दो बड़े फैसले: कानपुर-कबरई 117 किमी एनएच को मिली हरी झंडी

दिल्ली सिक्स-लेन टनल को केंद्र के दी मंजूरी, जाम से मिलेगी निजात

दो राष्ट्रीय राजमार्ग में खर्च होंगे 14 हजार करोड

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश में सड़क संपर्क को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। रेलमंत्री, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बुधवार को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि इन परियोजनाओं से यातायात सुगम होगा, यात्रा का समय घटेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा।

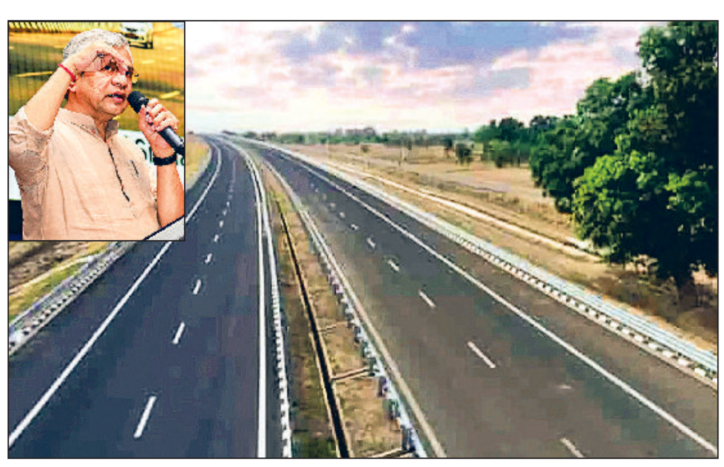

द्वारका एक्सप्रेसवे से वसंत कुंज तक बनेगी छह लेन की सुरंग

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग-148एई के तहत द्वारका एक्सप्रेसवे को नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज से जोड़ने के लिए 6 लेन की सड़क सुरंग के निर्माण को मंजूरी दी है। इस परियोजना की कुल लंबाई 8.1 किलोमीटर होगी और इस पर 6,969 करोड़ रुपये की लागत आएगी। परियोजना के तहत नेल्सन मंडेला मार्ग पर 1.8 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड सड़क भी बनाई जाएगी, जिससे इस क्षेत्र में लगने वाले यातायात जाम से राहत मिलेगी। यह परियोजना पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के बीच तेज और निर्बाध संपर्क उपलब्ध कराएगी तथा शहरी विस्तार मार्ग-2 (यूईआर-2) और द्वारका एक्सप्रेसवे को सीधे वसंत कुंज से जोड़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना से 7.54 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष तथा 9.80 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। इसके अलावा एम्स से महिपालपुर के बीच एक एलिवेटेड कॉरिडोर विकसित करने का भी प्रस्ताव तैयार कर रहा है, जिससे दक्षिण दिल्ली में यातायात व्यवस्था और बेहतर होगी।

कानपुर-कबरई राजमार्ग बनेगा चार और छह लेन का

मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के 117.7 किलोमीटर लंबे कानपुर-कबरई खंड को चार और छह लेन में विकसित करने की परियोजना को भी मंजूरी दी है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 7,145 करोड़ रुपये होगी। यह मार्ग कानपुर और कबरई के बीच तेज और निर्बाध संपर्क उपलब्ध कराएगा तथा आगे सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों तक आवागमन को भी मजबूत करेगा। नई सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग-34, राष्ट्रीय राजमार्ग-35, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, कानपुर रिंग रोड तथा राज्य राजमार्ग-46, 91, 10बी और 42 से जुड़ेगी, जिससे पूरे क्षेत्र का सड़क नेटवर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। इस मार्ग को 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इसके पूरा होने के बाद कानपुर से कबरई की यात्रा, जो वर्तमान में लगभग साढ़े तीन घंटे में पूरी होती है, घटकर करीब डेढ़ घंटे रह जाएगी। केंद्र सरकार का कहना है कि दोनों परियोजनाएं राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को मजबूत बनाने, यातायात का दबाव कम करने, औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को गति देने तथा क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

गुरुवार को पीएम मोदी के साथ होगी बैठक
कई अहम समझौतों पर किए जाएंगे हस्ताक्षर

अपनी तीन दिवसीय यात्रा के तहत भारत पहुंची जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची बुधवार को अपनी तीन दिवसीय (1 से 3 जुलाई तक) भारत यात्रा के तहत नई दिल्ली पहुंच गई हैं। यहां पालम हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने उनका स्वागत (रेड कार्पेट) किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी देते हुए बताया कि जापान की प्रधानमंत्री की यह भारत यात्रा दोनों देशों के बीच मौजूद विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और अधिक आगे ⏩ शेष पेज 5 पर

2014 में संबंधों में आई बड़ी तब्दीली

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल अगस्त महीने में 15 वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जापान की यात्रा की थी। वर्ष 2014 में दोनों देशों के संबंध विशेष सामरिक और वैश्विक साझेदारी में परिवर्तित हो गए थे। दोनों देशों के बीच 70 से अधिक द्विपक्षीय संवाद तंत्र मौजूद हैं। इस साल जून महीने में नई दिल्ली में दोनों देशों के बीच 18वां विदेश मंत्रियों का सामरिक संवाद हो चुका है। जबकि अप्रैल 2026 में जापान की पीएम सनाए ताकाइची की अध्यक्षता में हुई आईजैक की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर ने वर्चुअली भाग लिया था। मई 26 में दोनों के बीच दूसरा आर्थिक सुरक्षा संवाद हुआ है। मार्च 26 में दोनों के बीच टोक्यो में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते यानी सीपा की 7वीं बैठक हुई थी। इसके अलावा मारुति सुजुकी, सोनी, टोयोटा, यूनिक्लो सहित जापान की 1500 कंपनियां भारत में पंजीकृत हैं। जबकि भारत की एसबीआई, इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल सहित 100 से ज्यादा कंपनियां जापान में हैं। दोनों के बीच 2025 में एसएमई फोरम भी हो ⏩ शेष पेज 5 पर

यूरिनरी इन्फेक्शन के बाद मेदांता में इलाज

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास आईसीयू में भर्ती

एजेंसी ⏭ लखनऊ

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास (89 वर्ष) की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उन्हें 29 जून की दोपहर करीब 1:30 बजे बेहोशी की हालत में इमरजेंसी विभाग में लाया गया था। मेदांता अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक प्रारंभिक जांच में महंत नृत्य गोपाल दास को यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन होने की पुष्टि हुई है। फिलहाल क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. दिलीप और उनकी टीम की देखरेख में आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। महंत नृत्य गोपाल ⏩ शेष पेज 5 पर

आज आंध्र प्रदेश के तिरुपति से होगा वीबी-जी राम जी का राष्ट्रीय शुभारंभ, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू होंगे शामिल

पूरे देश में लागू हुआ वीबी-जी राम जी अधिनियम, ग्रामीण भारत के लिए ऐतिहासिक और अभूतपूर्व दिनः शिवराज

- *वीबी-जी राम जी के तहत संशोधित मजदूरी दरें लागू, अब किसी भी राज्य में अधिसूचित दैनिक मजदूरी 300 रूपये से कम नहीं, राष्ट्रीय औसत मजदूरी में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि*

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025' बुधवार से पूरे देश में लागू हो गया। अधिनियम के लागू होने के साथ ही पात्र ग्रामीण परिवारों को अब 125 दिनों के रोजगार का वैधानिक अधिकार प्राप्त होगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह कानून ग्रामीण रोजगार को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाते हुए टिकाऊ ⏩ शेष पेज 5 पर

व्हाट्स एप के नए यूजरनेम फीचर पर केंद्र की कड़ी नजर

फर्जी पहचान और साइबर ठगी की आशंका, कस सकता है कानूनी शिकंजा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्र की मोदी सरकार ने मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्स एप के प्रस्तावित यूज़रनेम फीचर को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सरकार ने कहा है कि इस नए फीचर के कानूनी पहलुओं की जांच की जाएगी। यदि इससे फर्जी पहचान बनाकर धोखाधड़ी या लोगों को गुमराह करने का खतरा पाया गया तो आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस बात की समीक्षा कर रहा है कि कहीं यह सुविधा साइबर अपराधियों के लिए नई चुनौती तो नहीं बन जाएगी। जरूरत पड़ने पर सरकार व्हाट्सऐप को नोटिस भेजकर इस फीचर से जुड़ी पूरी जानकारी भी मांग सकती है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी इस मामले की जांच कर सकती हैं। ⏩ शेष पेज 5 पर

अमरनाथ यात्रा 2026: पहले जत्थे की रवानगी की तैयारी

जम्मू में तत्काल पंजीकरण के लिए श्रद्धालुओं की भीड़

जम्मू। बाबा बर्फानी के भक्तों का इंतजार खत्म हो गया है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए 2 जुलाई को जम्मू बेस कैंप से श्रद्धालुओं का पहला जत्था श्रीनगर के लिए रवाना होगा। पहले बैच की रवानगी को लेकर शिव भक्तों में भारी उत्साह है और देशभर से हजारों श्रद्धालु जम्मू पहुंच चुके हैं। यात्रियों ⏩ शेष पेज 05पर

सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा- यह 20 हजार करोड़ रु. का घपला

जेल में बंद सभी आठों आरोपियों ने कड़ी पूछताछ में उगले कई राज

एसआईटी को मिला 15 दिन का समय, अब ईडी की भी होगी एंट्री

एजेंसी ⏭ अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच तेज हो गई है। पुलिस ने बुधवार को मामले के अन्य आरोपियों, लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घरों पर छापेमारी कर दस्तावेजों की पड़ताल की। इससे पहले, जेल में बंद मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला के अयोध्या स्थित योग केंद्र से पुलिस ने एक संदिग्ध संदूक बरामद किया है, जिस पर लाल रंग से रामराज्य कोष लिखा था और पेटीएम का क्यूआर कोड भी चिपका हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने जांच कर रही एसआईटी का कार्यकाल 15 दिन और बढ़ा दिया है। वहीं, जांच का दायरा बढ़ाने के लिए इसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भी शामिल करने की तैयारी है, जिसके लिए अयोध्या पुलिस ने लखनऊ के उच्चाधिकारियों से आग्रह किया है। दूसरी तरफ, पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी आठों आरोपियों से कड़ी पूछताछ की, जिसमें सबसे लंबी पूछताछ अविनाश से हुई, दो घंटे चली इस पूछताछ में 5 जून को अविनाश के ⏩ शेष पेज 5 पर

फाइल फोटो

एआई आधारित तकनीक से मशीनें सीखेंगी, समझेंगी और खुद निर्णय लेंगी

भारत-यूएई तकनीकी सहयोग को मिलेगा नया विस्तार

भारत में 'फिजिकल इंटेलिजेंस' की एंट्री, एमईआईएल व एनालॉग मिलकर विकसित करेंगे स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर

⏭ हैदराबाद से सचिन सिंह बैस

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आई) आधारित वास्तविक दुनिया की तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (एमईआईएल) और एनालॉग ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत देश में बड़े स्तर पर 'फिजिकल इंटेलिजेंस' तकनीक विकसित और लागू की जाएगी। यह ऐसी तकनीक है, जिसमें मशीनें अपने आसपास के वातावरण को महसूस कर, समझकर और लगातार सीखते हुए खुद निर्णय ⏩ शेष पेज 5 पर

रेड्डी और किपमैन

यह भारत में नए भविष्य की नींवः रेड्डी

एमईआईएल के एमडी पीवी कृष्णा रेड्डी ने 'हरिभूमि' को बताया कि भविष्य का इन्फ्रास्ट्रक्चर इंटेलिजेंट, कनेक्टेड और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला होगा। एनालॉग के साथ यह साझेदारी भारत में उसी भविष्य की नींव रखेगी। एनालॉग के संस्थापक एवं सीईओ एलेक्स किपमैन ने कहा कि भारत तकनीक ⏩ शेष पेज 5 पर

इससे अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

एमडी पीवी कृष्णा रेड्डी के अनुसार इस सहयोग के तहत भारत में नई तकनीकों के साथ-साथ स्थानीय प्रतिभाओं को विकसित करने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और मजबूत तकनीकी ⏩ शेष पेज 5 पर

पुलिस को जनता के बीच प्रभावी मौजूदगी सुनिश्चित करने की जरूरतः उपराज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- कमिश्नरेट डे परेड के अवसर पर बोले तरनजीत सिंह संधू

दिल्ली पुलिस को ईमानदार और तकनीक आधारित पुलिसिंग के साथ जनता के बीच अपनी प्रभावी मौजूदगी सुनिश्चित करने का आवश्यकता है। दिल्ली पुलिस की कमिश्नरेट डे परेड को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने यह बात कहीं। उनका कहना था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ, पुलिस बल को लगातार नए तरीके अपनाने चाहिए और पुलिसिंग की बदलती चुनौतियों के हिसाब से खुद को ढालना चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कमिश्नरेट डे न्यू पुलिस लाइन्स, किंग्सवे कैंप में एक सेरेमोनियल परेड के साथ मनाया। उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू इस मौके पर चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद रहे और उन्होंने पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा की मौजूदगी में सेरेमोनियल परेड की सलामी ली। अपने संबोधन में उन्होंने पुलिस कमिश्नर और पूरी दिल्ली पुलिस टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मौका एक प्रोफेशनल इंस्टीट्यूशन के तौर पर दिल्ली पुलिस के शानदार विकास को दिखाता है। इस मौके पर उपराज्यपाल ने पुलिसिंग में महिलाओं की भागीदारी की तारीफ की और दिल्ली पुलिस विमेन पाइप और ब्रास बैंड की तारीफ की।

अपने वेलकम भाषण में पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा ने चीफ गेस्ट और सभी खास मेहमानों का स्वागत किया और दिल्ली पुलिस के हर सदस्य की ओर से इवेंट में शामिल होने के लिए उपराज्यपाल का दिल से शुक्रिया अदा किया। इस मौके की अहमियत बताते हुए सीपी ने उन सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने गर्व से यूनिफॉर्म पहनी है। ईमानदारी और लगन से देश की सेवा की है और दिल्ली पुलिस को एक मजबूत संस्था बनाने में योगदान दिया है। सीपी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में दिल्ली पुलिस में काफी बदलाव आया है, जिसमें क्राइम रोकने और टेक्नोलॉजी से चलने वाली पुलिसिंग पर ज्यादा जोर दिया गया है। इन कोशिशों का पॉजिटिव असर क्राइम के आंकड़ों में साफ दिखता है। 2025 की तुलना में जघन्य अपराधों में 8 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज अपराधों में 12 प्रतिशत की कमी आई है।

गौरतलब है कि 1978 में दिल्ली पुलिस एक्ट लागू किया गया था, जिसमें 1 जुलाई 1978 से कमिश्नरेट सिस्टम शुरू किया गया। दिल्ली पुलिस एक्ट, 1978 में यह प्रोविजन है कि पूरे नेशनल कैपिटल टेरिटरी दिल्ली में दिल्ली पुलिस का सुपरिटेंडेंस एडमिनिस्ट्रेटर के पास होगा और वही इसे चलाएगा। साल 2022 में अपने प्लैटिनम जुबली सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर दिल्ली पुलिस ने कमिश्नरेट डे परेड शुरू की, जो तब से हर साल 1 जुलाई को आयोजत हो रही है।

स्पा की आड़ में चल रहे देह व्यापार का खुलासा

- मैनेजर गिरफ्तार, चार लड़कियां करवाई गई रेस्क्यू

नई दिल्ली। मध्य जिले के पहाड़गंज इलाके में स्पा की आड़ में चल रहे देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़ पुलिस ने किया है। इस सिलसिले में स्पा के मैनेजर कम मालिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मैनेजर का नाम अजय मल्होत्रा बताया गया है। पुलिस ने स्पा से चार लड़कियों को भी रेस्क्यू करवाया है। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के अनुसार स्पा की आड़ में अनैतिक कार्य की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने नकली ग्राहक भेजकर कार्रवाई को अंजाम दिया। स्पा सेंटर से नकदी, ग्राहक एंट्री रजिस्टर और आपत्तिजनक वस्तुएं व अन्य सामान बरामद किया गया है। पहाड़गंज इलाके में पंचकुइयां रोड पर यह स्पा मौजूद था। मैनेजर ने दो हजार रुपये लेकर एक महिला को नकली ग्राहक के सामने पेश किया था। इसके बाद नकली ग्राहक ने पास में मौजूद टीम को इशारा कर दिया। बाद में देर रात को सिन स्पा सेंटर, दूसरी मंजिल, पंचकुइयां रोड पर छापेमारी कर अजय मल्होत्रा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यहां से 40, 26, 31 और 26 वर्षीय चार महिलाओं का रेस्क्यू किया।

करोड़ों का सामान जलकर हुआ खाक

इलेक्ट्रॉनिक सामान के बहुमंजिला शोरूम में लगी भीषण आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी स्थित इलेक्ट्रॉनिक सामान के एक बहुमंजिला शोरूम में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। इस दौरान करोड़ों रुपये मूल्य का सामान जलकर नष्ट हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस आग लगने के कारणों की पड़ताल में जुटी है।

दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) ने बताया कि उत्तम नगर-नजफगढ़ रोड पर स्थित विजय सेल्स के शोरूम में तड़के 4.15 बजे आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर भेजी गई। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में बहुमंजिला इमारत से उठतीं आग की लपटें और आसमान में घना काला धुआं नजर आया है, जिसे काफी दूर से भी देखा जा सकता था। पुलिस ने बताया कि आग पास के बाटा शोरूम तक भी फैल गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने इलाके को सुरक्षित किया और दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुट गए। डीएफएस अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मियों ने शुरू में दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर भेजीं लेकिन जैसे ही आग ने भीषण रूप लिया तो दमकल की और गाड़ियां सेवा में लगाई गई। आग पर सुबह करीब 6:30 बजे काबू पा लिया गया। आग बुझने के बाद भी दमकलकर्मियों को ऊपरी मंजिलों पर तेज दबाव वाले पानी की बौछारें करते देखा गया ताकि आग को पूरी तरह से बुझाया जा सके तथा उसे और फैलने से रोका जा सके। दमकल अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर शीतलन अभियान दोपहर तक जारी रहा। आग ने इमारत के भूतल, प्रथम तल और तीन ऊपरी मंजिलों में रखे इलेक्ट्रॉनिक सामान, फर्नीचर और अन्य चीजों को अपनी चपेट में ले लिया। यह इमारत करीब 350 वर्ग गज में फैली है। डीएफएस अधिकारी ने कहा कि नुकसान के स्तर का आकलन किया जा रहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आग में करोड़ों का इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई है। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

कंस्ट्रक्शन साइट पर करंट लगने से महिला की मौत

नई दिल्ली। केशव पुरम इलाके में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर महिला मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। मामला सोमवार को सामने आया। मृतक महिला की पहचान संगीता (25), निवासी जखीरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि त्रिनगर की नारंग कॉलोनी में बन रहे एक घर में मजदूरी करते समय उन्हें करंट लग गया था।

पुलिस का शुरुआती जांच के बाद कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान पीड़िता को बिजली का झटका लगा और उन्हें तुरंत दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरोंने महिला को ब्रॉट डेड घोषित कर दिया। क्राइम टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और वहां की स्थिति का ब्यौरा दर्ज किया। एमएलसी, घटनास्थल के निरीक्षण और अन्य उपलब्ध सबूतों के आधार पर केशव पुरम पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 290/106 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

प्रॉपर्टी कब्जाने को चलाई थी दर्जनभर गोलियां, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- क्राइम ब्रांच ने हथियार और कार की जब्त

बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके में एक विवादित संपत्ति को जबरन हथियाने की कोशिश में दर्जनभर गोलियां चलाने के मामले में टिल्लू ताजपुरिया गिरोह के एक सदस्य सहित दो बदमाशों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गये बदमाशों के नाम संदीप उर्फ डागु महाराज (40) और दीपक (32) बताये गये हैं। दोनों हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, आठ कारतूस और एक एसयूवी कार जब्त की है।

पुलिस के अनुसार यह मामला 30 अक्टूबर 2025 की घटना से संबंधित है, जब 30 से 45 सशस्त्र लोगों के एक समूह ने रामजनपुर गांव में एक विवादित भूखंड पर कथित तौर पर धावा बोल दिया था। उस दौरान अंधाधुंध गोलीबारी की गई थी और संपत्ति का ताला तोड़ने की कोशिश करते हुए कई लोगों पर लाठियों से हमला किया गया था। इसके बाद अलीपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार संदीप टिल्लू ताजपुरिया गिरोह का सक्रिय गुर्गा है, जबकि दीपक उसका चचेरा भाई है। पुलिस ने कहा कि एक टीम को जानकारी मिली थी कि मामले में वांछित संदीप अपने साथी के साथ नरेला क्षेत्र में आएगा। अधिकारियों ने बताया कि जाल बिछाया गया और आरोपियों को यूईआर-2 रोड और अलीपुर-नरेला रोड को जोड़ने वाली सड़क के पास रोका गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी दूर पीछा करने के बाद उन्हें काबू कर लिया गया। पूछताछ के दौरान संदीप ने खुलासा किया कि वह 2016 से 2022 के बीच सोनीपत जेल में बंद रहने के दौरान गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया के संपर्क में आया था। उसने दावा किया कि ताजपुरिया ने उसे गिरोह में भर्ती किया और नवंबर 2022 में उनकी रिहाई के बाद उसके लिए हथियारों की व्यवस्था की। पुलिस के मुताबिक, संदीप ने बताया कि अक्टूबर 2025 में गिरोह के सदस्यों ने भूखंड पर कब्जा करने के लिए उसे और उसके भाई को हथियार लाने को कहा था। पुलिस ने बताया कि संदीप हत्या और हत्या के प्रयास सहित कम से कम छह आपराधिक मामलों में पूर्व में शामिल रहा है, जबकि दीपक हत्या, अवैध हथियार रखने और मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों समेत चार मामलों में संलिप्त रहा है।

सागरपुर में बवालः हनुमान चालीसा पाठ के दौरान दो गुटों के बीच पथराव व मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- इलाके में पुलिस बल तैनात

दक्षिण पश्चिम दिल्ली के सागरपुर इलाके में मुहर्रम के दौरान धार्मिक झंडा लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। सोमवार रात को स्थानीय पार्क में हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और स्थानीय झुग्गीवासियों के बीच तीखी बहस के बाद जमकर पथराव और मारपीट हुई। हंगामे की आशंका के बीच दिल्ली पुलिस ने पहले से ही इलाके में पर्याप्त संख्या में बल तैनात किया था। हंगामा होने पर दोनों गुटों को मौके से खदेड़ा गया।

पुलिस के अनुसार मामले की शुरुआत मुहर्रम के मौके पर इलाके में लगाए गए एक धार्मिक हरे झंडे से हुई। कुछ स्थानीय लोगों और दक्षिणपंथी संगठनों ने इसे पाकिस्तानी झंडा बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद स्पष्ट किया कि यह केवल एक धार्मिक प्रतीक था। इस कार्रवाई से असंतुष्ट बजरंग दल के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग सोमवार शाम करीब सात बजे ईस्ट सागरपुर में गली नंबर 8 के पास झुग्गी बस्ती के पीछे बने डीडीए पार्क में विरोध स्वरूप एकत्र हुए और हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। पाठ के दौरान दोनों पक्षों में तनाव बढ़ गया, जिसके बाद पथराव शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर इस घटना के कई वीडियो भी वायरल हुए हैं, जिनमें लोग भागते और पत्थरबाजी करते नजर आ रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

दिल्ली 2.0 टेक डायलॉग में पहुंचे देशभर के 60 युवाओं ने प्रस्तुत किए एआई आधारित समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देशभर के 60 युवा नवाचारकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान प्रस्तुत किए। इस अवसर पर उप महापौर डॉ मोनिका पंत ने शहरी प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सॉफ्टवेयर समाधान की प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए उनके साथ संवाद किया। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ सतेंद्र सिंह दुर्सावत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उप महापौर डॉ मोनिका पंत ने सराहना करते हुए कहा कि आज के युवा तकनीक के माध्यम से शहरी समस्याओं के व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। निगम ऐसे सभी उपयोगी सुझावों और एआई आधारित समाधानों का पूरी गहनता से अध्ययन करेगा तथा कचरा प्रबंधन एवं अन्य नागरिक सेवाओं के निष्पादन में इसकी उपयोगिता की संभावना भी तलाशेगा। इस अवसर पर युवा प्रतिभाओं ने कचरा प्रबंधन, कचरा पृथक्करण, पार्किंग प्रबंधन, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) तथा लेबर मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए विकसित अपने एआई आधारित सॉफ्टवेयर का पावरपॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि येह समाधान नगर निगम की कार्यप्रणाली को अधिक तेज, पारदर्शी, सटीक और नागरिक-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

राष्ट्रहित में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' समय की मांगः सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- रेखा गुप्ता ने संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष रखा दिल्ली सरकार का विस्तृत पक्ष

राष्ट्रहित में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' समय की मांग है। इससे बेहतर व्यवस्था कुछ नहीं हो सकती। पूरे देश में अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों तो देश की ऊर्जा, समय और संसाधनों की बड़ी बचत होगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़े दो संशोधन विधेयकों पर अध्ययन के लिए आए संसद की संयुक्त संसदीय समिति के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के बाद बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों के कारण प्रशासनिक व्यवस्था लंबे समय तक चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहती है। आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और सरकारी मशीनरी का बड़ा हिस्सा चुनावी दायित्वों में लग जाता है। विशेष रूप से दिल्ली जैसे छोटे राज्य में चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में सरकारी कर्मियों की ड्यूटी लगने से शिक्षा व्यवस्था सहित अनेक सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होती हैं।

मुख्यमंत्री ने संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष दिल्ली सरकार का विस्तृत पक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 के विभिन्न प्रावधानों पर राज्यों एवं अन्य हितधारकों से सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से अध्ययन के लिए दिल्ली आई है। मुख्यमंत्री ने समिति के सभी सदस्यों का दिल्ली सचिवालय में आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुशासित एवं प्रशासनिक रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों से सुझाव प्राप्त करने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ऋषभ उर्फ ऋषव पुत्रः रमेश पताः डब्ल्यूपी–4पी, पीतमपुरा, दिल्ली** ने case **FIR No. 17096/2023 U/s 379/411 IPC, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ऋषभ उर्फ ऋषव** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **ऋषभ उर्फ ऋषव** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 17096/2023 U/s 379/411 IPC, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **ऋषभ उर्फ ऋषव** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 03.08.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनीवाल
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
उत्तर, कोर्ट नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/8751/ON/2026 (Court Matter)

हिन्दुस्तान टिन वर्क्स लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : 426, डीएलएफ टावर ए, जसौला, नई दिल्ली–110025
Website : www.hindustantin.biz. Contact No. : +91 11-49998888
CIN: L27109DL1958PLC003006 Fax No. : 011-49998822

पर्यावरण अनुकूल भविष्य बनाते हुए

फिजिकल शेयरों के हस्तांतरण आग्रहों के पुनः आवंटन हेतु शेयरधारकों को स्पेशल विंडो के लिए सूचना

यह सूचित किया जाता है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ("सेबी") ने सर्कुलर नंबर–HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026 दिनांक 30 जनवरी, 2026, के तहत जिसका शीर्षक "निवेश करने में आसानी – फिजिकल सिक्योरिटीज के हस्तांतरण और डीमैटरियलाइजेशन के लिए विशेष विंडो" है, के माध्यम से, फिजिकल सिक्योरिटीज जो 01 अप्रैल, 2019 से पहले बेची/खरीदी गई थीं और दस्तावेजों/प्रक्रिया में कमी या किसी अन्य कारण से अस्वीकृत/वापस कर दी गई/जिन पर ध्यान नहीं दिया गया था, के हस्तांतरण और डीमैटरियलाइजेशन को सुविधाजनक बनाने के लिए एक विशेष एक–वर्षीय विंडो खोली है, यह विंडो 05 फरवरी, 2026 से 04 फरवरी, 2027 तक एक वर्ष की अवधि के लिए है।

संबंधित निवेशक, तदनुसार, ट्रांसफर डीड्स को पुनः दायर कर सकते हैं और कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) को सभी प्रकार से विधिवत पूर्ण आवश्यक दस्तावेज जमा कर सकते हैं।

रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) का विवरण निम्नानुसार है :
नाम – बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज प्रा. लि.
पता – बीटल हाउस, तृतीय तल, 99, मदनगिरी,
लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे,
निकट दादा हरसुखदास मंदिर, नई दिल्ली–110062
संपर्क नं.– 011–29961281, 29961282
वेबसाइट – www.beetal.in ई–मेल – beetalrta@gmail.com

यह सूचना शेयरधारकों की जानकारी के लिए और सेबी के अनुपालन में जारी की गई है। यह जानकारी कंपनी की वेबसाइट अर्थात www.hindustantin.biz पर भी उपलब्ध है।

कृते हिन्दुस्तान टिन वर्क्स लिमिटेड
हस्ता/–
स्थान : नई दिल्ली
रजत पाठक
दिनांक : 01 जुलाई, 2026
ईवीपी (वित्त) एवं कंपनी सचिव

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने चुनाव संबंधी संसदीय संयुक्त समिति के सदस्यों से की बातचीत

'एक देश-एक चुनाव' भारत की लोकतांत्रिक एवं निर्वाचन व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव डालेगा : पीपी चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

'एक देश-एक चुनाव' भारत की लोकतांत्रिक एवं निर्वाचन व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है। वह चाहते हैं कि 'एक देश-एक चुनाव' के मिशन के तहत देश में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव हो। यह बात बुधवार को दिल्ली विधानसभा में आयोजित प्रैसवार्ता में 41 सदस्यीय गठित संसदीय संयुक्त समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने कही। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 तथा संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 पर गठित संसदीय संयुक्त समिति के सदस्यों से विधानसभा सदन में विस्तृत संवाद किया। बता दें कि समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी के नेतृत्व में समिति अध्ययन भ्रमण के अंतर्गत बुधवार को दिल्ली विधानसभा पहुंची थी। यह भ्रमण एक 'देश, एक चुनाव' के प्रस्तावित ढांचे पर समिति द्वारा देशभर में किए जा रहे परामर्शों का हिस्सा था। समिति एक साथ चुनावों के संवैधानिक, विधिक, प्रशासनिक एवं निर्वाचन संबंधी विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर रही है। इसके लिए राज्य सरकारों, संवैधानिक प्राधिकारियों, राजनीतिक दलों तथा अन्य संबंधित पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श किया जा रहा है जिसके बाद समिति अपनी अनुशंसाएं संसद को प्रस्तुत करेगी। संसदीय संयुक्त समिति अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने कहा कि संसद ने समिति को एक साथ चुनावों के लिए प्रस्तावित संवैधानिक एवं विधायी ढांचे का परीक्षण करने का दायित्व सौंपा है। उन्होंने बताया कि समिति देशभर में राज्य सरकारों, संवैधानिक प्राधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा अन्य संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श कर रही है, ताकि उसकी अनुशंसाएं भारत की विविध संवैधानिक, राजनीतिक एवं संघीय दृष्टियों को समुचित रूप से प्रतिबिंबित कर सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह व्यापक परामर्श प्रक्रिया समिति को संसद के समक्ष एक समग्र, संतुलित एवं सुविचारित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में सक्षम बनाएगी। प्रैसवार्ता में समिति के अध्यक्ष पी.पी.चौधरी के अलावा विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और विधानसभा सचिव डॉ. युमनाम अरुण कुमार उपस्थित रहे।

चुनावी खर्च कम करने के लिए इस प्रस्ताव पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए : बिष्ट

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने तथा बार-बार होने वाले चुनावों पर होने वाले बार बार होने व्यय को कम करने की दृष्टि से एक साथ चुनाव के प्रस्ताव पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संसदीय संयुक्त समिति का विचार-विमर्श देशहित में एक व्यावहारिक एवं लाभकारी निर्वाचन ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस कार्यक्रम में विधि एवं न्याय मंत्रालय, लोकसभा सचिवालय, दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चुनावी चक्रों का समन्वय व्यापक सहमति एवं संवैधानिक सुरक्षा उपायों के साथ ही संभवः विजेंद्र

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने समिति के साथ अपने विस्तृत संवाद के दौरान कहा कि चुनावी चक्रों का समन्वय व्यापक सहमति एवं संवैधानिक सुरक्षा उपायों के साथ ही संभव है। उन्होंने समिति के साथ बातचीत के दौरान अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के प्रारंभिक दशकों में देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था प्रचलित थी, किंतु समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियों तथा विधानमंडलों के समयपूर्व विघटन के कारण चुनावी चक्र अलग-अलग हो गए। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, आदर्श आचार संहिता बार-बार लागू होती है तथा शासन एवं विकास कार्यक्रमों की निरंतरता प्रभावित होती है। उन्होंने बल देते हुए कहा कि इस प्रकार का कोई भी सुधार व्यापक राजनीतिक सहमति तथा सुदृढ़ संवैधानिक सुरक्षा उपायों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने चुनावी चक्रों के समन्वय, रचनात्मक अविश्वास प्रस्ताव, विधानमंडलों के समयपूर्व विघटन, निर्वाचक नामावलियों के सामंजस्य, निर्वाचन आयोग की लॉजिस्टिक तैयारियों को सुदृढ़ बनाने तथा भारत की लोकतांत्रिक एवं संघीय व्यवस्था की मूल भावना को सुरक्षित रखते हुए राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत व्यवस्थाओं जैसे विषयों पर व्यापक विचार किए जाने का सुझाव दिया।

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	डीएचबीवीएन	एनआईटी सं. 04 एक्सईएन एम एंड पी एचएसआर 2026-27 के तहत एम एंड पी डिवी. डीएचबीवीएनएल हिसार के तहत एक्सईएन एम एंड पी और एसडीओ एम एंड पी टीमों के लिए चार अदद जीप, एक अदद जीप कार एसई एम एंड पी हिसार।	06.07.2026 28.07.2026	52.62 लाख	www.dhbvn.org.in	8059888683 xenmphisar@dhbvn.org.in
2	डीएचबीवीएन	डीएचबीवीएनएल की ओर से रिवैम्प्ड वितरण सेक्टर योजना के तहत टर्नकी आधार पर मौजूदा 72 अदद 33 केवी सब स्टेशनों के संवर्धन हेतु सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और प्रचालन (स्थल अपेक्षाओं के अनुरूप सिविल कार्य समेत)।	बंद होने की तिथि 14.07.2026	157.83 करोड़	www.dhbvn.org.in	1662223216 cepdo@dhbvn.org.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2027/60/46711/I/88/7 दि. 01.07.26

'प्रदूषण पर दिल्ली सरकार की तैयारी'

दिल्ली में एक नवंबर से लागू होगा स्थायी विंटर एक्शन प्लानः रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने सर्दियों के दौरान बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 'विंटर पॉल्यूशन मास्टर प्लान' अधिसूचित कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि 1 नवंबर से 28 फरवरी तक प्रदूषण नियंत्रण के लिए तय नियम हर वर्ष स्थायी रूप से लागू रहेंगे, ताकि सभी विभाग, संस्थान और नागरिक पहले से तैयार रह सकें।

सरकार के नए नियमों के अनुसार 'वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना किसी भी वाहन को ईंधन नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने का संकल्प केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी है। नई अधिसूचना सर्दियों के दौरान प्रदूषण

- पीयूसी के बिना किसी भी वाहन को नहीं मिलेगा ईंधन

नियंत्रण के लिए एक स्पष्ट, स्थायी और जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत सभी विभागों, एजेंसियों और नागरिकों को पहले से स्पष्ट रहेगा कि किस अवधि में कौन-से नियम लागू होंगे और उनकी क्या जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आपातकालीन स्थिति में कार्रवाई करना नहीं, बल्कि सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए एक स्थायी, वैज्ञानिक और प्रभावी प्रणाली विकसित करना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने खुले में कचरा या पत्तियां जलाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही प्रदूषण नियंत्रण में शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) की भी जवाबदेही तय की जाएगी।

दिल्ली में इन सेवाओं को मिलेगी छूट

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अस्पताल, स्वास्थय सेवाएं, अग्निशमन सेवाएं, जेल, सार्वजनिक परिवहन, बिजली, जलापूर्ति, स्वच्छता, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, ग्रैप लागू कराने वाली एजेंसियां तथा सरकार द्वारा समय-समय पर आवश्यक घोषित अन्य सेवाएं इन प्रतिबंधों से मुक्त रहेंगी ताकि नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं निर्बाध मिलती रहें।

बाहरी राज्यों के वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक रहेगी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 1 नवंबर से 15 फरवरी के बीच दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले वर्षों में 461 से 494 के बीच दर्ज किया गया, जिसे देखते हुए इस बार पहले से व्यापक तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई अन्य सख्त उपाय भी किए गए हैं। बीएस-6 मानक से नीचे के बाहरी राज्यों के वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके अलावा रेखा गुप्ता ने कहा कि निर्माण गतिविधियों और धूल प्रदूषण पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक तोड़फोड़ (डिमोलिशन) गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। बड़े भवनों में एंटी-स्मॉग गन और मिस्ट सिस्टम अनिवार्य होंगे, जबकि निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए भी धूल नियंत्रण संबंधी कड़े प्रावधान लागू किए जाएंगे।

दोगुना पार्किंग शुल्क, काम के समय में बदलाव

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 1 नवंबर से 28 फरवरी तक अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क दोगुना किया जाएगा ताकि लोग निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें। हालांकि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा संचालित पार्किंग स्थल, जो सार्वजनिक परिवहन और पार्क-एंड-राइड सुविधा उपलब्ध कराते हैं, इस व्यवस्था से बाहर रहेंगे। वहीं, पीक आवर्स में ट्रैफिक कम करने के लिए 1 नवंबर से 28 फरवरी तक दिल्ली नगर निगम के कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक और दिल्ली सरकार के कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक संचालित होंगे ताकि सभी कर्मचारी एक ही समय पर सड़कों पर न निकलें और यातायात का दबाव कम हो।

सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारी ही आएंगे

मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली सरकार और निजी कार्यालयों में एक समय पर केवल 50 प्रतिशत कर्मचारी ही कार्यालय में कार्य करेंगे, जबकि शेष कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। लेकिन प्रशासनिक सचिव, विभागाध्यक्ष और आवश्यक सेवाओं से जुडेच अधिकारी नियमित रूप से कार्यालय आएंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कर्मचारियों को भी बुलाया जा सकेगा। निजी संस्थानों को भी अलग-अलग कार्य समय लागू करने, वर्क फ्रॉम होम का पालन सुनिश्चित करने तथा कार पूलिंग, राइड शेयरिंग, सार्वजनिक बसों और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देकर कार्यालय आने-जाने वाले वाहनों की संख्या कम करने के निर्देश दिए गए हैं।

जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक व अन्य की बिगड़ी तबीयत, दो किलो घटा वजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक की बुधवार को चौथे दिन सेहत बिगड़ गई। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि वांगचुक का वजन भी दो किलो तक घट गया है। जबकि गत 7 दिन से भूख हड़ताल कर रहे अनीश की तबीयत भी खराब हो गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने बताया कि कई लोगों का स्वास्थ्य चिंताजनक होता जा रहा है, लेकिन अपनी मांगों को लेकर सभी शांतिपूर्ण तरीके से डटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है। यदि जल्द ही सरकार ने समाधान नहीं निकला तो अनशनकारियों की सेहत पर और गंभीर असर पड़ सकता है। दिपके ने बताया कि वांगचुक से पहले से भूख हड़ताल कर रहे अनीश की तबीयत लगातार बिगड़ रही है, दिपके ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर सरकार इस देश के युवाओं की आवाज सुनने से पीछे क्यों हट रही है। सीजेपी के अनुसार वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर जारी मेडिकल अपडेट ने चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से अब तक सोनम वांगचुक का करीब 2 किलोग्राम वजन कम हो गया है। जबकि उनका ब्लड प्रेशर भी लगातार गिर रहा है। सीजेपी ने बताया कि डॉक्टरों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। साथ ही उनका रक्तचाप भी लगातार नीचे जा रहा है, जिसे डॉक्टर मॉनिटर कर रहे हैं। मेडिकल टीम समय-समय पर उनका ब्लड प्रेशर, ऑक्सीजन लेवल, शुगर और अन्य जरूरी स्वास्थ्य जांच कर रही है। सीजेपी ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी प्रमुख मांगों पर सरकार की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक जंतर-मंतर पर धरना और आंदोलन जारी रहेगा। यह आंदोलन शिक्षा, पर्यावरण और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर किया जा रहा है। वहीं, सोनम वांगचुक की गिरती सेहत के बावजूद उनके समर्थकों का कहना है कि वह शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

खबर संक्षेप

एनडीएमसी का सुविधा शिविर चार जुलाई को होगा आयोजित

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा अपना मासिक 'सुविधा शिविर' शनिवार, 4 जुलाई, 2026 को प्रातः 10:30 बजे से 12:30 बजे तक एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, जय सिंह रोड (पालिका केंद्र के निकट), नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। यह पहल एनडीएमसी के सतत नागरिक जनसंपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देना, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना तथा जन शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। गौरतलब है कि सुविधा शिविर एक सिंगल-विंडो सुविधा मंच के रूप में कार्य करता है, जहां क्षेत्र के निवासी एवं अन्य हितधारक विभिन्न नगर सेवाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं तथा अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं।

बिधूड़ी ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में हिस्सा लिया

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बुधवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में हिस्सा लेते हुए अपना गणना प्रपत्र जमा कराया। उन्होंने लोगों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का अनुरोध किया है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान मंगलवार से शुरू हो चुका है। साउथ ईस्ट जिले के डीएम श्रवण बागड़िया अपने स्टाफ के साथ बिधूड़ी के सरकारी आवास जाकिर हुसैन मार्ग पर आए और बिधूड़ी ने अपना गणना प्रपत्र भरकर जमा किया।

महापौर-सांसद ने 56 नए वाहनों को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

महापौर प्रवेश वाही ने भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया के साथ मिलकर नरेला क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 56 अतिरिक्त वाहनों को हरी झंडी दिखाकर बेड़े में शामिल किया। इस अवसर पर महापौर वाही ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के स्वच्छ एवं हरित दिल्ली के स्वप्न को साकार करने के लिए निगम प्रतिबद्ध है। इस मौके पर महापौर वाही व सांसद चांदोलिया के अलावा दिल्ली नगर निगम में नेता सदन जय भगवान यादव, ग्रामीण समिति के अध्यक्ष योगेश राणा सहित अन्य मौजूद थे।

महापौर ने कहा कि हम अब तक नरेला सहित 4 क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अतिरिक्त वाहनों को शामिल कर चुके हैं। जल्द ही हम निगम के शेष क्षेत्रों में भी अतिरिक्त वाहन शामिल कर लेंगे। महापौर वाही ने बताया कि नरेला क्षेत्र में 32 ऑटो टिप्पर, 16 हाइवा ट्रक एवं 8 जेसीबी सहित कुल 56 अतिरिक्त वाहनों को शामिल किया गया है। अब नरेला क्षेत्र के उपायुक्त एवं डेम्स विभाग के कार्यकारी अभियंता सुनिश्चित करें कि सभी अतिरिक्त वाहनों का प्रयोग सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए शत प्रतिशत किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़कों पर कहीं भी कूड़ा नजर नहीं आना चाहिए। स्वच्छता को हमें अपनी आदत बनाना होगा और जगह जगह कूड़ा डालने की आदत पर सख्ती बरतनी होगी। महापौर वाही ने कहा कि हम सफाई कर्मचारियों के हितों का भी ध्यान रखते हुए उन्हें पक्का करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। अभी हाल ही में हमने सफाई कर्मचारियों की वरिष्ठता सूची जारी की है।

उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक दिल्लीवासी की जिम्मेदारी है कि हमारे आसपास कूड़ा नहीं रहना चाहिए। निगम में नेता सदन एवं स्थायी समिति सदस्य जय भगवान यादव ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि यह गाड़ियां सुचारू रूप से कार्य करें। हमारी यह कोशिश होनी चाहिए कि सभी 12 क्षेत्रों में सबसे सुंदर नरेला क्षेत्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सफाई निरीक्षकों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि सड़क पर कहीं भी कूड़ा नजर नहीं आना चाहिए।

नई ईवी नीति के खिलाफ ट्रांसपोर्ट संगठनों ने दी चक्का जाम की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा लागू की गई नई ईवी नीति 2026 के खिलाफ अब विभिन्न ट्रांसपोर्ट संगठनों में विरोध के सुर उठने लगे है। कई ऑटो टैक्सी संगठनों के बाद अब ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने ईवी नीति के विरोध में स्वर मुखर करते हुए सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि इस नीति को लागू करने में बहुत जल्दबाजी की है। संगठन के अध्यक्ष डॉ. हरीश सभरवाल ने बताया कि दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026 बेशक आज 1 जुलाई 2026 से लागू हो गई है। लेकिन एआईएमटीसी के साथ दिल्ली कॉन्ट्रैक्ट बस एसोसिएशन (डीसीबीए) मिलकर सरकार की इस नीति का पुरजोर विरोध करती है। उन्होंने कहा कि अन्य परिवहन संगठन भी लगातार हमारे संपर्क में है और जल्द ही कोई संयुक्त ऐलान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम स्कूल बसों, चार्टर्ड बसों और कमर्शियल वाहनों को अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहन में बदलने वाली नीति के खिलाफ है।

'दिल्ली सरकार ने अधिसूचित की नई ईवी नीति- 2026'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी में स्वच्छ, आधुनिक और प्रदूषण मुक्त परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2026 को अधिसूचित कर दिया है। यह नीति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी हो गई है और 31 मार्च, 2030 तक लागू रहेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार नई नीति का उद्देश्य दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के साथ-साथ वायु गुणवत्ता में सुधार करना, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करना, चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग अवसंरचना का व्यापक विस्तार करना तथा इलेक्ट्रिक वाहन आधारित मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र (ईको-सिस्टम) विकसित करना है। नीति के अंतर्गत वित्तीय प्रोत्साहन, डिजिटल पारदर्शिता, संस्थागत निगरानी तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को

- 2030 तक स्वच्छ, आधुनिक और हरित परिवहन व्यवस्था बनाने का लक्ष्य

समान महत्व दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नीति में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की नवीनतम रिपोर्ट का विशेष उल्लेख किया गया है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दिल्ली में विशेषकर शीतकाल के दौरान वायु प्रदूषण में लगभग 23 प्रतिशत योगदान वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का है, जो सभी स्रोतों में सबसे अधिक है। रेखा गुप्ता ने बताया कि सीएक्यूएम रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के कुल वाहनों में लगभग 67 प्रतिशत दोपहिया वाहन हैं, इसलिए इनके तीव्र विद्युतीकरण को वायु प्रदूषण कम करने के लिए अत्यंत आवश्यक माना गया है। इसके अतिरिक्त तिपहिया वाहन, वाणिज्यिक कारें तथा एन-1 श्रेणी के मालवाहक वाहन प्रतिदिन अधिक दूरी तय करते हैं और शहरी प्रदूषण में इनका योगदान भी अपेक्षाकृत अधिक है। इसी कारण नीति में इन श्रेणियों के वाहनों के प्राथमिकता आधारित विद्युतीकरण पर विशेष बल दिया गया है।

विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी यह नीति

मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति स्वच्छ वायु, आधुनिक परिवहन, ऊर्जा संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। वित्तीय प्रोत्साहनों, मजबूत चार्जिंग नेटवर्क, संस्थागत निगरानी, डिजिटल पारदर्शिता तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के माध्यम से यह नीति राजधानी को देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के अग्रणी मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त कर छात्रों की पढ़ाई बर्बाद कर रही सरकार : यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में तैनात प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) और स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी) को प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त कर भाजपा की दिल्ली सरकार लाखों छात्रों की पढ़ाई बर्बाद कर रही है। यह बात बुधवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कही।

यादव ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में गिरते शिक्षा स्तर के बावजूद बहुत से प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) और स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी) आधिकारिक तौर पर पोस्टेड होते हुए भी छात्रों को पढ़ाने के लिए कक्षाओं में नहीं जाते हैं क्योंकि वे अन्य लिपिक कार्यों के लिए प्रशासनिक कार्यालयों में तैनात रहते हैं। वहीं दूसरी ओर पहले से ही दिल्ली सरकार के

स्कूलों में स्थायी शिक्षकों की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 10 हजार से अधिक स्वीकृत शिक्षण पद खाली हैं, और शिक्षकों की कमी से निपटने के लिए सरकारी स्कूल अतिथि शिक्षकों और अस्थायी अनुबंध शिक्षकों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। स्कूलों में शिक्षकों की कमी के कारण छात्रों की पढ़ाई अत्यधिक बाधित हो रहा है, जिससे शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को सरकारी स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों की दुर्दशा की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इनका इरादा सरकारी स्कूलों को बंद करना और प्राईवेट स्कूलों की बढ़ोतरी करना है।

यादव ने कहा कि 15 साल के कांग्रेस शासन के दौरान एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई और 10 वीं में पास होने वाले छात्रों की दर 34 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत से अधिक हो गई थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूल कांग्रेस के 2008-09 के वर्षों से सभी राज्यों में शीर्ष पर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस शासन के समय सरकारी स्कूलों के छात्र निकलकर भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्रोफेसर, उच्च पदस्थ पेशेवर, शिक्षक आदि बनकर देश को गौरव बढ़ाते थे लेकिन आम आदमी पार्टी और भाजपा सरकारों ने अपने हितों को बढ़ावा देकर सरकारी स्कूलों को नष्ट कर दिया है।

अखिल भारतीय मजदूर एकता यूनियन ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय मजदूर एकता यूनियन एक बार फिर स्वच्छता सैनिकों का मुद्दा उठाते हुए दक्षिणी जोन के उपायुक्त से मिलकर मांगों को लेकर एक ज्ञापन पत्र सौंपा है। यूनियन के दिल्ली प्रभारी देवेंद्र कुमार प्रधान ने बताया कि हमारे प्रतिनिधिमंडल ने लंबे समय से लंबित पड़ी मांगों को लेकर उपायुक्त से मिलकर ज्ञापन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में संदीप कुमार सरल आदि मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हमारी मांगों में गत तीन चार साल के मृतकों व सेवानिवृत कर्मियों के जीपीएफ और जीआईएस का भुगतान तुरंत किया जाना, एमएसीपी जो 10,20 और 30 साल पूरे करने वाले स्वच्छता सैनिकों की सैलरी बढ़ाई जाए, सभी सेवानिवृत्त होने वाले स्वच्छता सैनिकों को मौके पर ही लाभांश आदि का भुगतान किया जाए, एनपीएस से ओपीएस के केसों की सभी फाइलों का निपटारा किया जाए और जो 28 फाइलें लेफ्ट आउट केस की हैं उन्हें जल्द से जल्द निपटाया जाए। प्रधान ने बताया कि संगठन उपायुक्त से अपील करता है कि यह मांगे नहीं हमारा हक है, इसलिए प्रमुखता से कार्रवाई की जाए।

रेखा ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को जन-आंदोलन बनाने का किया आह्वान

दिल्ली को हरा-भरा बनाने के लिए सीएम ने 'ग्रीन ड्राइव पोर्टल' का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सरकार के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 'ग्रीन ड्राइव पोर्टल' (green-drive.delhivanmahotsav.in) का आधिकारिक शुभारंभ किया। यह पोर्टल आगामी 'रिज वन पुनरुद्धार कार्यक्रम - एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप देने की दिशा में दिल्ली सरकार की एक क्रांतिकारी डिजिटल पहल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी दिल्लीवासियों से पर्यावरण संरक्षण के इस महाअभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। वहीं, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 'ग्रीन ड्राइव पोर्टल' के माध्यम से दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों को शामिल करते हुए वृक्षारोपण स्थलों का वर्गीकरण किया गया है। इस पोर्टल पर नागरिक अपनी सुविधा अनुसार वृक्षारोपण के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। इस अवसर पर 'दिल्ली ग्रीन वॉरियर्स' भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'ग्रीन ड्राइव पोर्टल' के माध्यम से 'पौधारोपण', 'वृक्ष रथ', 'नर्सरी लोकेटर' एवं 'एन्वायरमेंट सेवियर' जैसी सुविधाओं से हर दिल्लीवासी जुड़ेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जुलाई माह में 'रिज वन पुनरुद्धार कार्यक्रम' का शुभारंभ करेंगे। साथ ही पूरी दिल्ली में '70 लाख पौधे लगाने' का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा '300 नई इलेक्ट्रिक बसों' और नए अंतरराज्यीय मार्गों की बसों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

अधिक से अधिक नागरिकों को पौधारोपण से जोड़ने का संकल्प

मुख्यमंत्री ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित इन स्वयंसेवकों ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक नागरिकों को पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने 'दिल्ली ग्रीन वॉरियर्स' के उत्साह एवं सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली को हरित एवं स्वच्छ बनाने का यह अभियान सरकार के साथ-साथ जनभागीदारी से ही सफल होगा।

शाह के राम मंदिर नहीं जाने पर केजरीवाल ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

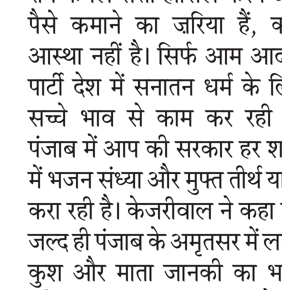

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को प्रेसवार्ता करते हुए भगवान राम के नाम पर वोट मांगने वाले देश के गृह मंत्री अमित शाह को घेरा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुए 891 दिन हो गए हैं। लेकिन शाह रामलला के दर्शन करने नहीं गए, क्यों।

जबकि इन ढाई सालों में अमित शाह ने 42 से ज्यादा बार अपने भाषणों और इंटरव्यू में भगवान राम और मंदिर का जिक्र किया, जिसमे कई बार राम और मंदिर के नाम पर वोट मांगा, लेकिन दर्शन करने नहीं गए। इनके लिए राम केवल सत्ता हासिल करने और पैसे कमाने का ज़रिया है। इनकी राम में कोई आस्था नहीं है, धन्यवाद तक करने नहीं जाते। उन्होंने कहा कि इनके लिए राम केवल सत्ता हासिल करने और पैसे कमाने का ज़रिया हैं, कोई आस्था नहीं है। सिर्फ आम आदमी पार्टी देश में सनातन धर्म के लिए सच्चे भाव से काम कर रही है। पंजाब में आप की सरकार हर शहर में भजन संध्या और मुफ्त तीर्थ यात्रा करा रही है। केजरीवाल ने कहा कि जल्द ही पंजाब के अमृतसर में लव-कुश और माता जानकी का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। इस मुद्दे पर केजरीवाल ने कहा कि देश की तरफ से अमित शाह से 5 सवाल है।

खबर संक्षेप

ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

गाजियाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित ई.वी.एम. वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और रखरखाव का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

स्मैक बरामदगी के मामले में एक और धराया

फरीदाबाद। 272 ग्राम स्मैक बरामदगी के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने आगे कार्रवाई करते हुए 1 जुलाई को फहीम खान निवासी बरेली उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। जिसको 5 दिन पुलिस रिमांड पर लेकर आगे सोर्स के बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। पुलिस ने बताया कि 28 जून 2026 की रात अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने आमीर शाह को बाईपास रोड सेक्टर 37 क्षेत्र से 272 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था।

हमला करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। चौकी दयालबाग क्षेत्र में 29 जून को एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस चौकी दयालबाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास उर्फ पग्गर, निवासी शिव दुर्गा विहार, लकड़पुर, फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता मोहम्मद शाहिद निवासी शिव दुर्गा विहार लकड़पुर फरीदाबाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई अहमद रज़्ज़ा बिजली की दुकान पर पानी की मोटर ठीक कराने गया था।

मंत्री नागर की सूझबूझ से गुर्जर सभा के निर्विरोध अध्यक्ष बने मनोज भड़ाना

शिक्षा के सहारे बड़ी लकीर खींचे गुर्जर समाज: मंत्री राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर की सूझबूझ से गुर्जर सभा हरियाणा के फरीदाबाद के चुनाव में मनोज भड़ाना सर्वसम्मति से अध्यक्ष घोषित हुए हैं।

इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि आज जो शिक्षित है उसे ही तरक्की मिलेगी। इसलिए मेरी गुर्जर समाज से अपील है कि वह अपने बच्चों को खूब पढाएं लिखाएं और योग्य बनाएं। ऐसा करके समाज में शिक्षा के सहारे बड़ी लकीर खींचने की कोशिश करनी चाहिए। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ने वाली बहादुर कौम बीते समय में क्यों पिछड़ गई और उनमें अनेक कुरीतियों ने क्यों घर बना लिया। इस पर समाज मिलकर मंथन करे। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की भी अपील की।

मंत्री राजेश नागर ने कहा कि कलयुग में संगठन ही शक्ति है। सभी मिलकर गुर्जर सभा को मजबूत करेंगे तो यह सभा सर्व समाज के लाभ के लिए काम कर सकेगी। उन्होंने कहा कि आज कोई अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है लेकिन संगठित होकर हर कार्य संभव हो जाएगा। नागर ने कहा कि सभी मिलकर गुर्जर सभा के बैनर तले सामाजिक कार्यों द्वारा सर्व समाज की भलाई का काम करें। संगठन के चुनाव करना संवैधानिक कार्यवाही है। चुनाव होने तक सभी अपने-अपने उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार-प्रसार करते हैं, लेकिन नई टीम बनने के बाद संगठन के सभी सदस्य एक टीम हैं।

गुर्जर सभा के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न

हम सभी को मिलकर ऐसा काम करना है कि लोग हमारे संगठन के नाम से हमारी मिसाल दें। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज भड़ाना को बधाई देते हुए सभी को साथ लेकर चलने की प्रेरणा दी। मनोज भड़ाना एवं अन्य वरिष्ठ जनों ने मंत्री राजेश नागर का धन्यवाद किया कि उनके सानिध्य में गुर्जर सभा के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हो गए। अब हम सर्व समाज की भलाई के लिए काम करेंगे। भड़ाना ने कहा कि हम समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार पर भरपूर ध्यान देंगे। हम नर्सरी क्लास से अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरणा देने का काम करेंगे। इस अवसर पर गजराज नागर प्रधान सेक्टर 21, सुमेश चंदीला पार्षद, विजेंद्र चंदीला, विक्रम चंदीला, देशराज विधूड़ी, मास्टर हरिराम चंदीला, राजेंद्र चपराना, बुध सिंह सरपंच, बीर सिंह नम्बरदार, अजब चंदीला, परमानंद, मदन चेयरमैन, कन्हैया लाल एडवोकेट, महेंद्र सरपंच, पूर्व पार्षद दीपक चौधरी, पार्षद रमेश छावडी, ओमप्रकाश बैसला, तिलक राज बैसला, एमपी नागर एडवोकेट, संत राज चंदीला, जयवीर नागर, ज्ञानचंद भड़ाना, रणवीर विधूड़ी, रघुवर सरपंच, संत राज चंदीला, हरिंदर नंबरदार, मामचंद प्रधान, संजय भड़ाना, धरम वीर हरसाना, देशराज नागर, सत्य भड़ाना, खड़क सिंह चेयरमैन, रणबीर चंदीला, हंसराज कपासिया, कैलाश चंदीला, जीत सिंह दायमा, मास्टर भरत सिंह आदि समाज के प्रमुख सदस्य मौजूद रहे।

1.85 करोड़ से सिविल अस्पताल में आधारभूत सुविधाओं का हुआ विस्तार

हर नागरिक तक आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना सरकार का संकल्प: कृष्ण पाल गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि जिला नागरिक अस्पताल में भवन के नवीनीकरण और तथा जिले के सात अमृत सरोवरों के लोकार्पण से स्वास्थ्य सेवाओं, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिली है। फरीदाबाद में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में उन्होंने केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा, पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा, जिला परिषद चेयरमैन विजय सिंह तथा उपायुक्त आयुष सिन्हा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नारायणगढ़ स्थित अनाज मंडी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से ऑनलाइन माध्यम द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य विभाग और पंचायत विभाग की योजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया।

कार्यक्रम का लाइव प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, मेडिकल कॉलेजों के विस्तार, डिजिटल हेल्थ मिशन और आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना के माध्यम से देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार भी स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ कर रही है।

इसी क्रम में अंबाला, फरीदाबाद, कैथल, पलवल, रेवाड़ी और नूंह के जिला अस्पतालों का लगभग 28.09 करोड़ की लागत से नवीनीकरण किया गया है, जहां आधुनिक सुविधाएं, बेहतर आधारभूत ढांचा, स्वच्छ वातावरण और मरीजों की सुविधाओं का विस्तार किया गया है।

फरीदाबाद में 4.67 करोड़ से विकसित सात अमृत सरोवरों का लोकार्पण, मूलचंद शर्मा ने कहा-प्रदेश के लाखों नागरिकों को मिलेगा स्वास्थ्य परियोजनाओं का लाभ

एमसीएच यूनिट का निर्माण तेजी से जारी

प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों में वृक्षारोपण पखवाड़ा भी शुरू किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ हरियाणा के निर्माण की महत्वपूर्ण पहल है। राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि जिला सिविल अस्पताल फरीदाबाद में लगभग 1.85 करोड़ की लागत से सफेदी, शौचालयों के उन्नयन, आंतरिक सड़कों और पार्किंग के विकास के कार्य किए गए हैं, जिससे अस्पताल अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनेगा तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में अस्पताल में 16111 करोड़ की लागत से सात मंजिला मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एमसीएच यूनिट का निर्माण तेजी से जारी है, जिसे लगभग दो वर्षों में जनता को समर्पित किया जाएगा।

अमृत सरोवर का लोकार्पण किया

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि पंचायत विभाग द्वारा पूर फरीदाबाद के सात अमृत सरोवर का लोकार्पण किया गया है। लगभग 4.67 करोड़ की लागत से विकसित अटाली, भनकपुर, मोहला, गढ़खेड़ा, रायपुर कलां के ये सरोवर जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण विकास को नई गति देंगे। जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले। इन परियोजनाओं को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग, लोक निर्माण विभाग, जिला प्रशासन, इंजीनियरिंग टीम, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार भविष्य में भी जनकल्याण एवं विकास की ऐसी योजनाओं को गति देती रहेंगी।

जनहितकारी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत, आधुनिक और जनहितकारी बनाने की दिशा में निरंतर ऐतिहासिक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने इन जनकल्याणकारी परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

तीन दिवसीय हड़ताल की दी चेतावनी

समझौते लागू न करने से नाराज कर्मचारियों ने झाड़ू प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

13 मई 2026 के हड़ताल के समझौते को लागू न करने से नाराज नगर निगम कर्मचारियों ने नगर निगम मुख्यालय पर भोजन अवकाश के समय किया झाड़ू प्रदर्शन और दो-तीन दिवसीय हड़ताल की चेतावनी । आज के विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता संघ के राज्य सचिव एवं सीवरमैन यूनियन के प्रधान अनूप चिंडालिया ने की एवं संचालन सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव महेंद्र कुड़िया ने किया। आज के प्रदर्शन में नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए सरकार पर लगाए वायदा खिलाफी के आरोप और बताया कि 1 मई से 14 मई तक पूरे प्रदेश की पालिका परिषद निगमों के कर्मचारियों ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने एवं अन्य 22 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल की हड़ताल के बीच 13 मई 2026 को संघ के प्रतिनिधि मंडल और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के बीच वार्ता हुई वार्ता में 22 मांगो में से 17 पर सहमति बनी और सरकार ने आश्वासन दिया कि 30 जून तक सरकार सभी मानी गई मांगों के पत्र जारी करेगी। शास्त्री ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार हड़ताल के समझौते को ईमानदारी से लागू नहीं कर रही है यह कर्मचारियों के साथ धोखा है सरकार की वायदा खिलाफी से नाराज पूरे प्रदेश के पालिका, परिषद एवं निगमों के कर्मचारी 6, 7 व 8 अगस्त 2026 को करेंगे, 3 दिवसीय हड़ताल नेताओं ने कहा कि हड़ताल से पूर्व 1 व 2 जुलाई को फरीदाबाद का कर्मचारी करेगा।

दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

दिल्ली ट्रांसको लि. (राराक्षे दिल्ली सरकार का उपक्रम) निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ऑनलाइन दो भाग घरेलू प्रतिस्पर्धात्मक बोली (डीसीबी) निविदा आमंत्रित करने की इच्छुक है :

निविदा सं. T25P640001 : टर्नकी आधार पर 400 केवी सब स्टेशन हर्ष विहार और 400 केवी बवाना में सिविल कार्य समेत एक्सेसरीज और सम्बद्ध उपकरण के साथ-साथ 2 अदद 500 एमवीए आईसीटी का संवर्धन।

निविदा के पूर्ण विवरण के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स पर पधारें :-
https://govtprocurement.delhi.gov.in (निविदा आईडी संख्याः 2026_DTL_294614_1) और **www.dtl.gov.in** के साथ यूनिक नं. DTL-0070-010726.
बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 18.08.2026 अप. 1.30 बजे।

इस ई-निविदा के सभी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/संशोधन/विस्तार की तिथि/स्पष्टीकरण इत्यादि केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर पधारना चाहिए।

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तों **1. फरुख उर्फ सोहेल** पुत्र बन्दूखान, निवासी ई–3638, जे.जे. कॉलोनी, बवाना, दिल्ली और **2. सोनू** पुत्र सोम नाथ, निवासी के–271, जे.जे. कॉलोनी, बवाना, दिल्ली ने प्रथम रिपोर्ट सूचना सं. 694/2015 धारा 392/411/34 भा.द.स., थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. फरुख उर्फ सोहेल** और **2. सोनू** मिल नहीं रहे हैं, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. फरुख उर्फ सोहेल** और **2. सोनू** फरार हो गया हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इनके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम रिपोर्ट सूचना सं. 694/2015 धारा 392/411/34 भा.द.स., थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **1. फरुख उर्फ सोहेल** और **2. सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **07.08.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री भारती बेनीवाल,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05, (उत्तर)
कमरा नं. 114, प्रथम तल,
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/8550/ON/2026

मुलाकात स्थान की जानकारी सार्वजनिक नहीं करने के निर्देश

गैंगस्टर काला जठेड़ी को चार घंटे की कस्टडी पैरोल, गुरुग्राम में पत्नी और नवजात जुड़वा बेटियों से करेगा मुलाकात

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी को दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने मानवीय आधार पर चार घंटे की कस्टडी पैरोल प्रदान की है। अदालत के आदेश के अनुसार वह पुलिस सुरक्षा के बीच गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती अपनी पत्नी अनुराधा चौधरी और हाल ही में जन्मी जुड़वा बेटियों से मुलाकात करेगा।

सुरक्षा और परिवार की निजता को देखते हुए अदालत ने अस्पताल और मुलाकात के स्थान की जानकारी सार्वजनिक नहीं करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार अनुराधा चौधरी ने आईवीएफ प्रक्रिया के जरिए जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। प्रसव के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने सी-सेक्शन के माध्यम से डिलीवरी कराई। काला जठेड़ी ने पत्नी और नवजात बच्चों से मिलने की अनुमति के लिए अदालत में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने अस्पताल और मेडिकल रिकॉर्ड की जांच के बाद उसकी मांग स्वीकार करते हुए चार घंटे की कस्टडी पैरोल मंजूर की। काला जठेड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच निर्धारित समय के लिए अस्पताल पहुंचेगा और मुलाकात पूरी होने के बाद उसे वापस जेल ले जाया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

250 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई

संदीप उर्फ काला जठेड़ी हरियाणा के सोनीपत जिले के जठेड़ी गांव का निवासी है। उसने 12 मार्च 2024 को पूर्व लेडी डॉन अनुराधा चौधरी से दिल्ली में विवाह किया था। उस समय भी रोहिणी कोर्ट ने उसे छह घंटे की कस्टडी पैरोल दी थी। विवाह समारोह के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए 250 से अधिक पुलिसकर्मियों और कमांडो की तैनाती की गई थी।

मैडम ने गुरुग्राम में किया अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार

गुरुग्राम। महिला फास्ट फैशन ब्रांड मैडम ने गुरुग्राम में अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार करते हुए फेलिक्स प्लाज़ा में स्टोर का शुभारंभ किया। शहर में यह ब्रांड का चौथा स्टोर है, जो गुरुग्राम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कंपनी की बढ़ती मौजूदगी को दर्शाता है। मैडम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक अखिल जैन ने कहा कि गुरुग्राम हमेशा से कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार रहा है। यहां के ग्राहकों से ब्रांड को लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। पिछले कुछ वर्षों में गुरुग्राम फैशन के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं और प्रीमियम रिटेल अनुभव की बढ़ती मांग के कारण उसके लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बनकर उभरा है।

मुद्दों को विधानसभा और लोकसभा में उठाया जाएगा

संसदीय बोर्ड गठन को रालोद नेता ने जनहित में लिया गया कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

राष्ट्रीय लोकदल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष सरदार इंदरजीत सिंह टीटू ने संसदीय बोर्ड का गठन करने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के कदम को सराहनीय व जनहित वाला कदम बताया है। एक बयान में टीटू ने कहा है कि जयंत ने अपने आपको को इस संसदीय बोर्ड में सदस्य के रूप में रखना और पूर्व सांसद के सी त्यागी को अध्यक्ष के रूप में सम्मान देने ये एक बहुत बड़ा संदेश दिया है। आम जनता के लिए किसान के लिए मजदूर के लिए राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ता के लिए आने वाले 2027 नजदीक आ चुका है।कैसे पब्लिक के बीच में जाया जाएगा किन मुद्दों को विधानसभा और लोकसभा में उठाया जाएगा आम जनता और किसान मजदूर की आवाज़ को कैसे बुलंद किया जाएगा इस काम के लिए संसदीय बोर्ड का गठन किया गया है। जिसमें सभी तजुर्बेकार, अनुभवी मानु भाव को रखा गया है।

दिल्ली, मप्र, व पंजाब आदि स्थानों से इलेक्ट्रोनिक डिवाइस चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

3 शातिर अपराधी गिरफ्तार, एक करोड़ का माल व बीएमडब्ल्यू कार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

स्वाट टीम, अपराध शाखा पुलिस ने बुधवार को मोबाइल टावरों से इलैक्ट्रोनिक डिवाइस-बीबीयू, आरआरयू चोरी करने व उनकी खरीद फरोख्त करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से चोरी का लगभग 01 करोड़ रुपए का माल व घटना करने में प्रयुक्त 01 बीएमडब्लू कार बरामद बरामद की है। यह गिरोह गाजियाबाद, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व पंजाब सक्रिय है तथा अनेक वारदातों को अंजाम दे चुका है।

अन्तर्राज्यीय गिरोह का सक्रीय सदस्य अदनान उर्फ अज्जू

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/ यातायात राजकरन नैय्यर ने मीडिया को बताया कि स्वाट टीम, अपराध शाखा व थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही में गाजियाबाद, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व पंजाब से मोबाइल टावरों से रिमोट रेडियो यूनिट बेसबैण्ड यूनिट आदि इलैक्ट्रॉनिक डिवाइस चोरी करने व उनकी खरी फरोख्त करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के सक्रिय सदस्य अदनान उर्फ अज्जू निवासी मौहल्ला कोटला कस्बा व थाना मीरापुर मुजफ्फरनगर, आमिर निवासी ग्राम कसेरवा थाना शाहपुर जनपद-मुजफ्फरनगर है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	सूचना लोक सम्पर्क, भाषाएं एवं संस्कृति निदेशालय, हरियाणा	दो वर्ष के लिए इटियोस, स्विफ्ट डिजायर, एरटिगा, इनोवा, हाईक्रॉस, इनोवो क्रिस्टा, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडिज, टेम्पो ट्रेवलर, वोल्वो बस को एसी टैक्सियों को किराये पर लेने के लिए ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।	02.07.2026 20.07.2026		https://etenders.hry.nic.in	0172-2747414 autodgipr@gmail.com
2	वन विभाग भिवानी	सिवानी रेंज में पौधों के रखरखाव हेतु निविदा।	22.06.2026 06.07.2026	51.78 लाख	https://haryanaeprocurement.gov.in	01664-242430 dfo.bhiwani@yahoo.com
3	नागरिक हस्पताल पंचकूला	औषधि और कंज्यूमेबल्स मदें।	02.07.2026 13.07.2026		https://etenders.hry.nic.in	0172-2562199 gh6pkl@gmail.com
4	पंचायती राज सोनीपत	गांव नैना ततारपुर में धानक चौपाल का निर्माण, एमपीएलएडी।	बंद होने की तिथि 06.07.2026	4.18 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9268376188 brijmohansdo@gmail.com
5	पंचायती राज करनाल	गांव डेरा संजय नगर में गुरूद्वारा के निकट सामुदायिक केन्द्र को पूरा करना + 7 कार्य।	25.06.2026 04.07.2026	63.45 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896634422 prexeeng.krl@hry.nic.in
6	पंचायती राज करनाल	कतलाहेड़ी – गांव कतलाहेड़ी ब्लॉक चिराव में अंग्रेज राणा के मकान से तालाब तक नाला का निर्माण + 7 कार्य।	29.06.2026 07.07.2026	60.78 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896634422 prexeeng.krl@hry.nic.in
7	कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करनाल	केसीजीएमसी, करनाल में औषधि और कंज्यूमेबल्स (विटामिन के 1 एमजी, इंज. एंटी रेबिज वैक्सिन, इंज. मैट्रोनाइडाजोल I.V 100 एमएल, इंज. टर्लीप्रेसिन 0.1 एमजी/एमएल, 10 एमएल इत्यादि) की आपूर्ति के लिए ई-निविदा के सम्बन्ध में।	03.07.2026 10.07.2026	ईएमडी 10000	https://etenders.hry.nic.in	9896154463 director.kcghc-hry@gov.in
8	कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करनाल	केसीजीएमसी, करनाल में औषधि और कंज्यूमेबल्स (टैम्सुलोसिन + डूटास्टेराइड टैब., लैक्टुलोज सोल्यूशन, विटामिन डी3 टैबलेट-च्यूऐबल, सेट्रीजीन सिरप इत्यादि) की आपूर्ति के लिए ई-निविदा।	06.07.2026 13.07.2026	ईएमडी 10000	https://etenders.hry.nic.in	9896154463 director.kcghc-hry@gov.in
9	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा चरखी दादरी	एलडब्ल्यूएस (एम) उपमंडल सं. 2, चरखी दादरी के अधिकारक्षेत्र के तहत विभिन्न बाढ़ स्थलों पर 30 एचटी स्टार्टर की मरम्मत करने के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री की आवश्यकता के सम्बन्ध में और 3 अन्य कार्य।	बंद होने की तिथि 07.07.2026	5.12 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01250-220058 xenlwsmech@gmail.com
10	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा नारनौल	नारनौल निर्वाचन क्षेत्र में स्प्रिंकलर सिस्टम के माध्यम से सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए गांवों नांगल काथा, चिंडालिया, डोहर कलां और अमरपुर जोरासी में 4 अदद नहरी पानी संग्रहण टैंकों का निर्माण।	बंद होने की तिथि 16.07.2026	674.03 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01282-251214 xencivilnnl@rediffmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in पीआरडीएच–11/2027/200/46732/I/88/7 दि. 01.07.26

पेज एक का शेष

मंत्रिमंडल में परिवर्तन तय ...

प्रभारी संगठन में अनिवार्य रूप से नीचे तक जाए, और निश्चित रूप से इस काम में हम पिछले पांच-छह महीने में सफल रहे। कोर कमेटी की लंबे समय से बैठक नहीं हो रही थी उसे भी दो महीने में एक बार किया जाना सुनिश्चित किया। संगठन में जितनी सक्रियता करनी चाहिए थी, जो गठन करना चाहिए थे किए। सरकार के स्तर पर भी मुख्यमंत्री के साथ समन्वय करके या प्रभारियों के साथ मिलकर भी। प्राधिकरण में जो नियुक्तियां नहीं हुईं थी वे कीं। निगम-मंडलों, जनभागीदारी, एल्डरमैन तथा जिलों में ऐसे कई पद थे जो कार्यकर्ताओं को दिये जा सकते थे उन्हें भी भरने का काम किया। सत्ता और संगठन ने मिलकर जो हो सकता था उसे करने का प्रयास किया।

प्रश्न: नियुक्तियों का एक चरण पूरा हुआ, कहा जा रहा है अब दूसरे चरण में और नियुक्तियां होंगी?

उत्तर: राजनीति में कोई पद कितने लंबे समय दिए जाएं ये महत्वपूर्ण नहीं है। उसको देने के लिए कब सही समय आया, ये महत्वपूर्ण है। कई बार निगम-मंडल चुनाव के समय घोषित होते हैं। राजनीति में तो वक्त के साथ-साथ पदों को दिया जाता है। अभी हमें लगा कि हमारे 60-70 कार्यकर्ताओं को उपकृत करना है। कहीं न कहीं उनकी क्षमता अनुसार काम करना है। देना है पद हमने दिया। अभी बहुत सारी जगह नियुक्तियां करनी हैं, अब जब वक्त आएगा, समय आएगा तब और नियुक्तियां करेंगे।

प्रश्न: वक्त आ गया ये आप कब मानते हैं?

उत्तर: जब हमें लगता है कि संगठन और सत्ता की दृष्टि से किसी पद पर किसी व्यक्ति की आवश्यकता है, तब हम उसकी नियुक्ति करेंगे। तो वो वक्त जब आता है तो उसका निर्णय करेंगे।

प्रश्न: कांग्रेस से जो लोग भाजपा में शामिल हुए हैं उनकी पार्टी में क्या स्थिति है?

उत्तर: अगर हमारी विचारधारा, हमारी पद्धति, हमारे काम करने का तरीका अच्छा है तो दूसरे दलों के कार्यकर्ता हमारी ओर आकर्षित होते हैं। कई बार उनके दल में विषम परिस्थिति रहती है, वहां उनका सम्मान नहीं होता, तो वे अपनी विचारधार से दुखी होकर वे अन्य पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। ऐसे में क्षमतावान और ऐसे कार्यकर्ता जिनकी समाज में पकड़ है और वे हमारे दल में आना चाहते थे तो हमने उनका स्वागत किया। मैं समझता हूं वे पूरी तरह हमारी विचारधारा में रचबस गए हैं। भाजपा की अपनी कार्य पद्धति हैं तो अब वे हमारे परिवार का हिस्सा है। अब हम यह नहीं सोचते कि वे कहां से आए थे, कब आए थे।

प्रश्न: भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं और अन्य दलों से आए कार्यकर्ता जब आपस में लड़ते थे, इसको संभालने के लिए आपने किस तरह की रणनीति के तहत काम किया?

उत्तर: लोगों में तुरंत ही समन्वय हो गया और लोगों ने स्वीकारा तो मैं समझता हूं कि ये कहना थोड़ा गलत होगा। जब कार्यकर्ता 10-20 साल एक व्यक्ति के सामने खड़े होकर उसका राजनीतिक विरोध करते हैं और जब वह साथ आता है तो स्वाभाविक तौर पर दोनों पक्षों में कुछ न कुछ खिंचाव रहता है। लेकिन, ये तो हमारी पार्टी की विचारधारा, हमारी कार्य पद्धति है कि हम इसमें व्यक्ति को नहीं बल्कि पार्टी और विचारधारा को महत्व देते हैं। हजारों कार्यकर्ता आए। कुछ जगह टकराव की स्थिति बनी। लेकिन ऐसी स्थिति में मैं, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल जी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी और हमारे प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंहजी हमें जैसे भी लगता है हम समन्वय कराने का काम करते हैं और उसमें सफल भी रहते हैं।

प्रश्न: मुख्यमंत्री डॉ. यादव सत्ता प्रमुख हैं और आप संगठन प्रमुख हैं, दोनों के रिश्ते कैसे हैं?

उत्तर: सत्ता और संगठन में समन्वय होना चाहिए। सत्ता में संगठन समा न जाए इसका भी प्रयास होना चाहिए। लेकिन सत्ता से दूरी न बनाएं, इसका भी प्रयास होना चाहिए। जैसे एक पटरी के दो पाथ होते हैं न कभी दूर होते हैं न पास होते हैं, हम साथ चलें। जब हमें लगता है ये चीज ठीक नहीं है तो हम सुझाव देते हैं। जब उन्हें लगता है संगठन में ऐसा नहीं, इसमें कुछ बदलाव होना चाहिए तो वो सुझाव देते हैं। तो एक दूसरे के समन्वय के साथ सत्ता और संगठन चलें। क्योंकि सरकार से संगठन नहीं, संगठन से सरकार है। अगर संगठन सही होगा, कार्यकर्ता में अपनी विचारधारा और अपनी कार्य पद्धति के प्रति सम्मान होगा तो सत्ता तो आएगी ही। इसलिए सत्ता से संगठन न चले। संगठन के साथ सरकार समन्वय करके चले इसका हम प्रयास करते हैं।

प्रश्न: हेमंत खंडेलवाल और डॉ. मोहन यादव का रिश्ता कैसा है? क्या डॉ. मोहन यादव नाराज हैं हेमंत खंडलेवाल से?

उत्तर: मुझे तो ऐसा नहीं लगता। न ही मैं यह जानने की कोशिश करता हूं कि कौन नाराज है, कौन नहीं है। मुझे जहां लगता है कि मुझे इस बारे में सरकार को बताना चाहिए तो मैं बताता हूं। जहां लगता है हमारी कोई शासकीय योजना या कोई शासकीय अधिकारी अच्छा काम कर रहा है तो उसे प्रोत्साहित भी करता हूं।

प्रश्न: आप अध्यक्ष हैं और आपको अभी तक कोई बंगला नहीं मिला, क्या सत्ता कुछ खुश नहीं है आपसे?

उत्तर: अगर खुद अध्यक्ष बंगला न चाहे तो उसमें मुख्यमंत्री क्या करें। मुख्यमंत्री जी मुझे ये तीन-चार बार बोल चुके हैं, कोई अध्यक्ष रहे या मंत्री रहे उन्हें इसलिए बंगला देना चाहिए कि सैकड़ों कार्यकर्ता मिलने आते हैं तो उन्हें सुविधा होनी चाहिए, आपको कोई न कोई बंगला लेना चाहिए। आपके माध्यम से मैं इस बात के लिए उनका (मुख्यमंत्रीजी का) धन्यवाद करता हूं। लेकिन मेरी अपनी सोच है कि मेरे पास अपनी खुद की व्यवस्था है। मैं अपने फ्लैट में, अपने ऑफिस में लोगों से मिल सकता हूं। और बाकी तो भाजपा का कार्यालय है, वहां कार्यकर्ताओं से मिलना समन्वय करना होता है। मुझे लगा व्यक्तिगत तौर पर मुझे जरूरत नहीं है तो मैंने इनकार कर दिया।

प्रश्न: आपको जरूरत नहीं तो कहीं ऐसा न हो कि ये परंपरा बन जाए कि हेमंतजी ने तो बंगला नहीं लिया। तो आप आने वाले लोगों के लिए इतनी बड़ी मिसाल क्यों कायम कर रहे हैं?

उत्तर: अगर हम राजनीति में हैं। हम पार्टी को पूरा समय देना चाहते हैं। पार्टी के लिए जी जान लगाना चाहते हैं। लेकिन आर्थिक रूप से हम सक्षम नहीं हैं। तो हमें पार्टी या सरकार की जिन चीजों का उपयोग करने का हक है। यदि न करें तो हम पार्टी का नुकसान कर रहे हैं क्योंकि हम अपनी क्षमता का कैसे उपयोग करेंगे। लेकिन, अगर मेरे जैसा सक्षम कार्यकर्ता जो आर्थिक रूप से भी मजबूत है जिसके पास समय भी है तो फिर मैं पार्टी और सरकार के संसाधनों का उपयोग क्यों करूं। मेरी आर्थिक स्थिति है कि मैं अपने फ्लैट में रह सकता हूं, अपने संसाधनों का उपयोग कर सकता हूं, पार्टी और संगठन की मदद कर सकता हूं। ये मेरी सोच है। अगर मेरी जगह कोई और होता उसमें ऊर्जा होती लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती तो उसके लिए इन सब चीजों का उपयोग करना सही भी है और मैं समझता हूं करना भी चाहिए।

प्रश्न: डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जो सरकार काम कर रहीं है उस पर आपका आकलन क्या कहता है?

उत्तर: डॉ. मोहन यादव की सरकार को ढाई साल हो गए और मेरे कार्यकाल को करीब एक साल हो गया। तो इस सरकार के सामने दो चुनौती थी, एक तो पुरानी राज्य सरकारों ने जो योजनाएं शुरू कीं उनको भी जारी रखना। चाहे लाड़ली बहना योजना हो, उसमें राशि बढ़ाना हो, तीर्थ दर्शन हो, शून्य प्रतिशत पर ब्याज देना हो, सामूहिक कन्यादान योजना हो या अन्य कोई योजना हो इनके लिए बजट में भी प्रावधान करना और दूसरा कुछ नया करना। मैं मोहन यादव जी की सरकार को इस बात के लिए बधाई देना चाहूंगा कि सारी योजनाओं को अच्छे ढंग से चलाने के साथ-साथ उन्होंने उद्योग के मामले में एक बड़ा काम किया। पहले तो इंडस्ट्री कॉन्क्लेव इंदौर और भोपाल में ही आयोजित की जाती थीं, लेकिन अब संभाग स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए गए। हर जिले में क्या संभावनाएं हो सकती हैं, स्थानीय उद्योग और रोजगार कैसे आगे बढ़े, इसके लिए सरकार ने पिछले एक साल में काम किया। उसके बाद इस साल कृषि को लेकर सरकार ने अच्छा काम किया। सोयाबीन में भावांतर से और अधिक गेहूं खरीदी कर बोनस देकर किसानों को लाभ दिया। इसके साथ-साथ दो मामले में सरकार ने और अच्छा काम किया। मध्यप्रदेश जंगल के मामले में पूरे देश में मशहूर है। हमारे वाइल्ड लाइफ में पर्यटन बढ़े, चीते भी रहें, अन्य पशु भी रहें। हम चीते लाए और ऐसे कौन से पशु लेकर आएं जिनसे लोग आकर्षित हों। वाइल्ड लाइफ से पर्यटन बढ़े, रोजगार बढ़े इसके लिए मोहन यादव सरकार ने पिछले एक दो साल में बड़ा काम किया है। पूरे देश के पर्यटकों को मध्यप्रदेश में आकर्षित करने का प्रयास किया है। मध्यप्रदेश में धार्मिक धरोहर हैं, चाहे उज्जैन में महाकाल, ओरछा, ओंकारेश्वर ये स्थान तो हजारों सालों से हैं लेकिन इनका इतना विकास करें कि जहां पहले हजारों की संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचते थे अब लाखों कि संख्या में आ रहे हैं। इससे हमारी धार्मिक पर्यटन भी बढ़े, हमारी सनातन परंपरा देश दुनिया में जाए और रोजगार भी बढ़े ये बड़ा काम मोहन सरकार ने किया है। इससे मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था बढ़ी है, लोगों को रोजगार भी मिला है, आस्था और जंगलों के प्रति सम्मान बढ़ा है, किसानों की भी चिंता की है, उद्योगों की भी चिंता की है। हर विषय पर वर्तमान सरकार ने कुछ अच्छा करने का प्रयास किया।

प्रश्न: आप अपने विधायकों की चिंता क्यों नहीं कर रहे? सरकार में 4 मंत्री पद रिक्त पड़े हैं। आप पहल करके उन्हें क्यों नहीं भरवाते?

उत्तर: जब आप किसी योगाचार्य से आहार संबंधी सलाह लेते हैं तो वह कहता है जितना आपको भूख लगती है उससे 25 प्रतिशत अपने पेट को खाली रखिए। स्वास्थ्य की दृष्टि से ये अच्छा होता है। अगर पूरे पद भर जाएंगे तो अपेक्षाएं और उम्मीदों पर तो कुछ रह ही नहीं जाएगा। ये तो स्वाभाविक चीज है कि हमारे पास यह विचार करने का मौका रहता है कि हम किसी नए को या किसी को कब पद दे सकें। किसी के पास दो मंत्रालय होने से कोई फर्क नहीं आता। 95 प्रतिशत पद भरे हुए हैं ऐसे में 4 मंत्री पद रिक्त रहना कोई बड़ी बात नहीं है।

प्रश्न: क्या सरकार के पुनर्गठन की जरूरत, नए लोगों को मौका देने की जरूरत, कुछ पुराने लोगों को कुछ और दायित्व देने की जरूरत क्या आपका इस ओर ध्यान है और क्या आपकी मुख्यमंत्री से इस संबंध में चर्चा होती है?

उत्तर: निश्चित तौर पर हमारे मंत्रिमंडल की लगातार सत्ता और संगठन दोनों ने समीक्षा की है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश , क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल , मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और हमारे प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह सबने समीक्षा की है। किसी मंत्री का विभाग का क्या परफॉर्मेंस रहा, उसके प्रभार के जिले का क्या रहा। इस पर पूरी तरह से समीक्षा की है। और निश्चित तौर पर आने वाले समय में जब भी मंत्रिमंडल में परिवर्तन होगा किस मंत्री का अपने क्षेत्र में अपने विभाग में कैसा कार्य रहा, और उसका परफॉर्मेंस क्या रहा उस आधार पर आगे की उसकी यात्रा, किसी नए को मौका देना, किसी पुराने को और किसी काम पर लेना ये सब विचाराधीन है जब भी हमारा केंद्रीय नेतृत्व कहेगा इस पर विचार करेंगे।

प्रश्न: मंत्रिमंडल के परिवर्तन, पुनर्गठन या विस्तार के संबंध में क्या योजना है?

उत्तर: निश्चित तौर पर परिवर्तन होगा, निश्चित तौर पर पुनर्गठन होगा। समय क्या होगा ये मैं आपको नहीं बता सकता।

प्रश्न: आपके पदभार संभालते समय हितानंद जी भी थे। भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रदेश संगठन मंत्री का पद भी बड़ा महत्वपूर्ण है। खाली है। भरने की इच्छा है या खाली खाली सा अच्छा लगता है?

उत्तर: ये मेरा विषय नहीं है। हमारे समान विचार परिवार से संगठन मंत्री के लिए प्रचारक दिए जाते हैं। ये विषय उनका और हमारे केंद्रीय नेतृत्व का है। समय-समय पर वो प्रचारक देते हैं और समय-समय पर उनको दूसरी जिम्मेदारी देते हैं। आज की तारीख में वो जिम्मेदारी हमारे क्षेत्रीय संगठन मंत्री संभाल रहे हैं। जब केंद्रीय नेतृत्व को या हमारे परिवार को लगेगा किस पद पर किसको नियुक्त करना है तो ये उनका क्षेत्राधिकार है उनका सोच है। इसमें न मैं कुछ कह सकता हूं, न मेरा विषय है। इसलिए इस पर मेरे कोई विचार नहीं है।

प्रश्न: पीएम मोदी ने अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं आप एक भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते पीएम मोदी के कार्यकाल की यात्रा को कैसे देखते हैं?

उत्तर: प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी जैसा एक ऐसा व्यक्तित्व इस देश को मिला जिसका हर दिशा में हर विषय पर एक अलग सोच था। जैसे आप देखिए 2014 में जब वो प्रधानमंत्री बने तो देश विश्व की अर्थव्यवस्था में 11वें नंबर पर था। उनके सामने लक्ष्य था, भारत चौथे पर आए, तीसरे स्थान पर आए या चीन और अमेरिका के बराबर आ जाएं। लेकिन देश आगे निकल जाता। लेकिन गांव में एक गरीब की झोपड़ी पर पानी रिसता रहता। एक बहन चूल्हे पर खाना बनाती रहती। सरकारी योजनाओं का पैसा गरीबों तक नहीं पहुंचता। आप देखिए कितना बड़ा विजन था कि करोड़ों गरीबों के पक्के मकान बन गए, हर घर में चूल्हे की जगह उज्जवला गैस आ गई। लगभग 50 करोड़ लोगों के बैंक खाते खुल गए। कभी किसी घर में अगर फसल बर्बाद हो जाए तो किसान को आत्महत्या करने के अलावा कोई चारा नहीं रहता था। फसल बीमा योजना 70 साल पहले शुरू होनी चाहिए थी। किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए फसल बीमा जैसी योजना लाए। आदिवासी, जनजाति क्षेत्र का मेरा अनुभव है कि वहां बाबा बीमार हो जाए तो नाती अपने बाबा की तरफ देखकर सोचता था कि इसे इलाज के लिए कहां लेकर जाऊंगा। लेकिन, अब वहीं नाती अपने बाबा से कहता है अब मोदी का आयुष्मान कार्ड और मेरा कंधा है तुम कितने भी बीमार रहो अब मैं तुम्हारा किसी शासकीय या निजी अस्पताल में इलाज करवाऊंगा। इतनी बड़ी सोच किसी पीएम की हो सकती है। देश, दुनिया में आगे जाएं। विदेश नीति अच्छी बने। इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छे बने, डेम अच्छे बने, इंडस्ट्री आए ये तो सब सोचते हैं, लेकिन वो व्यक्ति जो समाज में अपनी आवाज नहीं कह सकता उसके लिए भी जीने का काम किसी ने किया तो पीएम नरेंद्र मोदी ने किया। इतना विजिनरी प्रधानमंत्री शायद अटलजी के बाद कोई आया तो वो हमारे मोदीजी हैं।

प्रश्न: जब आप अध्यक्ष बने तो उस समय जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, अब छह महीने पहले नया चेहरा नितिन नबीन अध्यक्ष बने। क्या अनुभव रहा उनके संदर्भ में आपका?

उत्तर: जब मैं अध्यक्ष बना तो जेपी नड्डा राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। जब मैं सांसद था तब से उनसे परिचय था। उसके बाद वे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री बने थे। नितिन नबीन से मेरा परिचय नहीं था। एक बार जब वो मध्यप्रदेश दौरे पर आए थे छत्तीसगढ़ के प्रभारी होने के नाते मेरी उनसे सहज मुलाकात हुई थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के रूप में जब मैं उनसे मिला तो राजनीति के बारे में मेरी जो धारणा थी कि व्यक्ति अपना आभामंडल और पद के अनुरूप अपने व्यक्तित्व को विकसित कर लेता है। लेकिन व्यक्ति की गहराई क्या होती है। मैं उनके साथ बैठा। उन्होंने सहजता के साथ मुझसे हर विषय पर बात की। उन्होंने मुझे विश्वास दिलाया कि आपके मन में संगठन और सत्ता को लेकर कोई भी बात हो तो मुझसे खुलकर करें। मैंने हर चीज पर उनसे बात की। उन्होंने मुझे उसका समाधान भी दिया। उन्होंने मेरा विश्वास भी बढ़ाया। मैं समझता हूं सरलता और सहजता में नितिन नबीन जी का जैसा स्वभाव है तो हमको भी लगता है अपने मन में कोई भी सवाल आता है तो उनसे जरूर करना चाहिए। मैं तो कभी भी सहज ही उन्हें फोन कर लेता हूं। मेरे मन में कोई विषय उठता है तो उनसे बातचीत कर लेता हूं। मेरा बहुत ही सुखद अनुभव रहा है।

प्रश्न: आपकी अध्यक्ष पद पर बने रहने की अभिलाषा है या पार्टी विचार करे कोई और दायित्व के संदर्भ में तो उसके लिए आग्रह है?

उत्तर: जब भी मुझे किसी पद की जिम्मेदारी मिलती है तो उस पद का ईमानदारी से निर्वहन करना, उस पर मेहनत करना यही मेरा लक्ष्य रहता है। न तो मैंने अपने जीवन में कभी कोई लक्ष्य बनाया न आगे बनाऊंगा। हां, आगे पार्टी का संगठन मजबूत रहे ये मेरा लक्ष्य है। पार्टी आगामी सभी चुनाव में चुनाव जीते ये मेरा लक्ष्य है। हमारे जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों का संगठन और सरकार पर भरोसा रहे ये मेरा लक्ष्य है। मेरे पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर जनता का भरोसा रहे ये मेरा लक्ष्य है। बूथ तक भारतीय जनता पार्टी मजबूत हो। हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम और मजबूत हों। श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल जी की जो कार्य पद्धति और विचारधारा है वो नीचे तक जाए और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे नेताओं ने जो इस प्रदेश को गढ़ा है ये प्रदेश इस देश में कार्यकर्ताओं के रूप में ही जाना जाए, संगठन का प्रदेश जाना जाए, कार्यकर्ताओं का प्रदेश जाना जाए ऐसी मेरी इच्छा है।

प्रश्न: भाजपा प्रदेश कार्यालय के भवन के लोकार्पण का भी कोई लक्ष्य है?

उत्तर: हम अक्टूबर तक उसका लोकार्पण कर देंगे, ऐसा हमारा लक्ष्य है। हमारा लक्ष्य है कि पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को अगले साल भाजपा के सभी 62 जिलों में पार्टी के कार्यालय बन जाएं। हमारा लक्ष्य है कि पार्टी लोगों के घर से न चले, पार्टी किसी व्यक्ति से न चले, पार्टी कार्यालय से चले। इस लक्ष्य की पूर्ति चाहे प्रदेश स्तर से हो या जिला स्तर पर हो।

अपनी तीन दिवसीय ...

बढ़ाने की दिशा में उठाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। यहां बता दें कि जापान की पीएम के रूप में कार्यभार संभालने के बाद ताकाइची की यह पहली भारत यात्रा है। दोनों राष्ट्राध्यक्षों की पूर्व में दो मौकों पर मुलाकात हो चुकी है। जिसमें इस साल फ्रांस में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन और पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में भी दोनों शीर्ष नेता मिल चुके हैं।

आज पीएम मोदी संग होगी मुलाकात : 2 जुलाई की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे भारत और जापान के प्रधानमंत्रियों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के हैदराबाद हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय-प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक होगी। जिसमें आपसी संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं (सीपा शामिल), विशेष रणनीतिक-वैश्विक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने के अलावा साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चर्चा की जाएगी। नेताओं की इस बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच कुछ महत्वपूर्ण समझौतों के अलावा जरूरी घोषणाएं भी की जा सकती हैं। मंत्रालय के मुताबिक, पीएम मोदी के साथ बैठक के बाद दोपहर 3 बजे जापान की पीएम ताकाइची ताज पैलेस होटल में बिजनेस फोरम में शिरकत करेंगी। इन तमाम कार्यक्रमों की औपचारिक शुरुआत से पहले राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक रूप से स्वागत किया जाएगा। शुक्रवार 3 जुलाई को पीएम सनाए ताकाइची की यह यात्रा संपन्न हो जाएगी और वह जापान रवाना हो जाएंगी।

जापान करेगा 10 ट्रिलियन येन का निवेश : उधर, जायसवाल ने एक्स पर एक अन्य टेक्स्ट और वीडियो पोस्ट के माध्यम से दोनों देशों के व्यापक संबंधों के बारे में आंकड़ों के साथ जानकारी दी है। जिसमें बताया कि दुनिया में जापान भारत का पांचवां सबसे बड़ा निवेशक है। अप्रैल 2000 से मार्च 2026 तक उसने 48.17 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। बीते वित्त वर्ष 2025-26 में भारत-जापान के बीच होने वाला द्विपक्षीय व्यापार 27 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। बीते वर्ष 2025 में हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान जापान ने भारत में 10 ट्रिलियन येन का निजी निवेश करने करने की भी घोषणा की है।

2014 में संबंधों में ...

चुका है। जापान ने भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में काफी निवेश किया है। जिसमें दिल्ली मेट्रो, वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर मुख्य हैं। रक्षा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में भी जापान की बड़ी भागीदारी रही है।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट ...

दास के अचानक अस्वस्थ होने से 6 जुलाई को होने वाली श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बेहद महत्वपूर्ण बैठक पर संशय के बादल मंडराने लगे हैं।

पूरे देश में लागू हुआ...

परिसंपत्तियों के निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, आजीविका संवर्धन तथा महिला सशक्तिकरण को नई गति देगा। अधिनियम के प्रभावी होने के साथ ही केंद्र सरकार ने इस अधिनियम के अंतर्गत सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों तथा अधिसूचित वेज क्षेत्रों के लिए संशोधित मजदूरी दरें अधिसूचित कर दी हैं। अब किसी भी राज्य, केंद्रशासित प्रदेश अथवा अधिसूचित वेज क्षेत्र में दैनिक मजदूरी 300 रूपये से कम नहीं होगी। राष्ट्रीय औसत अधिसूचित मजदूरी 298.8 रूपये प्रतिदिन से बढ़कर 327.4 रूपये प्रतिदिन हो गई है, जो 10 प्रतिशत से अधिक की औसत वृद्धि को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में मजदूरी दरों में 15 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। अधिनियम के निर्बाध एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को 95,692.31 करोड़ रूपये की अंतरिम राशि पहले ही आवंटित कर दी है, ताकि रोजगार उपलब्ध कराने, मजदूरी भुगतान तथा विकास कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार का व्यवधान न आए।

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का दिन ग्रामीण भारत के लिए ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देशभर में लागू हुआ 'विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि करोड़ों ग्रामीण श्रमिक भाई-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान और सुरक्षित आजीविका का नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीण परिवारों को 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार का वैधानिक अधिकार मिलेगा। श्री चौहान ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र ग्रामीण श्रमिक एक भी दिन काम से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि अधिनियम के सुचारु क्रियान्वयन के लिए केंद्र एवं राज्यों ने सभी आवश्यक प्रशासनिक, वित्तीय तथा तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल गांवों में आजीविका के नए अवसर सृजित करेगी, टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण को गति देगी, मातृशक्ति को सशक्त बनाएगी तथा आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के निर्माण को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने समृद्ध, सशक्त तथा आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण में सभी नागरिकों से सहभागी बनने का आह्वान किया।

फर्जी पहचान और ...

व्हाट्स ऐप ने हाल ही में घोषणा की है कि वह जल्द ही ऐसा फीचर शुरू करेगा, जिसके तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना केवल यूज़रनेम के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इस सुविधा का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं की निजता को और मजबूत करना है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो नए लोगों, समूहों या व्यावसायिक खातों से जुड़ते हैं। हालांकि सरकार और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की चिंता यह है कि यदि कोई व्यक्ति किसी सरकारी संस्था, प्रतिष्ठित कंपनी या प्रसिद्ध व्यक्ति से मिलता-जुलता यूज़रनेम बना लेता है, तो उसका इस्तेमाल फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने, गलत सूचना फैलाने या वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जा सकता है।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आम नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी नई डिजिटल सुविधा से धोखाधड़ी की संभावना बढ़ती है तो संबंधित मंच को उसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। व्हाट्सऐप का कहना है कि यूज़रनेम फीचर में दुरुपयोग रोकने के लिए कई सुरक्षा उपाय शामिल किए जा रहे हैं। कंपनी के अनुसार, केवल सही यूज़रनेम जानने वाला व्यक्ति ही संपर्क स्थापित कर सकेगा और किसी प्रकार की सार्वजनिक यूज़रनेम सूची उपलब्ध नहीं होगी। फिर भी भारत सरकार इस फीचर के सभी सुरक्षा प्रावधानों और कानूनी प्रभावों का विस्तृत परीक्षण करने के बाद ही आगे का निर्णय लेगी। डिजिटल ठगी के लगातार बढ़ते मामलों के बीच सरकार का यह रुख इस बात का संकेत है कि भविष्य में सोशल मीडिया और मैसेजिंग मंचों पर आने वाले नए फीचरों की सुरक्षा और जवाबदेही को लेकर निगरानी और अधिक सख्त हो सकती है।

जम्मू में तत्काल...

की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधाओं के कड़े इंतजाम किए हैं। जम्मू के विभिन्न केंद्रों पर तत्काल पंजीकरण के लिए श्रद्धालुओं की भारी हलचल और कतारें देखी जा रही हैं। यह सुविधा उन यात्रियों के लिए शुरू की गई है जो पहले एडवांस बुकिंग नहीं करा सके थे। प्रशासन इन केंद्रों पर जरूरी दस्तावेजों की औपचारिकताएं तेजी से पूरी कर रहा है ताकि सभी भक्त सुरक्षित और नियमबद्ध तरीके से यात्रा का हिस्सा बन सकें।

एसआईटी को...

घर से बरामद हुए 14 लाख रुपए कैश और गहनों को लेकर सवाल-जवाब किए गए। इस पूरे मामले में राम मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था भी बड़े सवालों के घेरे में है और वहां तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी, रोस्टर, सीसीटीवी फुटेज और एंट्री-एग्जिट रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के अनुसार मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा बिहार के एक पूर्व सांसद की कंपनी के पास था, जिस पर ट्रस्ट हर महीने 1 करोड़ रुपए यानी सालाना 12 करोड़ रुपए खर्च कर रहा था। वहीं, सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा है कि यह 20 हजार करोड़ रु. का घपला है।

टिन्नू समेत 8 पर लग सकता है गैंगस्टर एक्ट : छापेमारी और पूछताछ में अब तक मिले साक्ष्य गैंगस्टर के लिए पर्याप्त माने जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरोहबंद अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए विधिक राय ली जा रही है। अब तक हुई जांच में एक साजिश के तहत आरोपियों के समूह ने चढ़ावा चोरी की घटना को अंजाम दिया। ऐसे में गिरोहबंद अधिनियम के तहत कार्रवाई का पर्याप्त आधार है।

कांग्रेस बोली- एसआईटी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो : कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा है कि एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक होनी चाहिए। यह भी जांच होनी चाहिए कि मंदिर परिसर में सरकारी सुरक्षा बल इतनी तादात में था तो ये 400 कर्मी वहां क्या करते थे? किसकी सुरक्षा करते थे? ये ठेका किसके इशारे पर दिया गया।

केजरीवाल बोले- शाह राममंदिर क्यों नहीं गए : आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी के नाम पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाया है। बुधवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान अमित शाह एक बार भगवान राम का आभार प्रकट करने नहीं गए। दान चोरी पर जो कार्रवाई हो रही है, वो भी आंखों में धूल झोंकने वाली है। सच यह है कि जब तक केंद्र और यूपी में भाजपा सरकार है, दान चोरों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।

भारत में 'फिजिकल ...

लेने में सक्षम होंगी।

एमईआईएल अपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञता और मजबूत नेटवर्क का उपयोग करेगी, जबकि एनालॉग अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध कराएगी। दोनों कंपनियां मिलकर स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, औद्योगिक प्रणालियों, सार्वजनिक सुरक्षा, स्मार्ट सिटी, रोबोटिक्स, स्पेशल कंप्यूटिंग और एआई आधारित संचालन जैसे क्षेत्रों में काम करेंगी। इस साझेदारी को भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच बढ़ते तकनीकी सहयोग की दिशा में भी अहम कदम माना जा रहा है।

यह भारत में नए ...

इंजीनियरिंग प्रतिभा और अवसंरचना विकास के लिहाज से दुनिया के सबसे बड़े अवसरों में से एक है। फिजिकल इंटेलिजेंस के विस्तार के लिए एमईआईएल सबसे उपयुक्त साझेदार है।

इससे अनुसंधान को ...

ईकोसिस्टम तैयार करने पर भी निवेश किया जाएगा। यह घोषणा हैदराबाद और तेलंगाना को उन्नत तकनीकी निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में और मजबूत करेगी।

MAX Healthcare | 25 YEARS OF SERVICE AND EXCELLENCE

सार्वजनिक सूचना

उन परिवारों के लिए जिनकी वार्षिक आय ₹5,00,000/- से कम है

आम जनता को सूचित किया जाता है कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (DGHS) द्वारा 02.01.2026 को जारी आदेश संख्या F.13 (906) /DGHS/HQ/EWS /2025/13-19 के अनुसार, और माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में, मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल (ए यूनिट ऑफ़ गुजरमल मोदी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर फॉर मेडिकल साइंसेज़) EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) श्रेणी के उन रोगियों को मुफ्त ओ.पी.डी. और आई.पी.डी. उपचार प्रदान कर रहा है जिनकी वार्षिक आय 5,00,000/- रुपये से कम है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे दिए गए नंबर पर हॉस्पिटल के नोडल ऑफिसर से संपर्क करें

मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, साकेत
(ए यूनिट ऑफ़ गुजरमल मोदी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर फॉर मेडिकल साइंसेज़)
मंदिर मार्ग, प्रेस एन्क्लेव रोड, साकेत, नई दिल्ली -110017
श्री हंसराज (नोडल ऑफिसर)
9810 243 328

उमस भरी गर्मी में हैवी वर्कआउट करने से डिहाइड्रेशन की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए आपको वर्कआउट करने से पहले लिक्विड डाइट जरूर लेना चाहिए। इससे आपकी बॉडी में हाइड्रेशन लेवल मेंटेन रहेगा।

प्री-वर्कआउट ड्रिंक्स बॉडी रहेगी हाइड्रेटेड

सजेशन

ललिता गोयल

शरीर को फिट रहने के लिए कुछ लोग जिम में हैवी वर्कआउट जरूर करते हैं, लेकिन इस दौरान अगर वे खाली पेट रहते हैं, शरीर के लिए सही नहीं होता है। इसके कारण वे कमजोरी महसूस कर सकते हैं और उनका ब्लड प्रेशर भी लो हो सकता है। हाइड्रेशन लेवल कम होने पर वे बेहोश भी हो सकते हैं। इससे बचने के लिए जिम में वर्कआउट करने से पहले कुछ नेचुरल प्री-वर्कआउट ड्रिंक्स पीना फायदेमंद होता है, जो वर्कआउट के दौरान एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करते हैं। लेकिन अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या रहती है तो एक्सपर्ट की सलाह पर ही इनका सेवन करें।

नीबू पानी: नीबू पानी में विटामिन-सी मौजूद होता है, जो बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट लेवल बढ़ाने में मदद करता है। नीबू पानी में थोड़ा-सा शहद और चुटकी भर नमक

मिला लेने से यह एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट ड्रिंक बन जाता है, जो शरीर को डिटॉक्स और हाइड्रेट करता है और वर्कआउट के लिए जरूरी एनर्जी भी देता है।

नारियल पानी: बॉडी में एनर्जी लेवल नेचुरली बढ़ाने के लिए नारियल पानी सबसे अच्छा माना जाता है, इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की उच्च मात्रा, सोडियम और मैग्नीशियम होता है, साथ ही इसमें मौजूद नेचुरल शुगर शरीर में एनर्जी के लेवल को मेंटेन रखती है। इलेक्ट्रोलाइट्स का यह नेचुरल सोर्स शरीर में हाइड्रेशन और एनर्जी को बनाए रखता है, जिससे वर्कआउट करने में आसानी होती है।

गोंद कतीरा ड्रिंक: इस मौसम में बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए गोंद कतीरा को भी प्री-वर्कआउट ड्रिंक के रूप में लिया जा सकता है। यह पानी ज्यादा सोखता है इसलिए इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेट रहती है, कूलिंग इफेक्ट मिलता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट से बॉडी में एनर्जी मेंटेन रहती है और इसमें मौजूद फाइबर डाइजेशन ठीक रखने में भी मदद करता है। पानी में चिया सीड्स, नीबू और गोंद कतीरा डालकर हेल्दी ड्रिंक बनाया जा सकता है।

सत्तू शरबत: प्रोटीन इनटेक बढ़ाने के लिए सत्तू का शरबत एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट ड्रिंक ऑप्शन है। इसके सेवन से बॉडी हाइड्रेटेड रहती है और वर्कआउट के बाद कमजोरी महसूस नहीं होती है।

बेल का शरबत: उमस भरी गर्मी के लिए बेल का शरबत एक सुपरड्रिंक है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ डिहाइड्रेशन से बचाता है। बेल के शरबत में मौजूद नेचुरल शुगर तुरंत एनर्जी देती है और वर्कआउट से पहले इसे पीने से डाइजेशन भी सही रहता है।

ग्रीन टी: ग्रीन टी एक बेहद हेल्दी और लो कैलोरी प्री-वर्कआउट ड्रिंक है। ग्रीन टी, कैफीन और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा

सोर्स होती है, जो वर्कआउट के दौरान एनर्जी बढ़ाने और फोकस करने में मदद करती है।

तरबूज का जूस: तरबूज का जूस प्री-वर्कआउट के लिए एक टेस्टी और हेल्दी ऑप्शन है। तरबूज में 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है और इसका जूस पीने से शरीर तुरंत हाइड्रेट हो जाता है और इसमें मौजूद लाइकोपीन, विटामिन ए और सी शरीर को एनर्जी देते हैं। *

(जिम इंस्ट्रक्टर राहुल चौहान से बातचीत पर आधारित)

वैसे तो कोई भी दवा बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं लेनी चाहिए। लेकिन कफ सिरप को लेकर और सावधानी बरतने की जरूरत होती है। खासतौर पर बच्चों को कफ सिरप का सेवन डॉक्टर के निर्देशानुसार ही कराना चाहिए। कफ सिरप कब हार्मफुल हो सकता है, इसका सेवन करते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए, यहां डिटेल में बताया जा रहा है।

डॉक्टर की सलाह के बिना ना करें कफ सिरप का सेवन

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. लोकेश महाजन
वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, फरीदाबाद

हाल ही में भारत सरकार ने ड्रग्स रूल्स 1945 में संशोधन करते हुए ड्रग्स रूल्स 2026 लागू किया है। जिसके तहत देश भर में अब किसी भी मेडिकल स्टोर पर सिरप आधारित दवाओं (विशेषकर कफ सिरप) की ओवर-द-काउंटर ब्रिकी को निषेध किया गया है। यानी डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना कोई भी सिरप दवाई नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार ने यह फैसला मूलतया नकली या कहें मिलावटी कफ सिरप पीने से होने वाली मौतों के आधार पर लिया है। लोगों की जान बचाने और दवाओं के सुरक्षित इस्तेमाल के लिए सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है।

दूषित सिरप से बच्चों की मौतें

पिछले कुछ वर्षों में भारत और अन्य देशों में ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें कुछ कफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल और इथाइलीन ग्लाइकॉल जैसे जहरीले रसायन पाए गए। इनसे बच्चों में किडनी फेल होने और मृत्यु तक की कुछ घटनाएं सामने आईं। ऐसे में हम सभी अगर जरूरी सावधानियां बरतें तो दवाओं से होने वाले नुकसान से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

गाइडलाइन का क्या है उद्देश्य

लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने सभी सिरपों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, केवल उनकी बिक्री को डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन से जोड़ दिया है ताकि उनका सुरक्षित उपयोग हो सके। सरकार की हाल में दी गई नई गाइडलाइन के पीछे पांच बड़े उद्देश्य बताए जा रहे हैं।

- दूषित सिरप से होने वाली मौतों की रोकथाम।
- बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो।
- सेल्फ-मेडिकेशन या मेडिकल स्टोर जाकर स्वयं दवा लेने की आदत कम करना।
- सिरप के दुरुपयोग को रोकना और नशे की समस्या पर नियंत्रण करना।
- दवाओं की गुणवत्ता तथा उसके सही वितरण व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखना।

कफ सिरप तब होता है हार्मफुल

विशेषज्ञ मानते हैं कि शरीर की खांसी एक प्राकृतिक रक्षा प्रणाली भी है। इसलिए बार-बार कफ सिरप पीना, खुराक बढ़ा देना या कई कफ सिरप एक साथ लेना नुकसानदायक हो सकता है। सिरप अलग-अलग तरह के कंसंट्रेशन और डोज के साथ आते हैं। इन्हें लंबे समय तक, गलत तरीके से (जैसे-छोटे-बड़े सबको एक समान), ज्यादा मात्रा में या डॉक्टर की सलाह के बिना लिया जाए, तो कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। यहां तक कि व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। हाल के वर्षों में जिन सिरपों ने सबसे अधिक चिंता पैदा की, उनमें डाइएथिलीन ग्लाइकॉल, एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे विषैले घटक पाए गए हैं। जिनसे किडनी-लिवर फेलियर, ब्लड प्रेशर-हार्ट रेट बढ़ना, मस्तिष्क को नुकसान, दौरे पड़ना, मृत्यु तक हो सकती है। कुछ कफ सिरप में कोडीन नामक दवा होती है। यह खांसी को दबाने में मदद करती है, लेकिन अधिक मात्रा में लेने पर नशे जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। अत्यधिक नींद और सुस्ती आ सकती है। सांस

लेने की गति धीमी हो सकती है। व्यक्ति को इसकी लत लग सकती है।

डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन नामक रासायनिक घटक भी कई कफ सिरप में पाया जाता है। इसे अधिक मात्रा में लेने पर चक्कर आना, कंफ्यूजन होना, व्यवहार में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा क्लोरफेनिरामाइन, डाइफेनहाइड्रामाइन एंटीहिस्टामिन जैसी दवाएं एलर्जी और खांसी के उपचार में दी जाती हैं। इनसे अधिक नींद, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कंफ्यूजन जैसी स्थिति पैदा कर सकती हैं। स्वाद बढ़ाने के लिए कई सिरपों में काफी मात्रा में चीनी मिलाई जाती है। इससे मधुमेह रोगियों को परेशानी हो सकती है। बच्चों में दांतों की समस्याएं बढ़ सकती हैं।

किन्हें है ज्यादा खतरा

डॉक्टर की सलाह के बिना कफ सिरप लेने के दुष्प्रभावों का जोखिम मूलतया कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों पर अधिक होता है जैसे छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, अस्थमा रोगी, किडनी, लिवर या गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति। इसलिए ऐसे लोग पूरी सावधानी बरतें।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

कफ सिरप का सेवन करने से पहले कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

- खांसी के कारण का पता लगाएं। किसी भी सिरप को सुरक्षित या सामान्य मानकर बार-बार न लें। खांसी शरीर का एक संकेत है, बीमारी नहीं। इसलिए केवल खांसी दबाने के बजाय उसके कारण का पता लगाकर उपचार कराना अधिक महत्वपूर्ण है।

- यदि आप पहले से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, किडनी, लिवर या हृदय रोग की दवाएं ले रहे हैं, तो डॉक्टर को इसकी जानकारी दें। कुछ सिरप अन्य दवाओं के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं।
- डॉक्टर की सलाह के बिना कोई कफ सिरप न लें। खांसी-जुकाम या गले की खराश होने पर हर बार सिरप लेना जरूरी नहीं होता। खांसी कई बार एलर्जी, अस्थमा, टीबी, निमोनिया, एसिडिटी या किसी अन्य बीमारी का लक्षण भी हो सकती है। इसलिए बगैर जांच कराए बार-बार स्वयं दवा लेने से बचें।
- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी सिरप नहीं लेना चाहिए।
- बुजुर्गों में किडनी और लिवर की कार्यक्षमता कम हो सकती है। इसलिए दवा का प्रभाव अधिक हो सकता है। उन्हें डॉक्टर द्वारा निर्धारित की गई मात्रा में ही किसी भी तरह के सिरप का सेवन करना चाहिए।
- सिरप ही नहीं कोई भी दवा खरीदते समय उसकी एक्सपायरी डेट, बैच नंबर और निर्माता कंपनी की जानकारी अवश्य जांचें। एक्सपायर सिरप का उपयोग न करें। बोतल की सील टूटी हुई न हो और पैकिंग सही अवस्था में हो। यदि सिरप का रंग, गंध या स्वाद असामान्य लगे। तो उसका उपयोग न करें।
- निर्धारित मात्रा से अधिक किसी दवा का सेवन कभी न करें। कुछ लोग यह सोचकर अधिक मात्रा में सिरप पी लेते हैं कि जल्दी आराम मिलेगा। ऐसा करना खतरनाक हो सकता है और दुष्प्रभावों का जोखिम बढ़ा सकता है।
- बच्चों को विशेष सावधानी से दवा दें। बच्चों के लिए दवा की मात्रा उम्र और वजन के अनुसार तय होती है। कभी भी बड़े लोगों वाली दवा बच्चों को न दें और न ही अनुमान से खुराक तय करें।
- कोई भी सिरप पिलाने के लिए मापने वाले सही चम्मच या कप का ही उपयोग करें। कई लोग घर के सामान्य चम्मच से सिरप पी लेते हैं। इससे दवा की मात्रा कम या अधिक हो सकती है। हमेशा दवा के साथ मिलने वाले मापने वाले कप, ड्रॉपर या माप वाले चम्मच का ही उपयोग करें।
- किसी दूसरे व्यक्ति के लिए लिखी गई दवा स्वयं न लें और इसी तरह अपनी दवा किसी अन्य को रोगी को न दें। एक जैसी खांसी होने पर भी कारण अलग-अलग हो सकते हैं।
- यदि सिरप लेने के बाद अत्यधिक नींद, चक्कर, सांस लेने में कठिनाई, त्वचा पर चकत्ते, सूजन या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

खतरनाक है सेल्फ मेडिकेशन

कई लोग खांसी-जुकाम या बुखार होने पर बिना डॉक्टर से सलाह लिए सीधे मेडिकल स्टोर से सिरप खरीद लेते हैं। कई बार बीमारी का सही कारण जाने बिना दवा लेने से समस्या बढ़ सकती है। वास्तव में सेल्फ मेडिकेशन बहुत खतरनाक हो सकता है, इसलिए इससे बचा जाना जरूरी है। कुछ सिरप में ऐसे घटक होते हैं, जो अधिक मात्रा में लेने पर नशे जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। इसलिए इनके दुरुपयोग और लत की आशंका भी रहती है।

हेल्थ अवेयरनेस

शिखर चंद जैन

हमारे शरीर की कोशिकाओं में उपस्थित जीन में हमारे वर्तमान और भावी स्वास्थ्य की पिक्चर कोड के रूप में मौजूद रहती है। आने वाले समय में जीन मैपिंग और एडिटिंग के जरिए अनेक बीमारियों का पूर्वानुमान लगाकर उसको पनपने से भी रोका जा सकेगा।

जीन तय करते हैं कैसा होगा स्वास्थ्य

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने आज उस रहस्यमयी चाबी को खोज लिया है, जो हमारे स्वास्थ्य और आयु के छिपे रहस्यों के राज खोल सकती है। ये चाबी और कुछ नहीं हमारे 'जीन' हैं। हमारी जीन कुंडली में हमारे जीवन का इतिहास, वर्तमान और भविष्य लिखा है। विज्ञान की भाषा में इसे 'जेनेटिक ब्लूप्रिंट' कहा जाता है, जो न केवल हमारी शारीरिक बनावट तय करता है, बल्कि यह भी निर्धारित करता है कि हम कितने साल जिएंगे और किन बीमारियों के प्रति संवेदनशील होंगे।

क्या है जेनेटिक कुंडली: चिकित्सा विज्ञान में जीनोम सीक्वेंसिंग के जरिए व्यक्ति की सेहत की सटीक 'कुंडली' तैयार की जा सकती है। हमारे शरीर में बड़ी संख्या में जीन होते हैं। ये जीन डीएनए के बने होते हैं, जो प्रोटीन बनाने के निर्देश देते हैं। ये प्रोटीन ही तय करते हैं कि हमारी मांसपेशियां कितनी मजबूत होंगी, हमारा मेटाबॉलिज्म कैसा होगा और हमारा इम्यून सिस्टम कितना प्रभावी होगा।

जीन से आयु का निर्धारण: वैज्ञानिकों का मानना है कि मनुष्य की औसत आयु का लगभग 20 से 30 प्रतिशत हिस्सा उसके आनुवंशिक गुणों पर निर्भर करता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लोग 100 वर्ष से अधिक जीवित रहते हैं, उनमें अक्सर 'फॉक्सो-3' नामक जीन का एक विशेष प्रकार पाया जाता है। इसे 'दीर्घायु जीन' भी कहा जाता है। यह जीन कोशिकाओं की मरम्मत करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही हमारे क्रोमोसोम के सिरों पर 'टेलोमेयर्स' नामक सुरक्षा कवच होते हैं। टेलोमेयर्स का सीधा संबंध इस बात से है कि

एआई इमेज

आपका शरीर कितनी तेजी से 'बूढ़ा' हो रहा है। इसकी प्रक्रिया कुछ इस तरह काम करती है, हमारा शरीर लगातार पुरानी कोशिकाओं को हटाकर नई कोशिकाएं बनाता रहता है। जब भी एक कोशिका दो भागों में बंटती है, तो उसके टेलोमेयर्स थोड़े छोटे हो जाते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, टेलोमेयर्स इतने छोटे हो जाते हैं कि कोशिकाएं अब और विभाजित नहीं हो पातीं। यहीं से बुढ़ापा शुरू होता है। अंग कमजोर होने लगते हैं और इम्यून सिस्टम थक जाता है। जिनके टेलोमेयर्स धीरे-धीरे छोटे होते हैं या लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं, वे लोग आमतौर पर ज्यादा समय तक जवान और स्वस्थ रहते हैं।

मिलते हैं बीमारियों के पूर्व संकेत: जेनेटिक मैपिंग का सबसे बड़ा लाभ बीमारियों के जोखिम को पहले से पता लगाना होता है।

क्योर से प्रिवेंशन तक: आने वाले 10-20 वर्षों में, स्वास्थ्य देखभाल का केंद्र अस्पताल नहीं, बल्कि हमारा अपना डेटा होगा। जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए भविष्य में दोषपूर्ण जीन को गर्भ में ही ठीक करना संभव हो सकता है। हम एक ऐसे युग की ओर बढ़ रहे हैं, जहां बीमारी होने का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि उसे होने से पहले ही रोक दिया जाएगा।

कैंसर की पहचान: 'बीआरसीए-1 और बीआरसीए-2' जैसे जीन में म्यूटेशन स्तन और डिंबग्रंथि के कैंसर के उच्च जोखिम का संकेत देते हैं।

हृदय रोग और मधुमेह: यदि किसी के जीन में कोलेस्ट्रॉल प्रबंधन की क्षमता कम है, तो उसे कम उम्र में ही दिल के दौरे का खतरा हो सकता है, भले ही वह बाहर से फिट दिखे।

अल्जाइमर और पार्किंसंस: मस्तिष्क से जुड़ी इन जटिल बीमारियों के संकेतों को भी जेनेटिक टेस्टिंग के जरिए दशकों पहले पहचाना जा सकता है।

पर्सनलाइज्ड मेडिसिन: मौजूदा दौर में चिकित्सा पद्धति 'ट्रायल और एरर' पर आधारित है, यानी एक ही दवा सबको दी जाती है लेकिन फार्माकोजेनोमिक्स ने इसे बदल दिया है। जीन यह तय करते हैं कि आपका शरीर किसी दवा को कैसे प्रोसेस करेगा। कुछ लोगों पर एक विशेष दवा बहुत अच्छा असर करती है, जबकि दूसरों पर उसका कोई प्रभाव नहीं होता या साइड इफेक्ट हो जाते हैं। जेनेटिक प्रोफाइलिंग से डॉक्टर अब यह जान सकते हैं कि आपके लिए कौन-सी दवा और कितनी डोज सही रहेगी।

एपिजेनेटिक्स: सटीक सुझाव का वैज्ञानिक आधार एपिजेनेटिक्स वह विज्ञान है जो बताता है कि हमारे पर्यावरण और आदतों के कारण जीन कैसे 'ऑन' या 'ऑफ' होते हैं। मान लीजिए आपके जीन में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम लिखा है। लेकिन यदि आप सही खान-पान और नियमित व्यायाम अपनाते हैं, तो आप उस 'खराब जीन' को सुप्त रख सकते हैं। अत्यधिक तनाव और खराब पर्यावरण हमारे अच्छे जीन को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

कैसे होता है जेनेटिक टेस्ट: जेनेटिक टेस्ट चार चरणों में पूरा होता है। पहले लार या खून का एक छोटा नमूना लिया जाता है। फिर लैब में कोशिकाओं से डीएनए को अलग किया जाता है। इसके बाद मशीनों के जरिए डीएनए के कोड्स को पढ़ा जाता है। अंत में विशेषज्ञ आपके डेटा की तुलना 'नॉर्मल डेटा' से करते हैं और बताते हैं कि आपके जीन में कहां गड़बड़ी या जोखिम है। जेनेटिक रिपोर्ट को कभी भी अंतिम फैसला न मानें। यह केवल 'जोखिम' बताती है। रिपोर्ट आने के बाद हमेशा एक योग्य जेनेटिक काउंसलर या डॉक्टर से सलाह लें। *

तब देर से आएगा बुढ़ापा

टेलोमेयर्स जब देर से यानी धीमी गति से कमजोर-छोटे होते हैं तो बुढ़ापा भी देर से आता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, कुछ आदतें टेलोमेयर्स को तेजी से घिसने (छोटा होने) पर मजबूर करती हैं, जबकि कुछ आदतें उन्हें सुरक्षित रखती हैं। अत्यधिक मानसिक तनाव, सिगरेट और शराब का सेवन, बहुत ज्यादा चीनी और जंक फूड का सेवन, प्रदूषणयुक्त माहौल में रहने और सुस्त जीवनशैली से बचें। अनुशासित जीवनशैली अपनाएं और पौष्टिक भोजन करें।

खबर संक्षेप

बुंदेली शेफ को मिलीं 26 में से पहली छह प्रतिभाएं

छतरपुर। बुंदेलखंड की रसोइयों से उठती महक अपने पहले पड़ाव को पार कर आगे बढ़ चली है। 'बुंदेली शेफ सीज़न 4' का पहला ऑडिशन सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है और इसके साथ ही इस बहुप्रतीक्षित ऑनलाइन कुकिंग प्रतियोगिता की नई यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। पहले ही चरण में बुंदेलखंड की महिलाओं ने अपने स्वाद, रचनात्मकता और पाक-कला का ऐसा परिचय दिया कि प्रतियोगिता का रोमांच शुरुआत से ही देखने लायक बन गया। इस प्रतियोगिता के पहले ऑडिशन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद 26 प्रतिभागियों में से 6 प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अगले चरण के लिए स्थान बनाया। इन प्रतिभागियों में सौम्या जैन, हेमा गुप्ता, नेहा गुप्ता, आकांक्षा प्रजापति, कल्पना अवस्थी और अलका आनंद के नाम शामिल हैं, जिन्होंने स्वाद के बूते अगले चरण के लिए अपनी जगह पक्की की। इन प्रतिभागियों ने साबित किया कि बुंदेलखंड की रसोइयों में स्वाद के साथ-साथ अद्भुत प्रतिभा भी बसती है। जिन प्रतिभागियों ने पहले ऑडिशन में हिस्सा नहीं लिया, उनके लिए अभी-भी अपनी पाक-कला का जादू दिखाने का अवसर मौजूद है। प्रतियोगिता का दूसरा ऑडिशन 10 जुलाई और तीसरा ऑडिशन 20 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इन दोनों चरणों के बाद चयनित प्रतिभागी क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल और अंततः अगस्त के अंत में होने वाले भव्य ग्रैंड फिनाले तक पहुँचने के लिए मुकाबला करेंगी।

अटल भवन में जोन-8 की समीक्षा बैठक

भोपाल। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने मंगलवार को जोन-8 के तहत जनसुविधा, विकास सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निगम द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में जोन-8 के जोनल अधिकारी, सहायक यंत्री, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बीयू: 105 पदों पर भर्ती के लिए मिली हरी झंडी

भोपाल। राजधानी स्थित बरकतिश्वविद्यालय में कुल 105 पदों पर भर्ती के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार बीयू की ओर से विवि में 105 पदों पर भर्ती के लिए विभागीय आदेश के माध्यम से पद स्वीकृत किए थे, जिन पर न्यायालय ने अपना निर्णय देते हुए भर्ती का रास्ता साफ कर दिया है। उच्च शिक्षा विभाग ने बीयू के कुलसचिव को जारी निर्देश में कहा है कि विवि में उक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सहमति प्रदान की जाती है।

मान्यता है कि सच्चे मन से प्रार्थना करने वाले भक्तों की पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

प्राचीन श्री नागेश्वरी अम्मन मंदिर में 48 दिवसीय मंडल पूजा का पूर्णाहूति व महाभंडारे के साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आस्था और श्रद्धा के केंद्र प्राचीन श्री नागेश्वरी अम्मन मंदिर में चल रहे 48 दिवसीय मंडल पूजा एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का मंगलवार को समापन हो गया। इस मौके पर विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ के साथ पूर्णाहूति, महाअभिषेक, विशेष श्रृंगार एवं विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर समिति के सुब्रमण्यम, के अनुसार, महाकुंभ अभिषेकम के बाद लगातार 48 दिनों तक प्रतिदिन वैदिक पंडितों द्वारा सभी

48 दिवसीय मंडल पूजा एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का समापन।

देवी-देवताओं का अभिषेक, पूजन, हवन, विशेष आरती एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। समापन दिवस पर गणपति पूजा, कलश स्थापना, शिव पूजा, नवग्रह पूजा एवं श्री नागेश्वरी अम्मन की विशेष पूजा-अर्चना के बाद वैदिक रीति-रिवाजों से हवन किया गया।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्री नागेश्वरी अम्मन मंदिर क्षेत्र के सबसे प्राचीन एवं चमत्कारिक मंदिरों में से एक है, ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से मां नागेश्वरी अम्मन के दरबार में प्रार्थना करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस मौके पर बी. एस. मूर्ति, पी. राजू, शंकर

मंडल पूजा एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठान में मौजूद महिला श्रद्धालु।

स्वामी, पेरियास्वामी, सुब्रमण्यम, विजय कुमार, कार्तिक अय्यर, राकेश कुमार, पन्नू स्वामी, मुकेश, अनीता, पी. लक्ष्मी सहित मंदिर समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

10 नंबर मार्केट के हाल: टूटी जालियां, लटकते तार, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

ट्रांसफॉर्मर के नीचे दोपहिया वाहनों की पार्किंग, बारिश में बढ़ा करंट का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के नए शहर के मुख्य व्यवसायिक केंद्र 10 नंबर मार्केट में ट्रांसफार्मर के ठीक नीचे दोपहिया वाहन खड़े किए जा रहे हैं। यहां सड़क किनारे बनाई गई पार्किंग के कारण दुकानदारों और बाजार आने वाले लोगों को मजबूरी में अपनी गाड़ियां ट्रांसफार्मर के नीचे पार्क करनी पड़ रही हैं। इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ट्रांसफार्मर के पास फूलों की दुकानें और कचरा कैफे समेत चाय की 20 से ज्यादा दुकानें हैं जहां शाम के समय सैकड़ों की संख्या में लोग चाय पीने आते हैं। यहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि ट्रांसफार्मर के चारों ओर लगी सुरक्षा जालियां कई जगह से टूटी हुई हैं और एक तार भी जमीन की ओर लटका हुआ है, जिससे खतरा और बढ़ गया है।

10 नंबर मार्केट में डीपी के आसपास से गायब जालियां।

दुकानदार बोले-तार पिघलने से लगी थी ट्रांसफॉर्मर में आग

कुछ दिन पहले ही ट्रांसफार्मर के तार पिघलने से आग लग चुकी थी। इससे पहले भी यहां छोटे-मोटे हादसे हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद पार्किंग की व्यवस्था नहीं बदली गई। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने नगर निगम और बिजली विभाग से कई बार मांग की है कि ट्रांसफार्मर से सुरक्षित दूरी पर दोपहिया पार्किंग बनाई जाए। उनका आरोप है कि शिकायतों के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

फिर जांच करा लेंगे...

समय समय पर ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत की जाती है। बारिश से पहले दोबारा से इसकी जांच कराई जाएगी।
रवींद्र अग्रवाल, एई, सब स्टेशन ई-4, अरेरा

दो दिन में सुधार नहीं करने पर होगी चालानी कार्रवाई

गौरी शंकर परिसर के रहवासी और समिति को निगम ने थमाया नोटिस

एक फ्लैट की लापरवाही से पड़ोसी परेशान, सीवेज रिसाव से दूसरे फ्लैट में पहुंच रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गौरीशंकर परिसर स्थित कौशल आवासीय परिसर में एक फ्लैट की खराब सीवेज लाइन से रहवासियों की परेशानी बढ़ गई है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद ननि ने संबंधित फ्लैट मालिक और आवासीय परिसर प्रबंधन को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय सीमा में सुधार नहीं होने पर नगर निगम अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की जाएगी। ननि के सीवेज प्रकोष्ठ, जोन क्रमांक 18 और 19 द्वारा जारी नोटिस में बताया गया है कि कौशल आवासीय परिसर के एल-5, फ्लैट क्रमांक 404 की सीवेज लाइन खराब होने के कारण गंदा पानी नीचे स्थित फ्लैट क्रमांक 304 में रिस रहा है। शिकायतों के परीक्षण के बाद निगम ने संबंधित फ्लैट स्वामी को मरम्मत कराने और उत्पन्न हो रहे अपशिष्ट के उचित निपटान के निर्देश दिए हैं।

325 अमृत सरोवर और 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस प्रदेश को समर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणगढ़ (अंबाला)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को नारायणगढ़ से प्रदेश को 337 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 325 अमृत सरोवर, 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस और 114 करोड़ रुपये की लागत से तैयार सात स्वास्थ्य परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया। अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल नारायणगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए ऐतिहासिक अवसर है। ये परियोजनाएं स्वस्थ, समृद्ध और विकसित हरियाणा के संकल्प को मजबूत करेंगी। उन्होंने डॉक्टर्स डे पर डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, आशा वर्करों और स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई देते हुए डॉ. बिधान चंद्र राय को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में करीब एक हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए गए हैं।

- **संकल्प पत्र के 217 वादों में से 66 पूरे किए जा चुके, 151 पर कार्य जारी : नायब**

किसानों को 16530 करोड़ का मुआवजा दिया

उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर की जा रही है और अब तक 12 लाख किसानों के खातों में 1.80 लाख करोड़ रुपये सीधे भेजे गए हैं। पिछले साढ़े 11 वर्षों में फसल खराबे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को 16,530 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1.56 लाख मकान उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 18,470 परिवारों तथा ग्रामीण योजना के तहत 12,031 परिवारों को प्लॉट दिए गए हैं।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को दिए आवश्यक निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने महारानी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बस्तर

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बस्तर के ऐतिहासिक महारानी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मंत्री ने मानवीय संवेदनाओं के साथ मरीजों को बेहतर उपचार और सेवा प्रदान करने को कहा।

उन्होंने अस्पताल को आम लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल की वर्तमान 200 बिस्तर क्षमता को बढ़ाकर 300 बिस्तर करने के निर्देश दिए। उन्होंने नए सेटअप और अस्पताल भवन उन्नयन का प्रस्ताव विभाग को भेजने को भी कहा। जायसवाल ने मरीजों की सुविधा के लिए डायलिसिस सेंटर और कैंसर यूनिट के निर्माण को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने अस्पताल परिसर की अंदरूनी सड़कों की मरम्मत भी शीघ्र करवाने के निर्देश दिए।

मरीजों और परिजनों से चर्चा कर पूछी परेशानियां

मंत्री ने आपातकालीन चिकित्सा कक्ष, ओपीडी, ईसीजी यूनिट और ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। उन्होंने उपचार के लिए आए मरीजों तथा उनके परिजनों से चर्चा कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मंत्री ने अटल आरोग्य लैब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां उपलब्ध जांच सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों को आवश्यक उपकरणों की शीघ्र स्थापना करने के निर्देश दिए गए। इससे सभी 134 प्रकार की जांच सुविधाएं जल्द सुनिश्चित होंगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टर्स डे पर महारानी अस्पताल में केक काटा। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं।

आरोपी वाहन चालक वारदात के बाद मौके से फरार

पैदल घर लौट रहे सात किशोरों को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला, एक मृत, 6 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिला के उदयपुर विकासखंड में रामगढ़ महोत्सव से पैदल अपने घर लौट रहे सात नाबालिग किशोर मंगलवार देर रात सड़क हादसे का शिकार हो गए। उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डुमरडीह के समीप अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पीछे से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सभी किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अंबिकापुर में उपचार के दौरान एक किशोर की मौत हो गई, जबकि छह अन्य का इलाज जारी है।

दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के ग्राम मंहगई श्रीनगर निवासी 15 वर्षीय विकास अगरिया अपने छह साथियों के साथ रामगढ़ महोत्सव देखने आया था। सांस्कृतिक कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी मंगलवार रात करीब 12 बजे पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान डुमरडीह के

सीसीटीवी की मदद से आरोपी को ढूंढ रही पुलिस

टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी किशोर सड़क पर दूर-दूर जा गिरे। हादसे में किसी के सिर में गंभीर चोट आई, किसी का पैर टूट गया तो किसी के जबड़े में फ्रैक्चर हो गया। आसपास के लोगों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल, अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान विकास अगरिया की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक के पिता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि विकास दोस्तों के साथ रामगढ़ महोत्सव देखने गया था, लेकिन

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सं. 6S-Efile-317880R2Tender दिनांक 01.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते है।

1	निविदा संख्या	6S-Efile-317880R2Tender
2	कार्य का नाम और कार्य स्थान	"आरसीएनके/एसएनपी नें कार्य के दायरे के अनुसार एलएचबी कोचों (पैंट्री कार) का नवीनीकरण।
3	अनुमानित लागत	रुपये 40072541.60/- जीएसटी @ 18% सहित
4	बयाना राशि	रु. 801500.00/-
5	निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
6	कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से बारह महीने
7	निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि व समय	दिनांक 23.07.2026 समय 15:00 बजे
8	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in
9	यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2255/26

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/
(84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दिनेश उर्फ बब्लू पुत्र मुन्नी लाल पताः मकान नं सी–336, लाल कुआं चुन्नगी नं3, नई दिल्ली ने एफआईआर संख्या 1184/2019 धारा 379/411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः मंडावली, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **दिनेश उर्फ बब्लू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दिनेश उर्फ बब्लू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 1184/2019 धारा 379/411/34 भा.द.स. के तहत थानाः मंडावली, दिल्ली के उक्त दिनेश उर्फ बब्लू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सचिन
न्यायिक दण्डाधिकार प्रथम श्रेणी–03
पुर्वी जिला, कोर्ट नं.16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/8137/ED/2026

बहुचर्चित पूर्णिमा चौहान हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तारियां

शादीशुदा प्रेमी पर बना रही थी शादी का दबाव, पति-पत्नी के करवा दी हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सक्ती

जिले के बहुचर्चित पूर्णिमा चौहान हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, युवती की हत्या प्रेम प्रसंग के चलते 4 लाख रुपये की सुपारी देकर कराई गई थी। मामले में हत्या की साजिश रचने वाले पति-पत्नी समेत कुल 9 आरोपियों को झारखंड, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त पिस्तौल, जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और नगदी भी बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक 26 जून को ग्राम जोंगरा निवासी पूर्णिमा चौहान उर्फ पूनम की दो नकाबपोश बदमाशों ने घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग और पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के निर्देशन में विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम ने चार दिनों तक मोबाइल टावर डंप, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर पूरे हत्याकांड का खुलासा किया

चार लाख की सुपारी देकर रची वारदात की कहानी

जांच में सामने आया कि मृतका पूर्णिमा चौहान के रायगढ़ जिले के देल्लारी निवासी मुरलीशंकर चौहान के साथ प्रेम संबंध थे। इस संबंध को लेकर मुरलीशंकर और उसकी पत्नी चम्पा चौहान के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार, बाद में मुरलीशंकर ने पत्नी के कहने पर पूर्णिमा से दूरी बना ली, लेकिन पूर्णिमा लगातार उस पर शादी का दबाव बना रही थी। इससे परेशान होकर मुरलीशंकर और उसकी पत्नी चम्पा ने पूर्णिमा की हत्या की साजिश रची और 4 लाख रुपये की सुपारी देकर राजेन्द्र महंत से हत्या कराने का सौदा किया।

वारदात के बाद मौके से फरार हुए आरोपी

पुलिस के अनुसार, राजेन्द्र महंत ने अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी योजना बनाई। घटना वाले दिन गौरीशंकर सिदार और सुनील महंत मोटरसाइकिल से जोंगरा पहुंचे, जहां गौरीशंकर ने पिस्तौल से पूर्णिमा पर तीन गोलियां दाग दीं। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में सुपारी की तय रकम में से 2 लाख रुपये आरोपियों को दिए गए। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने राजेन्द्र महंत को जमशेदपुर (झारखंड), जबकि गौरीशंकर सिदार और सुनील महंत को पुणे (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया। इसके बाद अन्य आरोपियों को छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों से पकड़ लिया गया। सभी आरोपियों ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त पिस्तौल, चार जिंदा कारतूस, घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और सुपारी की राशि में से बची नगदी बरामद की है। सभी नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

चाकू लगने से दुकान संचालक घायल

लूट की वारदात को अंजाम देकर भाग रहे लुटेरों को सामने दुकानदार ने पकड़ने की कोशिश की तो उसे चाकू लग गया। विरोध करने पर बदमाशों ने दुकान संचालक राजकुमार अग्रवाल के हाथ को दांत से काट लिया और फरार हो गए। लेकिन राजकुमार अग्रवाल की बहादुरी के कारण लूट की बड़ी वारदात टल गई।

हाथापाई के दौरान आरोपी अपना कट्टा और प्लैटिना बाइक मौके पर ही छोड़कर भागे। भागते समय वे कुछ असली जेवरात के साथ कुछ आर्टिफिशियल ज्वेलरी भी ले गए। सीसीटीवी फुटेज में पूरी हरकत साफ दिख रही है, जिसमें लुटेरों की हर गतिविधि रिकॉर्ड हुई है। घटना के बाद बाजार में हड़कंप मच गया। लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस टीम तुरंत पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर दी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **सुरेंद्र पुत्रः** मदन लाल, **पताः** बी–14/2 बेगमपुर एक्सटेंशन, दिल्ली ने **FIR No. 1225/2014 U/s 33 Delhi Excise Act थानाः बेगमपुर रोहिणी, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1225/2014 U/s 33 Delhi Excise Act थानाः बेगमपुर रोहिणी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अनुराधा जिंदल
एसीजेएम, कमरा नंबर 101
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/8861/RD/2026
(Court Matter)

चिंतन

तनाव के बाद राहत की नई शुरुआत

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव ने न केवल वैश्विक शांति बल्कि अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित किया। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, आपूर्ति बाधित होने की आशंका और बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की चिंताएं बढ़ा दी थीं, लेकिन अब हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और इसके साथ राहत के संकेत भी दिखाई देने लगे हैं। एक जुलाई से लागू हुए कई बदलाव यह भरोसा दिलाते हैं कि संकट के बाद बेहतर दौर की शुरुआत संभव है। इसे तनाव के बाद राहतों की नई शुरुआत माना जा रहा है। सबसे बड़ी राहत ऊर्जा क्षेत्र से मिली है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटकर करीब 73 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं। इसका असर भारत में भी दिखाई देने लगा है। निजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपये और डीजल 3 रुपये प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। यह केवल कीमतों में कमी नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि वैश्विक परिस्थितियां सामान्य होने का लाभ अब आम उपभोक्ता तक पहुंचने लगा है। अब उम्मीद की जा सकती है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह नियंत्रित रहीं तो अन्य तेल कंपनियां भी जल्द राहत देने की दिशा में कदम बढ़ाएंगी। महंगाई पर नियंत्रण की दिशा में एक और सकारात्मक खबर कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में औसतन 180 रुपये की कमी है। इससे होटल, रेस्तरां और छोटे कारोबारियों की लागत घटेगी। यदि यह लाभ ग्राहकों तक पहुंचता है तो बाहर खाना, छोटी-बड़ी कैटरिंग और कई सेवाएं अपेक्षाकृत सस्ती हो सकती हैं। डीजल भरवाने की दैनिक सीमा हटने से परिवहन और उद्योग जगत को भी राहत मिलेगी, जिससे माल ढुलाई सुचारू होगी और बाजार में वस्तुओं की उपलब्धता बेहतर बनेगी। इसी बीच प्रकृति ने भी राहत का संदेश दिया है। मानसून ने देश के अधिकांश हिस्सों में दस्तक दे दी है। अच्छी बारिश किसानों के चेहरों पर मुस्कान लेकर आती है। खेतों में हरियाली बढ़ती है, फसल की उम्मीद मजबूत होती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलती है। कृषि उत्पादन अच्छा रहने पर खाद्य महंगाई पर भी नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। ऐसे में बारिश और ईंधन क्षेत्र से मिली राहत मिलकर अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक माहौल तैयार कर सकती है। हालांकि पासपोर्ट शुल्क में बढ़ोतरी और बिना टिकट यात्रा पर जुर्माना बढ़ना कुछ लोगों की जेब पर असर जरूर डालेगा, लेकिन व्यापक तस्वीर देखें तो एक जुलाई कई ऐसे बदलाव लेकर आया है जो अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन में सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। संकट के दौर के बाद ऐसे छोटे-छोटे कदम ही लोगों में विश्वास जगाते हैं कि हालात सुधर रहे हैं। भारत ने हमेशा कठिन परिस्थितियों का सामना धैर्य और संतुलन से किया है। आज भी दुनिया जब भू-राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रही है, तब राहत के ये संकेत केवल आर्थिक आंकड़े नहीं, बल्कि उम्मीद के प्रतीक हैं। यदि वैश्विक शांति बनी रहती है, कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रित रहती हैं और मानसून अनुकूल रहता है, तो आने वाले महीनों में महंगाई पर और लगाम लग सकती है तथा आर्थिक गतिविधियां नई रफ्तार पकड़ सकती हैं। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि यदि ईंधन की कीमतों में और कमी आती है, महंगाई नियंत्रित रहती है और कृषि उत्पादन बेहतर होता है, तो यह केवल अस्थायी राहत नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूती की नई शुरुआत साबित हो सकती है। आखिरकार किसी भी नीति की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना यही है कि उसका लाभ आम आदमी की थाली, जेब और जीवन में कितना दिखाई देता है।

कोर्ट का फैसला
प्रमोद भार्गव

> अदालत ने कहा कि धर्म बदलने वाला व्यक्ति 'पिछड़ा वर्ग मुस्लिम' का दर्जा मांगने का अधिकार नहीं रखता है। क्योंकि मुस्लिम समाज में भी अलग-अलग समुदाय और वर्ग होते हैं, परंतु उनकी पहचान जन्म से तय होती है न कि धर्म परिवर्तन से ? अदालत ने यह भी कहा कि इस्लामिक उपदेशक और ईसाई मिशनरियां सदियों से यह प्रचार करती आई हैं कि उनके धर्मों में सामाजिक समानता है, जबकि हिंदू धर्म में जाती व्यवस्था एक बुनियादी विसंगति है। अतएव धर्म परिवर्तन के लिए ऐसा रुख अपनाने के बाद यह कहना बेमानी है कि इस्लाम में भी ऊंच-नीच या वर्गभेद है। अतएव ऐसे उपाय हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के उद्देश्य के तहत आरक्षण नीतियों की मूल भावना के विपरीत हैं।

इस्लाम धर्म अपनाने पर आरक्षण नहीं

उच्च न्यायालय मद्रास ने तमिलनाडु सरकार के उस अहम आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत हिंदू धर्म के पिछड़े, अति पिछड़े या अनुसूचित जाति वर्ग के लोग इस्लाम अपनाने के बाद भी 'पिछड़े वर्ग मुस्लिम' का जाति प्रमाण पत्र ले सकते थे। सरकारी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण पा लेने की इस सुविधा को न्यायालय ने दो टूक शब्दों में असंवैधानिक माना है। अदालत ने कहा कि धर्म बदलने वाला व्यक्ति 'पिछड़ा वर्ग मुस्लिम' का दर्जा मांगने का अधिकार नहीं रखता है। क्योंकि मुस्लिम समाज में भी अलग-अलग समुदाय और वर्ग होते हैं, परंतु उनकी पहचान जन्म से तय होती है न कि धर्म परिवर्तन से ? अदालत ने यह भी कहा कि इस्लामिक उपदेशक और ईसाई मिशनरियां सदियों से यह प्रचार करती आई हैं कि उनके धर्मों में सामाजिक समानता है, जबकि हिंदू धर्म में जाती व्यवस्था एक बुनियादी विसंगति है। अतएव धर्म परिवर्तन के लिए ऐसा रुख अपनाने के बाद यह कहना बेमानी है कि इस्लाम में भी ऊंच-नीच या वर्गभेद है।

हमारी राय में कुछ मुस्लिम समुदायों को पिछड़ा और कुछ को अगड़ा मानना कुरान की शिक्षाओं के खिलाफ है। दरअसल इस्लाम एक ऐसा समाज बनाना चाहता है, जिसमें सब का दर्जा एक समान रहे। यह ऐतिहासिक फैसला न्यायामूर्ति जीआर स्वामीनाथन और पीबी बालाजी की पीठ ले दिया है। इस मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने तमिलनाडु सरकार के तीन मार्च 2024 के आदेश को आधार बनाया था। इसमें आरक्षित श्रेणियों से धर्मांतरित लोगों को तमिलनाडु में अधिसूचित सात पिछड़े वर्ग के मुस्लिम समूहों में से एक से संबंधित होने का सामुदायिक प्रमाण-पत्र जारी किया जा सकता था। सरकार ने अपने आदेश में यह प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग या डी-नोटिफाइड समुदायों से आने वाले व्यक्ति यदि इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें पिछड़ा वर्ग मुस्लिम की क्षेणी में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। इस सिलसिले में सरकार का तर्क था कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे और सामाजिक संतुलन बना रहेगा, किंतु अदालत ने कहा कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन है। इसी से मिलती-जुलती प्रकृति के एक एक मामले में फैसला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय कह चुका है कि बिना किसी वास्तविक आस्था के केवल आरक्षण के लाभ हेतु किया गया धर्म परिवर्तन संविधान के साथ धोखाधड़ी है। सी सेल्वरानी की याचिका पर 26 नवंबर 2024 को फैसला सुनाते हुए, मद्रास उच्च न्यायालय के 24 नवंबर के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें ईसाई धर्म अपना चुकी एक महिला को अनुसूचित जाति प्रमाण-पत्र देने से इनकार कर दिया गया था। महिला ने बाद में आरक्षण के तहत रोजगार का लाभ प्राप्त करने के लिए हिंदू होने का दावा किया था, लेकिन इस पीठ ने फैसले में साफ किया कि कोई व्यक्ति किसी अन्य धर्म को तभी अपनाता है, जब वह वास्तव में उसके सिद्धांतों और धर्म आधारित आध्यात्मिक विचारों से प्रेरित होता है। यदि धर्म परिवर्तन का मकसद दूसरे धर्म में वास्तविक आस्था होने की बजाय आरक्षण का लाभ प्राप्त करना है तो इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि ऐसी गलत इच्छा रखने वाले लोगों को आरक्षण

का लाभ देने से आरक्षण नीति के सामाजिक व्यवहार को क्षति पहुंचेगी। बावजूद सेल्वरानी हिंदू होने का दावा करती है और नौकरी के लिए अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र मांगती है, तब यह दोहरा दावा अस्वीकार्य है। साफ है, वह ईसाई धर्म अपनाने के बावजूद एक हिंदू के रूप में अपनी पहचान नहीं बनाए रख सकती हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950 जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसी तारतम्य में पिछले पचास सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। वर्तमान में मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध ही अल्पसंख्यक दायरे में आते हैं। जबकि जैन, बहाई और कुछ दूसरे धर्म-समुदाय भी अल्पसंख्यक दर्जा हासिल करना चाहते हैं। लेकिन जैन समुदाय केन्द्र द्वारा अधिसूचित सूची में नहीं है। इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों को अधिसूचित किया गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों को नहीं। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक माना गया है, परंतु इन्हें अधिसूचित करने का अधिकार राज्यों को है, केंद्र को नहीं। इन्हीं वजहों से आतंकवाद के चलते अपनी ही पुश्तैनी जमीन से बेदखल कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यक के दायरे में नहीं आ पा रहे हैं। मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह की कांग्रेस सरकार के दौरान जैन धर्मावलंबियों को भी अल्पसंख्यक दर्जा दिया था, लेकिन अल्पसंख्यकों को दी जाने वाली सुविधाओं से ये आज भी वंचित हैं।

संविधान के अनुच्छेद-342 में धर्म परिवर्तन के संबंध में अनुच्छेद-341 जैसे प्रावधान में लोच है। 341 में स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति (एससी) के लोग धर्म परिवर्तन करेंगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग धर्मांतरण से बचा हुआ है। जबकि 342 के अंतर्गत संविधान निर्माताओं ने जनजातियों के आदि मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की थी कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुशंसा पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उल्लेखित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान सम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। इस आदेश के लागू होने के उपरांत भी इसमें संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। इसी परिप्रेक्ष्य में 1956 में एक संशोधन विधेयक द्वारा अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध के लिए प्रावधान किया गया था कि यदि इस जाति का कोई व्यक्ति ईसाई या मुस्लिम धर्म स्वीकारता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा, किंतु यह विधेयक पारित नहीं हो पाया है। अनुच्छेद 341 के अनुसार अनुसूचित जातियों के वही लोग आरक्षण के दायरे में हैं, जो भारतीय धर्म हिन्दू, बौद्ध और सिख अपनाने वाले हैं। गोया, अनुच्छेद-342 में 341 जैसे प्रावधान हो जाते हैं, तो अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण की समस्या पर स्वाभाविक रूप से अंकुश लग जाएगा। अनुसूचित जातियों के परिप्रेक्ष्य में न्यायालय के इस फैसले ने साफ कर दिया है कि ईसाई या इस्लाम धर्मावलंबी बने अनुसूचित जाति के लोग केवल नौकरी के लिए फिर से धर्म परिवर्तन कर हिंदू नहीं बन सकते हैं। यह उपाय आरक्षण के मूल उद्देश्य के विरुद्ध होने के साथ संविधान के साथ धोखाधड़ी है। यह उपाय आरक्षण नीति के मौलिक सामाजिक लक्ष्यों को कमजोर करता है। अतएव ऐसे उपाय हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के उद्देश्य के तहत आरक्षण नीतियों की मूल भावना के विपरीत हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन
ममता कुशवाहा

आराम की दौड़ में आखिर सुरक्षा से समझौता क्यों

नोएडा के एक बहुमंजिला अपार्टमेंट में हाल ही में एयर कंडीशनर (एसी) में हुए विस्फोट से लगी आग ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आधुनिक सुविधाएं यदि सावधानी के साथ न अपनाई जाएं तो वही जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग पर काबू पाने में दमकल विभाग को कई घंटे लग गए। इससे पहले भी देश के विभिन्न शहरों में एसी फटने या उसमें शॉर्ट सर्किट से आग लगने की अनेक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन हादसों ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल तकनीक पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित उपयोग और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था पर भी उतना ही ध्यान देना आवश्यक है। भीषण गर्मी के इस दौर में एयर कंडीशनर अब केवल विलासिता का साधन नहीं रह गया है। पहले जहां एसी केवल बड़े घरों, कार्यालयों या होटलों तक सीमित था, वहीं आज मध्यम वर्गीय परिवारों के घरों में भी यह आम जरूरत बन चुका है। लगातार बढ़ते तापमान और बदलती जीवनशैली ने एसी को रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बना दिया है। लेकिन सुविधा का यह साधन तभी तक उपयोगी है, जब तक उसका उपयोग जिम्मेदारी और सावधानी के साथ किया जाए। जैसे-जैसे एसी का उपयोग बढ़ा है, वैसे-वैसे उससे जुड़ी दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ी है।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत लापरवाही का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें तकनीकी खामियां, घटिया गुणवत्ता वाले उपकरण, अपर्याप्त रखरखाव और सुरक्षा मानकों की अनदेखी भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। यदि समय-समय पर प्रशिक्षित तकनीशियन से एसी की जांच कराई जाए, गैस का स्तर देखा जाए और बिजली की वायरिंग की स्थिति पर ध्यान दिया जाए, तो अधिकांश हादसों को रोका जा सकता है। बढ़ती दुर्घटनाओं के पीछे एक और चिंता का विषय बाजार में उपलब्ध निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद हैं। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में कई कंपनियां कम कीमत पर उपकरण बेचने के लिए गुणवत्ता से समझौता कर लेती हैं। दूसरी ओर उपभोक्ता भी कम कीमत के लालच में बिना प्रमाणित उत्पाद खरीद लेते हैं। ऐसे उपकरणों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होता और उनमें प्रयुक्त पुर्जे भी टिकाऊ नहीं होते। परिणामस्वरूप थोड़ी-सी तकनीकी खराबी भी बड़े हादसे का रूप ले सकती है। इसलिए उपभोक्ताओं को हमेशा प्रमाणित और भरोसेमंद कंपनियों के उत्पाद ही खरीदने चाहिए। यह समस्या केवल घरेलू स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरी विकास और भवन निर्माण व्यवस्था से भी जुड़ी हुई है। आज महानगरों में ऊंची-ऊंची इमारतें तेजी से बन रही हैं, लेकिन उनमें अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन हमेशा संतोषजनक नहीं होता। परिणामस्वरूप छोटी-सी आग भी भयावह रूप धारण कर लेती है। दमकल विभाग की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। देश के अनेक शहरों में संसाधनों और आधुनिक उपकरणों का अभाव है। ऊंची इमारतों तक पहुंचने वाली हाइड्रोलिक सीढ़ियां और उच्च क्षमता वाले अग्निशमन उपकरण पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। कई बार संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और अव्यवस्थित यातायात भी दमकल वाहनों के समय पर पहुंचने में बाधा बन जाते हैं। ऐसे में आग पर नियंत्रण पाने में देरी होती है और नुकसान कई गुना बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन भी इस समस्या को और गंभीर बना रहा है।

हर वर्ष तापमान के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, जिससे एसी का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। बिजली की मांग बढ़ने से विद्युत व्यवस्था पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कई क्षेत्रों में पुरानी वायरिंग और ओवरलोड ट्रांसफार्मर दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ा देते हैं। इसलिए ऊर्जा अवसंरचना को भी समय के अनुरूप आधुनिक बनाना आवश्यक है, ताकि बढ़ती जरूरतों को सुरक्षित ढंग से पूरा किया जा सके। वास्तव में आधुनिक तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल और आरामदायक बनाना है, न कि उसे संकट में डालना। इसलिए सुविधा और सुरक्षा का संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नोएडा जैसी घटनाएं केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि चेतावनी हैं कि यदि हम अभी भी नहीं चेते तो भविष्य में ऐसे हादसे और बढ़ सकते हैं। सरकार को सुरक्षा मानकों का कठोर पालन सुनिश्चित करना होगा, भवन निर्माताओं को अग्नि सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, कंपनियों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने होंगे और नागरिकों को जिम्मेदार उपभोक्ता बनना होगा। जब तकनीक के साथ सतर्कता, गुणवत्ता के साथ जिम्मेदारी और सुविधा के साथ सुरक्षा भी जुड़ जाएगी, तभी आधुनिक जीवन वास्तव में सुरक्षित, सुखद और विश्वासपूर्ण बन सकेगा।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही है जीवन का सूत्र

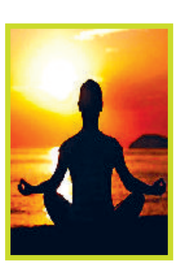

संकलित
दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्र में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

भक्ति करने का मतलब ये नहीं कि जीवन में दुख नहीं आएंगे

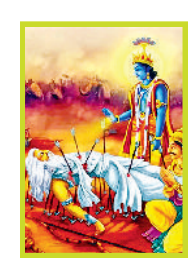

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध के बाद का किस्सा है। पांडवों ने कौरवों को हरा दिया था और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। उस समय भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे और प्राण त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भीष्म के पूरे शरीर पर तीर लगे हुए थे। एक दिन श्रीकृष्ण पांडवों के साथ भीष्म से मिलने पहुंचे। श्रीकृष्ण ने भीष्म से कहा कि आप पांडवों को राजधर्म का ज्ञान दें, ताकि ये अपना राज-पाठ अच्छी तरह चला सकें। बातचीत करते समय पांडवों ने देखा कि भीष्म पितामह की आंखों में आंसू आ गए थे। पांडवों को इस बात की हैरानी हुई कि भीष्म पितामह जैसे महारथी को भी मृत्यु का डर सता रहा है, इस वजह से इनकी आंखों में आंसु आ गए हैं। जबकि इन्हें तो इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है। पांडवों के मन की बात समझकर श्रीकृष्ण ने भीष्म पितामह से पूछा कि आपकी आंखों में आंसू क्यों हैं? श्रीकृष्ण का प्रश्न सुनकर भीष्म ने कहा कि आप तो सब कुछ जानते हैं, मैं पांडवों को भी बता देता हूं। मेरी आंखों में आंसू पांडवों को देखकर आ गए। पांडवों पुत्रों के साथ स्वयं श्रीकृष्ण साथ हैं। फिर भी इनके जीवन में लगातार दुख आते रहे। कदम-कदम पर पांडवों के जीवन में मुश्किलें आईं। इन्हें देखकर मुझे समझ आया कि अगर हमारे भगवान हैं, तब भी इसका मतलब ये नहीं है कि हमारे जीवन में दुख नहीं आएंगे। दुख तो आएंगे, लेकिन भगवान की मदद से हम दुखों का सामना पूरे साहस के साथ कर पाते हैं। भक्ति करेंगे तो भगवान हमें दुखों से लड़ने का साहस देंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर सुरक्षा के लिए जनचेतना जरूरी

आज हमारे देश में साइबर फ्रॉड के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान बहुत जरूरी है। साइबर सुरक्षा के लिए इन बातों पर ध्यान रखना जरूरी है। एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। किसी को भी ओटीपी या अपने इंटरनेट बैंकिंग की डिटेल न दें। केवाईसी के नाम पर भी साइबर फ्रॉड हो सकता है। इसके लिए बैंक से संपर्क करें। आजकल तो ई-चालान, बिजली बिल भरने के नाम पर धोखाधड़ी के मैसेज आ रहे हैं, इनसे भी सावधान रहें। अपने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के पासवर्ड और पिन बदलते रहें। हालांकि सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के अनेक उपाय किए हैं, लेकिन समूह समाज को भी सचेत रहना होगा।

– मनीष अग्रवाल, धमतरी

ट्रेंड

विजया मेहता को श्रद्धांजलि

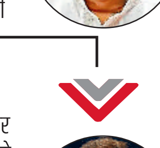

दिग्गज अभिनेत्री और थिएटर डायरेक्टर विजया मेहता के निधन की खबर दिल तोड़ने वाली है। उन्हें मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। विजया ताई ने कई नाटकों और फिल्मों के ज़रिए अहम योगदान दिया।
- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

इज़राइल दौरा

हम इज़राइल के रणनीतिक दायरे में और गहरे धंसते जा रहे हैं, जबकि दुनिया उससे तेज़ी से दूर हो रही है। प्रधानमंत्री का इज़राइल दौरा एक हैरान करने वाले रणनीतिक फैसले के तौर पर इतिहास में दर्ज होगा।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

नई ईवी पॉलिसी

दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी को आधिकारिक तौर पर गैजेट में नोटिफाई कर दिया गया है और यह अब लागू हो गई है। आज से, इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदने वालों को 30,000, थ्री-व्हीलर को 50,000 और एन1 कैटेगरी के हल्के कमर्शियल वाहनों के लिए 1 लाख की सब्सिडी मिलेगी।
-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

विकास का अगला चरण

इस साल असम में बिजली की अधिकतम मांग के 3,000 एमडब्ल्यू से ज़्यादा होने की उम्मीद है, इसलिए हम राज्य को बिजली के मामले में सरप्लस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम असम को विकास के अगले चरण के लिए तैयार कर रहे हैं।
- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

करंट अफेयर

अमेरिकी डाक सेवा दिवाली पर जारी करेगी डाक टिकट

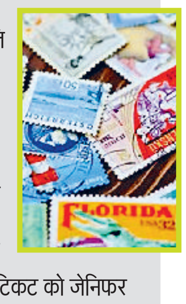

अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) ने दिवाली के त्योहार पर आधारित एक डाक टिकट जारी करने की घोषणा की है। यह टिकट इस वर्ष के अंत में जारी किया जाएगा। दिवाली के इस डाक टिकट पर ह्यूस्टन की कलाकार संगीता भूटाडा द्वारा बनाई गई रंगोली की आकृति है जिसकी तस्वीर बिनय दीक्षित ने ली थी। यूएसपीएस ने कहा कि रंगोली फर्श पर की जाने वाली एक खूबसूरत कलाकारी है जिसे पारंपरिक रूप से चावल के रंगीन पाउडर, चॉक और फूलों की पंखुड़ियों जैसी सामग्री से बनाया जाता है तथा इसे शुभ माना जाता है। यूएसपीएस के अनुसार, भूटाडा मूल रूप से भारत की रहने वाली हैं और लंबे समय से ह्यूस्टन क्षेत्र में रह रही हैं। वह करीब 30 वर्षों से रंगोली की प्राचीन लोककला से जुड़ी हुई हैं। इस डाक टिकट को जेनिफर अर्नोल्ड ने डिजाइन किया है और विलियम जे. गिकर इसके कला निदेशक हैं। यूएसपीएस ने बताया कि दिवाली पर आधारित यह डाक टिकट अक्टूबर में जारी किया जाएगा। यूएसपीएस ने कहा, 'हिंदू पंचांग के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में शामिल दिवाली हर वर्ष शरद ऋतु में मनाई जाती है और यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दिवाली आमतौर पर पांच दिन तक मनाई जाती है। वर्ष 2026 में त्योहार का मुख्य दिन आठ नवंबर को होगा।'

ऑफ बीट

कैसे साफ किया जा सकता है अंतरिक्ष में मौजूद कचरा

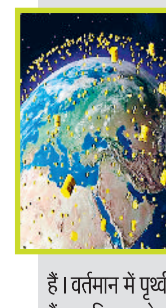

सत्तर साल पहले पृथ्वी का सिर्फ एक ही प्राकृतिक उपग्रह था-चंद्रमा। आज पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे उपग्रहों की संख्या 15,000 से अधिक हो चुकी है, जिनमें से लगभग 10,000 एलन मस्क की कंपनी 'स्पेसएक्स' के हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क की योजना 10 लाख और उपग्रह अंतरिक्ष में भेजने की है। इनमें से प्रत्येक की लंबाई लगभग 70 मीटर और चौड़ाई करीब 20 मीटर होगी तथा ये मिलकर अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों के रूप में काम करने वाला एक विशाल उपग्रह समूह बनाएंगे। अंतरिक्ष कचरे से आशय पृथ्वी की कक्षा में मौजूद उन सभी वस्तुओं से है, जिनका अब कोई उपयोग नहीं रह गया है। इनमें इस्तेमाल हो चुके रॉकेट के हिस्से, निष्क्रिय या क्षतिग्रस्त उपग्रह तथा अति सूक्ष्म कण भी शामिल हैं। वर्तमान में पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े कचरे के करीब 36,000 टुकड़े हैं, जबकि इससे छोटे कणों की संख्या करोड़ों में है। अनुमान है कि इस पूरे मलबे का कुल वजन 13,486 टन है। इस मलबे में सबसे बड़ा योगदान अमेरिका, रूस और चीन का है। अंतरिक्ष मलबा इसलिए बेहद खतरनाक है क्योंकि यह लगभग सात किलोमीटर प्रति सैकंड की औसत गति से पृथ्वी की निचली कक्षा में घूम रहा होता है। इतनी तेज गति से होने वाली एक टक्कर किसी उपग्रह को पूरी तरह तोड़ सकती है तथा उससे और भी अधिक अंतरिक्ष मलबा पैदा हो सकता है।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

पंजाब चुनाव से पहले संतुलन बनाने का प्रयास, चुनाव लड़ाएंगे चन्नी, संगठन वरिंग के पास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच कांग्रेस नेतृत्व ने बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वरिंग और विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा को उनके पदों पर यथावत रखा गया है। इसके साथ ही पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला को चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति तथा सुखजिंदर सिंह रंधावा को कोर समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। पहली नजर में यह केवल संगठनात्मक नियुक्ति लग सकती है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह पंजाब में कांग्रेस की 2027 की चुनावी रणनीति का स्पष्ट संकेत है। सूबे में सीएम का चेहरा अपरोक्ष रूप से चन्नी ही होंगे।

पंजाब कांग्रेस पिछले दो वर्षों से एक बड़े प्रश्न से जूझ रही थी—2027 का चुनाव किस चेहरे पर लड़ा जाए? सुनील जाखड़, कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू जैसे नेताओं के पार्टी से जाने के बाद पार्टी के भीतर राजा वड़िंग, प्रताप बाजवा, सुखजिंदर रंधावा और चन्नी जैसे कई दावेदार माने जा रहे थे। सिद्धू तकनीकी रूप से भले ही कांग्रेस में हो लेकिन उनकी पत्नी कांग्रेस से सस्पेंड होने के बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद से सिद्धू की राहें भी जुदा मानी जा रही है। कांग्रेस नेतृत्व ने पंजाब के शीर्ष नेताओं से अलग-अलग बैठकें कर फीडबैक लेकर चुनाव से ठीक पहले अहम नियुक्तियों को बुधवार को अंतिम रूप दिया।

चन्नी को अभियान समिति की कमान सौंपना कई राजनीतिक संदेश देता है

1. **दलित वोट बैंक पर सीधा निशाना**
चन्नी पंजाब के पहले दलित मुख्यमंत्री रहे हैं। पंजाब में अनुसूचित जाति मतदाता लगभग एक-तिहाई के आसपास माने जाते हैं, जो देश में सबसे बड़ा अनुपात है। कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि उसका सबसे लोकप्रिय दलित चेहरा अभी भी केंद्र में है।
2. **जनसंपर्क में सबसे मजबूत चेहरा**
2022 की हार के बावजूद चन्नी आज भी कांग्रेस के सबसे अधिक जनाधार वाले नेताओं में गिने जाते हैं। जालंधर से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उनका राजनीतिक कद और बढ़ा है। पार्टी को लगता है कि गांवों और आम मतदाताओं के बीच उनकी स्वीकार्यता अन्य नेताओं से अधिक है।
3. **सीएम चेहरे की संभावित तैयारी**
औपचारिक घोषणा भले न हुई हो, लेकिन चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाना अक्सर चुनावी चेहरे की ओर पहला कदम माना जाता है। पंजाब कांग्रेस के भीतर लंबे समय से यह मांग उठ रही थी कि पार्टी को 2027 में स्पष्ट मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यही इस नियुक्ति का सबसे दिलचस्प पहलू है। यदि कांग्रेस केवल चन्नी पर दांव लगाना चाहती तो वह पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदल सकती थी। लेकिन पार्टी ने ऐसा नहीं किया।

इसके पीछे 3 कारण माने जा रहे हैं

- **संगठन और जनाधार का संतुलन**
राजा वड़िंग को संगठन चलाने वाला नेता माना जाता है। पिछले चार वर्षों में उन्होंने बूथ स्तर तक पार्टी को सक्रिय रखने का प्रयास किया है। कांग्रेस नेतृत्व संगठन और चुनावी चेहरे को अलग-अलग रखना चाहता है।
- **गुटबाजी रोकने की कोशिश**
यदि वड़िंग को हटाया जाता तो पार्टी के भीतर नया विवाद खड़ा हो सकता था। कांग्रेस पहले से ही आंतरिक खींचतान से जूझ रही है। इसलिए हाईकमान ने किसी एक गुट को पूरी जीत देने के बजाय सत्ता का संतुलन बनाया है।
- **मालवा- दोआबा- माझा समीकरण**
पंजाब की राजनीति क्षेत्रीय संतुलन पर चलती है। वड़िंग, बाजवा, रंधावा, चन्नी और सिंगला को अलग-अलग जिम्मेदारियां देकर कांग्रेस ने क्षेत्रीय और सामाजिक प्रतिनिधित्व का संदेश देने की कोशिश की है।

बाजवा के लिए कशमकश

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जरूर है कि विधानसभा में विपक्ष के नेता होने के बावजूद प्रताप बाजवा को किसी प्रमुख चुनावी समिति का अध्यक्ष नहीं बनाया गया। हालांकि उन्हें पद से हटाया भी नहीं गया। इसे कांग्रेस की "संतुलन नीति" के रूप में देखा जा रहा है। हाईकमान ने किसी भी नेता को इतना शक्तिशाली नहीं बनने दिया कि बाकी नेता असहज महसूस करें। लंबे समय से पंजाब की राजनीति को देख रहे जानकार कांग्रेस आलाकमान के इस कदम को अब तक का सबसे संतुलित फार्मूला मान रहे हैं। उसका कारण बताते हुए डॉ मोहिंदर सिंह कहते हैं, चन्नी जनाधार वाले चुनावी चेहरा हैं तो राजा वड़िंग के हाथों संगठन की कमान है। बाजवा बतौर नेता विधानसभा आम आदमी पार्टी सरकार को सदन के मार्फत घेरेंगे। वरिष्ठ नेता रंधावा अनुभवी रणनीतिकार हैं। विजय इंदर सिंगला को चुनावी प्रबंधन का उस्ताद माना जाता है। कांग्रेस की इस व्यवस्था में किसी एक नेता को पूर्ण नियंत्रण नहीं मिला है, जबकि सभी प्रमुख गुटों को प्रतिनिधित्व मिला है।

एक राष्ट्र एक चुनाव से होगा देश को फायदा, विकास कार्य बाधित होते हैं बार-बार चुनावों से: पीपी चौधरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे देश में सुशासन को मजबूती मिलेगी, विकास कार्यों में तेजी आएगी, सरकारी खर्च कम होगा और लोकतांत्रिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। पी.पी. चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कोई नई अवधारणा नहीं है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था की सिफारिश समय-समय पर , तथा कई संसदीय और विशेषज्ञ समितियां कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 तक लोकसभा और अधिकांश राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही कराए जाते थे। बाद में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू होने के कारण यह चुनावी चक्र टूट गया और अलग-अलग समय पर चुनाव होने लगे।

पी.पी. चौधरी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वर्तमान व्यवस्था में देश के किसी न किसी हिस्से में लगभग हर वर्ष चुनाव होते रहते हैं। इसके कारण आदर्श आचार संहिता बार-बार लागू करनी पड़ती है, जिससे केंद्र और राज्य सरकारों की विकास परियोजनाओं, नई योजनाओं की घोषणाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर प्रभाव पड़ता है। उनका कहना था कि यदि चुनाव एक साथ होंगे तो सरकारें पूरे कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगी। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव कराना देश के खजाने पर भी भारी बोझ डालता है। चुनाव आयोग, केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा शिक्षकों सहित बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों को चुनावी ड्यूटी में लगाना पड़ता है। इससे सामान्य प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सरकारी सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। एक साथ चुनाव होने से इन संसाधनों का बेहतर और अधिक प्रभावी उपयोग किया जा सकेगा। जेपीसी अध्यक्ष ने कहा कि लगातार चुनावी माहौल रहने से राजनीतिक दल और सरकारें भी लंबे समय तक चुनावी गतिविधियों में व्यस्त रहती हैं। यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे तो राजनीतिक दलों को भी नीति निर्माण, जनकल्याण और विकास के मुद्दों पर अधिक समय देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति इस विषय पर सभी राजनीतिक दलों, राज्यों, विधि विशेषज्ञों, संवैधानिक विशेषज्ञों, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों तथा अन्य संबंधित पक्षों के सुझाव प्राप्त कर रही है। समिति का उद्देश्य व्यापक विचार-विमर्श के बाद ऐसी रिपोर्ट तैयार करना है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक मजबूत हो सके।

विपक्ष की आशंकाओं पर भी रहेगी चर्चा

चौधरी ने कहा कि समिति का उद्देश्य किसी पर कोई निर्णय थोपना नहीं है, बल्कि सभी पक्षों की राय सुनकर सहमति बनाने का प्रयास करना है। उन्होंने संकेत दिया कि समिति उन सभी संवैधानिक, कानूनी और व्यावहारिक पहलुओं पर विचार कर रही है, जिनका संबंध 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से है। केंद्र ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' लागू करने के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधन संबंधी विधेयक संसद में पेश किए हैं। इन विधेयकों को विस्तृत परीक्षण और सुझावों के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया है। इस प्रस्ताव को लेकर विपक्षी दलों ने कई संवैधानिक और संघीय ढांचे से जुड़े सवाल भी उठाए हैं। उनका कहना है कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक परिस्थितियां होती हैं और एक साथ चुनाव कराने से राज्यों की स्वायत्तता प्रभावित होगी।

भाजपा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर साधा निशाना
नितिन नवीन पर किया था कटाक्ष

रेवंत रेड्डी ने कहा कि वी विल क्रश द बीजेपी, ममता भी ऐसा कहती थीः पात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बुधवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्हें अपात्र राजनेता बताया। दरअसल रेड्डी ने तेलंगाना के दौरे पर गए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को लेकर कहा था कि मैं नितिन नवीन को नहीं जानता, वे कौन हैं? इसी को लेकर अब भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने पत्रकारों से बातचीत में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा यह दुर्भाग्य की बात है कि रेवंत रेड्डी को यह तक नहीं पता है कि नितिन नवीन कौन हैं, जबकि वो मौजूदा समय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

साथ ही, उन्होंने रेवंत रेड्डी के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि हम ममता बनर्जी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जनता ने खेला कर दिया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वी विल क्रश द बीजेपी। ममता बनर्जी भी पश्चिम बंगाल में क्रश कर रही थी, लोगों ने उन्हें अच्छे से समझा दिया। रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना की जनता से कई वादे किए थे, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। पैसों के अभाव का हवाला देकर इन वादों को पूरा करने से इनकार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी मौजूदा समय में सीएम पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी के नेता हैं। इसके बावजूद भी अगर उन्हें इस बात के बारे में जानकारी नहीं है कि अगर नितिन नवीन कौन हैं, तो मैं समझता हूं कि वो एक सशक्त नेता नहीं हैं। रेवंत रेड्डी एक राजनीतिक विज्ञान के छात्र भी नहीं हो सकते हैं कि अगर उन्हें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में जानकारी नहीं हो। बहुत मुमकिन है कि उन्हें इस बात के बारे में जानकारी हो कि आखिर नितिन नवीन कौन हैं?

लेकिन, शायद वो मजाक बनाने की कोशिश कर रहे हों। रेवंत रेड्डी को समझना होगा कि मजाक करने की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। आप याद कीजिए कि इससे पहले ममता बनर्जी ने हमारा मजाक बनाने की कोशिश की थी और आज उनकी स्थिति कैसी है। संबित पात्रा ने कहा कि इससे यह साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस पार्टी किस तरह से सिर्फ एक ही परिवार से संबंध रखती है। यह पार्टी सिर्फ उस परिवार के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करती है, बाकी के लोगों को कुछ नहीं मानती है।

पात्रा ने कहा कि रेवंत रेड्डी का बयान मौजूदा समय में इसी स्थिति को दर्शाता है। रेवंत रेड्डी के भाषण का पूरा अंश मेरे पास मौजूद है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हाल ही में एक व्यक्ति हमारे बीच में आए थे, जिनका नाम शायद नितिन नवीन है, मुझे इस बारे में पुख्ता जानकारी नहीं है। क्या उनका नाम नितिन नवीन है? साथ ही, उन्होंने रेवंत रेड्डी के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं 2028 के विधासनभा चुनाव में भाजपा को कुचल दूंगा। इस पर संबित पात्रा ने कहा कि हिंदुस्तान अहंकार नहीं सहता है। रेवंत रेड्डी को समझना होगा कि नितिन नवीन पांच बार के विधायक रहे हैं। उन्हें धरातल की अच्छी समझ है। भाजपा में दरी और पोस्टर लगाने वाले व्यक्ति भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर जा सकते हैं। आपकी तरह हमारे यहां पर राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधानमंत्री अवतरित नहीं होते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों को आगे चलकर मौका दिया जाता है।

केंद्र ने लागू किया बढ़ी हुई ग्रामीण मजदूरी, कांग्रेस ने कहा, मनरेगा खत्म कर छीना रोजगार का अधिकार

जी राम जी योजना बुधवार से देश भर में हुई क्रियान्वित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार से विकसित भारत ग्रामीण रोजगार गारंटी (जी राम जी) अधिनियम, 2025 के तहत संशोधित मजदूरी दरें लागू कर दी हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मजदूरी दरों में वृद्धि की गई है। सरकार ने पहली बार 300 रुपये प्रतिदिन की न्यूनतम आधार मजदूरी निर्धारित की है, जिससे योजना के तहत किसी भी राज्य में मजदूरी इससे कम नहीं रहेगी। केंद्र के अनुसार, राष्ट्रीय औसत मजदूरी मनरेगा के तहत 298.80 रुपये प्रतिदिन से बढ़कर अब 327.40 रुपये प्रतिदिन हो गई है, जो 10 प्रतिशत से अधिक की औसत वृद्धि है। जिन 21 राज्यों और प्रशासनिक इकाइयों में पहले मजदूरी 300 रुपये से कम थी, उन्हें अब इस नए न्यूनतम स्तर तक बढ़ा दिया गया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में मजदूरी में 15 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड में लगभग 24.5 प्रतिशत की सर्वाधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं हरियाणा में मजदूरी 409 रुपये, गोवा में 406 रुपये, केरल में 401 रुपये तथा सिक्किम के उच्च पर्वतीय ग्राम पंचायत क्षेत्रों में 450 रुपये प्रतिदिन निर्धारित की गई है।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने इसे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और लाखों श्रमिकों को अधिक आय का लाभ मिलेगा। हालांकि, नई योजना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जी राम जी के माध्यम से सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की मूल भावना को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित कानूनी अधिकार था, जिसके तहत कोई भी ग्रामीण परिवार रोजगार की मांग कर सकता था और सरकार कानूनी रूप से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बाध्य थी। लेकिन नई व्यवस्था में रोजगार अब पूर्व निर्धारित बजटीय आवंटन और केंद्र द्वारा स्वीकृत श्रम बजट पर निर्भर होगा, जिससे यह अधिकार आधारित योजना के बजाय आवंटन आधारित कार्यक्रम बन गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नई योजना में केंद्र और राज्यों के बीच खर्च का अनुपात 60:40 कर दिया गया है, जिससे राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। पार्टी का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों के लिए रोजगार उपलब्ध कराना मुश्किल होगा और 125 दिनों के रोजगार का वादा भी मौजूदा बजटीय प्रावधानों के अनुरूप व्यावहारिक नहीं है। कांग्रेस ने कृषि सीजन के दौरान 60 दिनों तक सार्वजनिक रोजगार कार्यों पर रोक के प्रस्ताव का भी विरोध किया। पार्टी का कहना है कि इससे ग्रामीण मजदूरों की सौदेबाजी की क्षमता कमजोर होगी और उन्हें निजी क्षेत्र में कम मजदूरी पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इसके अलावा कांग्रेस ने ग्रामीण मजदूरों की दैनिक मजदूरी कम से कम 500 रुपये करने, उसे महंगाई सूचकांक से जोड़ने, ग्राम सभाओं और ग्राम पंचायतों की भूमिका बहाल रखने तथा जॉब कार्ड हटाने जैसी प्रशासनिक बाधाओं को समाप्त करने की मांग की है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से नए कानून की वर्तमान व्यवस्था वापस लेकर मनरेगा की मांग आधारित प्रणाली बहाल करने की मांग की है। वहीं केंद्र सरकार का कहना है कि नई योजना के तहत मजदूरी में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है और इसका उद्देश्य ग्रामीण रोजगार को अधिक प्रभावी तथा विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप बनाना है।

जनसंख्या में बदलाव पर केंद्र गंभीर

अमित शाह ने उच्चस्तरीय समिति से जल्द मांगी रिपोर्ट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश में अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों के अध्ययन के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपनी कार्ययोजना को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को समिति के साथ समीक्षा बैठक में उसे अपनी सिफारिशें जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान समिति ने गृह मंत्री को बताया कि वह देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा कर जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से जुड़ी वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष अध्ययन करेगी। इस दौरान समिति राज्य सरकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे जनसंख्या संबंधी बदलावों के कारणों और उनके प्रभावों का समग्र आकलन किया जा सके। समिति ने यह भी बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पहले ही विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए एक व्यापक प्रश्नावली तैयार की गई है। इसके माध्यम से संबंधित सरकारों से आवश्यक आंकड़े और सूचनाएं पहले ही जुटा ली जाएंगी, जिससे समिति के क्षेत्रीय दौरे अधिक प्रभावी, तथ्यपरक बन सकें। इसके अलावा समिति विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के साथ भी विचार-विमर्श करेगी। इन मंत्रालयों से प्राप्त सुझावों और आंकड़ों के आधार पर जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी प्रभावों का व्यापक अध्ययन किया जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह सचिव को निर्देश दिया कि समिति के दैनिक कार्यों, बैठकों तथा राज्यों के दौरों के दौरान हर संभव प्रशासनिक और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि वह समयबद्ध ढंग से अपना कार्य पूरा कर सके।

स्वतंत्रता दिवस पर हुई थी मिशन की घोषणा

प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उच्चस्तरीय जनसांख्यिकीय मिशन की घोषणा की थी। इसके बाद केंद्र ने उच्चस्तरीय समिति का गठन किया, जिसका उद्देश्य अवैध प्रवासन तथा अन्य असामान्य कारणों से उत्पन्न जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का अध्ययन करना, कारणों का विश्लेषण तथा उनसे निपटने के लिए उपयुक्त नीतिगत, विधायी और प्रशासनिक उपायों की सिफारिश करना है। समिति की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश नौलेकर कर रहे हैं। केंद्र भविष्य में बदलावों से जुड़े मुद्दों पर नीतिगत, कानूनी कदम उठा सकती है।

क्रिस की डेवलप की हुई एआई और नई आरक्षण प्रणाली से रेलवे सिस्टम में आमूलचूल परिवर्तन की तैयारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली पब्लिक सेक्टर यूनिट, क्रिस ने अपना 41वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर संस्था ने भारतीय रेलवे के डिजिटल परिवर्तन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आने वाले वर्षों की तकनीकी योजनाओं की जानकारी दी। नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में समारोह में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे के उच्चाधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविद तथा संस्था के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। 4 दशकों में संस्था ने रेलवे के लिए यात्री आरक्षण व्यवस्था, मालगाड़ी संचालन , सामान्य टिकट व्यवस्था, राष्ट्रीय रेल पूछताछ व्यवस्था, नियंत्रण कार्यालय व्यवस्था तथा रेलवे की ई-निविदा प्रणाली सहित अनेक महत्वपूर्ण तकनीकी व्यवस्थाएं विकसित की हैं। इनसे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथसंचालन में पारदर्शिता, गति और दक्षता आई है।

हरियाणा कांग्रेस के नव-नियुक्त प्रभारी संजय दत्त ने भूपेंद्र हुड्डा से की मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

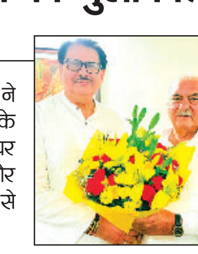

हरियाणा कांग्रेस के नव-नियुक्त प्रभारी संजय दत्त ने बुधवार को नई दिल्ली में भूपेंद्र सिंह हुड्डा से उनके निवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर हुड्डा ने दत्त को नई जिम्मेदारी मिलने की बधाई और शुभकामनाएं दीं। हुड्डा ने कहा कि दत्त के अनुभव से हरियाणा कांग्रेस को एक नयी ऊर्जा मिलेगी।

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

File No: NR-DLIOMCNW(WKPR)/5/2026 E.No. 365861 दिनांक : 30.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (समन्वय), उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, अनुभवी और सक्षम निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित कार्य के लिए 'एकल पैकेट प्रणाली' (Single Packet System) पर मुहरबंद ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	ई–टेंडर नंबर	NRDLIOMCNWWKPR52026
2	कार्य का नाम	दिल्ली डिवीजन के अलग–अलग C&W डिपो (DLI, ANVT, DEE और NZM) में डिपार्टमेंटल मशीनीकृत लॉन्ड्री और लिनन स्टोर पर आग से सुरक्षा के इंतजाम करना।
3	कार्यस्थल	दिल्ली डिवीजन
4	कार्य अवधि	छह महीने
5	विज्ञापित राशि	रु. 83,50,779.00 / – (जी.एस.टी. सहित)
6	बयाना राशि	रु. 1,67,000.00 / –
7	निविदा प्रपत्र मूल्य	शून्य
8	ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय	दिनांक 30.06.2026, 16:59 बजे से 22.07.2026 11:00 बजे तक
9	ई–निविदा बॉक्स बंद होने की तिथि और समय	दिनांक 22.07.2026 को 11:00 बजे
10	ई–निविदा खुलने की दिनांक एवं समय	दिनांक 22.07.2026 को 11:00 बजे, यदि खोलने की तारीख अवकाश होता है तो ई-निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी।
11	ई–निविदा खोलने का स्थान	मेकेनिकल विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली – 110055

नोटः निविदा का पूरा विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में पाया जा सकता है। 2252/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

घूसखोरी में आईपीएस दीपक गहलावत सीबीआई के हत्थे चढ़े, गिरफ्तार किया

गहलावत केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर बीसीएएस, नई दिल्ली में तैनात हैं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक बहुचर्चित मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 2012 बैच के हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को गिरफ्तार किया है। गहलावत वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), नई दिल्ली में तैनात हैं। सीबीआई के अनुसार, जांच में सामने आया कि आईपीएस अधिकारी ने दावा किया था कि वह अपने व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े सीबीआई के मामलों में कुछ निजी व्यक्तियों को राहत दिला सकते हैं। इसके बदले उन्होंने कथित रूप से अवैध रिश्वत की मांग की थी।

8 जून को दर्ज हुआ था मामला

सीबीआई ने इस मामले में 8 जून 2026 को दिल्ली पुलिस के निरीक्षक प्रदीप सिंह तथा दो निजी व्यक्तियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान रिश्वतखोरी के पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ और इसमें आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत की कथित भूमिका भी सामने आई।

पहले ही हो चुकी हैं 7 गिरफ्तारियां

इस मामले में सीबीआई इससे पहले दिल्ली पुलिस के निरीक्षक प्रदीप सिंह सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। कार्रवाई के दौरान सीबीआई ने लगभग 25 लाख रुपए की ट्रैप राशि बरामद की थी। इसके अलावा जांच के दौरान 90 लाख रुपये नकद और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए गए थे, जिनसे मामले में भ्रष्टाचार के गंभीर संकेत मिले।

कई ठिकानों पर छापे, डिजिटल साक्ष्य जब्त

आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने उनसे जुड़े विभिन्न परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कई डिजिटल उपकरण, हार्ड डिस्क, मोबाइल उपकरण, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। एजेंसी अब इन इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच कर रही है ताकि पूरे नेटवर्क और कथित लेन-देन की विस्तृत जानकारी सामने लाई जा सके।

नकली दवा गिरोह से जुड़ा है मामला

यह पूरा मामला पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े मामलों की जांच के दौरान सामने आया। आरोप है कि कुछ आरोपी सीबीआई की कार्रवाई से राहत दिलाने के नाम पर प्रभाव और पहुंच का इस्तेमाल करने का दावा कर रहे थे तथा इसके एवज में बड़ी रकम की मांग की जा रही थी।

जांच जारी

सीबीआई ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस कथित रिश्वतखोरी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल थे। एजेंसी जब्त दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेन-देन की भी गहन जांच कर रही है।

उज्जैन भूमि विवाद पर जयराम ने किया मप्र में आंदोलन का एलान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर उज्जैन में कथित भूमि घोटाले को लेकर कांग्रेस ने अपना हमला और तेज कर दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि महाकाल की नगरी उज्जैन में हुई कथित जमीन की लूट का जवाब पूरा देश मांग रहा है, लेकिन सत्ता और प्रशासनिक तंत्र मुख्यमंत्री को बचाने में जुटा हुआ है। रमेश ने कहा कि भाजपा और आरएसएस से जुड़े नेताओं ने उज्जैन से लेकर अयोध्या तक भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। इस कथित 'महालूट' पर प्रधानमंत्री की चुप्पी कई सवाल खड़ी करती है।

रमेश ने घोषणा की कि मध्यप्रदेश कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर राज्यभर में सड़कों पर उतरेगी और व्यापक जनआंदोलन चलाएगी। पार्टी भ्रष्टाचार के आरोपों और उनसे जुड़े लोगों को जनता के सामने बेनकाब करने तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। यह विवाद उन मीडिया रिपोर्टों और कांग्रेस के आरोपों के बाद और गहरा गया है, जिनमें दावा किया गया है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार तथा उनसे जुड़ी कंपनियों द्वारा उज्जैन मास्टर प्लान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भूमि खरीद की गई।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / मालभाड़ा सेवाएँ, दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे, के द्वारा रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022 / टीसी (एफएम) / 10 / 04 दिनांक 13.06.2022 के अनुसार, दिल्ली मंडल, हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर, भोगल साइड कि तरफ, प्लेटफार्म संख्या 1 ओखला एन्ड के निकट, जिसका क्षेत्रफल 930.74 वर्ग मीटर है (अपलोड किये गए साईट मैप के अनुसार), पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए वाहनों की पार्किंग, सह प्रबंधन (अतिरिक्त विशेष शर्तों में उल्लेखित विभिन्न प्रकार और श्रेणी के वाहनों के अनुसार) और पार्सल स्टैकिंग के प्रबंधन और संचालन हेतु, आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल में ई–नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलिया आमंत्रित करता है। जिसका विवरण इस प्रकार है।

क्र सं.	ई–नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	संसाधन जिनकी नीलामी की जानी है:
1	14.07.26 को प्रातः 11:00 बजे	दिल्ली मंडल, हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर, भोगल साइड कि तरफ, प्लेटफार्म संख्या 1 ओखला एन्ड के निकट, जिसका क्षेत्रफल 930.74 वर्ग मीटर है (अपलोड किये गए साईट मैप के अनुसार), पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए वाहनों की पार्किंग, सह प्रबंधन (अतिरिक्त विशेष शर्तों में उल्लेखित विभिन्न प्रकार और श्रेणी के वाहनों के अनुसार) और पार्सल स्टैकिंग के प्रबंधन और संचालन हेतु आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल में ई–नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियाँ आमंत्रित करता है।

महत्वपूर्ण सूचनाः 1 ई–नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को https:/www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning_centre.html. (e-Auction leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है। **2 धरोहर राशि जमा (ईएमडी):** नीलामी के दौरान कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10% ऑनलाइन जमा किया जाना है। सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। **3** रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन अनुबंधों को शीघ्र समाप्त करने और/या स्थितियों के आधार पर संशोधित/अतिरिक्त नियमों और शर्तों के साथ इन अनुबंधों को बंद करने/जारी रखने के संबंध में कोई भी निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2245/26

नए कारोबारी ऑर्डर नरम रहने से उत्पादन पर असर पड़ा

देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जून में धीमी पड़ी : पीएमआई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों की वृद्धि जून में धीमी पड़ गई। नए कारोबारी ऑर्डर और अंतरराष्ट्रीय बिक्री की वृद्धि दर नरम रहने से खरीद, रोजगार और उत्पादन की रफ्तार भी कम रही।

बुधवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई के 55.0 से घटकर जून में 54.2 पर आ गया। यह 2022 के मध्य के बाद से क्षेत्र की स्थिति में दूसरा सबसे कमजोर सुधार दर्शाता है।

बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का कंपनियों ने उल्लेख किया

सर्वेक्षण के अनुसार, कई कंपनियों ने मांग की स्थिति में सुधार की बात कही, जबकि कुछ कंपनियों ने अपने उत्पादों की मांग कमजोर रहने और बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का उल्लेख किया। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत की विनिर्माण पीएमआई मई के 55.0 से घटकर जून में 54.2 पर आ गया, जो विस्तार तो दर्शाता है लेकिन धीमी रफ्तार से। यह संकेत देता है कि पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी पहले की तेजी के बाद मांग में कुछ नरमी आई है।''

यूरोपीय बाजारों में कमजोर बिक्री बताई गई

भंडारी ने कहा, '' उत्पादन, नए ऑर्डर, निर्यात ऑर्डर और रोजगार सभी क्षेत्रों में वृद्धि की रफ्तार धीमी रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मार्च, 2023 के बाद सबसे कमजोर बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारतीय वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय मांग जून में भी बढ़ी, लेकिन इसकी रफ्तार 39 महीनों में सबसे कमजोर रही। इसकी वजह कुछ यूरोपीय बाजारों में कमजोर बिक्री बताई गई।

कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोक दी

कीमतों के मोर्चे पर, मांग की वृद्धि कमजोर पड़ने से वस्तु उत्पादक कीमतें बढ़ाने के प्रति कम उत्सुक दिखे। उत्पादन कीमतों में बढ़ोतरी मध्यम रही और पिछले तीन महीनों में सबसे कम दर्ज की गई। रोजगार के मोर्चे पर, कार्यभार स्थिर रहने और मांग का दबाव नहीं होने से कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोक दीं या उन्हें कम कर दिया।

- अंतरराष्ट्रीय बिक्री की वृद्धि दर नरम रहने का असर पड़ा
- रोजगार और उत्पादन की रफ्तार भी कम रही
- जून में सूचकांक घटकर 54.2 पर आ गया

विनिर्माताओं ने तटस्थ रुख अपनाया

बड़ी संख्या में विनिर्माताओं ने तटस्थ रुख अपनाया, जिससे समग्र कारोबारी आशावाद पांच महीने के निचले स्तर पर आ गया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

भर्ती गतिविधियां समित रही : क्षमता पर दबाव नहीं होने से वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में भर्ती गतिविधियां सीमित रहीं। इस बीच, मांग और बाजार की स्थिति को लेकर चिंता के कारण जून में निवेशकों और कारोबारियों का भरोसा कमजोर पड़ा।

उत्तर रेलवे के केंद्रीय अस्पताल ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल नई दिल्ली से संबद्ध इंडियन रेलवे पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च के सर्जरी विभाग ने हाल ही में 126वें एफएमएएस एएमएएसआई स्किल कोर्स की सफल मेजबानी करके इतिहास रच दिया है। यह ऐतिहासिक आयोजन रेलवे चिकित्सा सेवाओं के इतिहास में पहली बार है, जब इस संस्थान द्वारा मिनिमल एक्सेस सर्जरी (दूरबीन विधि द्वारा सर्जरी) में इस प्रमुख, राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस प्रतिष्ठित शैक्षणिक आयोजन ने उन्नत सर्जिकल कौशल विकास के लिए एक असाधारण मंच प्रदान किया, जिसमें पूरे भारत से 277 प्रतिनिधियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, देश के कुछ सबसे अनुभवी और प्रसिद्ध लेप्रोस्कोपिक सर्जनों और स्त्री रोग विशेषज्ञों सहित 80 प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। उद्घाटन समारोह में डॉ. प्रो. रुशमा टंडन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सम्मेलन की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो आधुनिक सर्जिकल शिक्षा में ज्ञान, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रयास का प्रतीक है। इस गहन पाठ्यक्रम के दौरान, प्रतिनिधियों को एक व्यापक पाठ्यक्रम का लाभ मिला, जिसमें शामिल थे, लाइव सर्जिकल प्रदर्शनः उन्नत लेप्रोस्कोपिक तकनीकों का प्रदर्शन करने वाले रीयल टाइम प्रसारण।

इंडियनऑयल उत्तरी क्षेत्र और दिल्ली राज्य कार्यालय ने स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। इंडियनऑयल उत्तरी क्षेत्र और दिल्ली राज्य कार्यालय ने स्वच्छता पखवाड़ा (1–15 जुलाई 2026) का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता को बढ़ावा देना है। इस अभियान का उद्घाटन श्री शैलेश कुमार, सहायक निदेशक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, और श्री हेमंत राठौर, कार्यकारी निदेशक, उत्तरी क्षेत्र एवं राज्य प्रमुख, डीएसओ द्वारा स्वच्छता शपथ के माध्यम से किया गया। ग्रीन पार्क, नई दिल्ली से एक "स्वच्छता रथ" को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसका उद्देश्य जनजागरूकता फैलाना है—स्वच्छता, स्वच्छ आदतें और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग में कमी के लिए जनसंपर्क और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से। कार्यक्रम के दौरान गणमान्य व्यक्तियों ने पौधारोपण किया और पौधों का वितरण भी किया, जिससे स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व पर बल दिया गया। श्री राठौर ने कर्मचारियों से "स्वच्छ भारत" के विज़न को सक्रिय रूप से समर्थन देने का आह्वान किया।

पूर्वोत्तर रेलवे
Email-dycmmgkpd@gmail.com
Website: www.ner.indianrailways.gov.in & www.tendrs.gov.in
निविदा सूचना सं. 03
दिनांक 30.06.2026
ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाईट **www.ner.indianrailways.gov.in & www.tendrs.gov.in** पर देखा जा सकता है। **क्र.सं. 1: निविदा संख्या एवं खुलने की तिथि:** 10267220 Dt. 24.07.2026; **मद का संक्षिप्त विवरण:** आर एच टाइप टाईट लॉक सीबीसी कप्लर विथ ट्रांजीशन स्क्रू कपलिंग विथ बैलेंस्ड ड्राफ्ट गियर एज पर आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नंबर आरडीएसओ/2009/सीजी–22 रिवि.–01; **मात्रा:** 30 Set; **अर्नेस्ट मनी (₹):** 1,60,580/-; 1. उपरोक्त निविदा आईआरईपीएस के साइट **http//www.ireps/gov.in** पर स्थित है। जो प्रतिष्ठान इलेक्ट्रॉनिकली पंजीकृत हैं वे ई–टेण्डर में सम्मिलित हो सकते हैं। जो प्रतिष्ठान क्लास 3 डिजिटल सर्टिफिकेट नहीं प्राप्त किये हैं वे अधिकृत एजेन्सी जो भारत सरकार के द्वारा अधिकार पत्र आईटी अधिनियम 2000 से अधिकृत हैं उनसे प्राप्त कर सकते हैं। मैन्युअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। **2.** आपूर्तिकर्तागण को यह सूचित किया जाता है कि उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर विज्ञापित निविदाएं एवं सभी बलेटिन निविदाएं केवल ईपीएस (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) द्वारा खोली जा रही हैं, जो भी प्रतिष्ठान उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर की निविदाओं के प्रति इच्छुक हों एवं भाग लेना चाहते हों उन्हें आवश्यक डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा एवं अपने प्रतिष्ठान को CRIS/New Delhi में पंजीकृत कराना होगा। इस सम्बन्ध में आवश्यक विस्तृत विवरण वेबसाइट **http//www.ireps.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है। **3.** निविदा सूचना के अंग्रेजी एवं हिन्दी प्रकाशन में भिन्नता होने की स्थिति में अंग्रेजी प्रकाशन मान्य होगा। **4.** एलोकेशन शीर्ष निविदा प्रपत्र, जमानती धनराशि का 00844517 तथा बयाना धनराशि का 00084506 है। उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर द्वारा प्रकाशित ई–निविदाओं का टेण्डर कॉस्ट तथा ईएमडी का भुगतान ऑनलाइन IREPS Portal पर ही मान्य होगा जो दिनाक 01.09.2016 से या उनके बाद प्रकाशित निविदाओं पर प्रभावी होगा। यह Global tender पर प्रमावी नहीं होगा।
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/डिपो
मुजाधि/एस–31 **गोरखपुर**
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

खबर संक्षेप

रुपया 67 पैसे कमजोर होकर 95.23 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को 67 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.23 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी के कारण डॉलर-रुपये की विनिमय दर पर दबाव देखा गया।

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

प्रतिभूति धोखाधड़ी मामले में 221 इकाइयों पर सेबी का प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- कंपनियों को सात साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित किया

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 'पंप-एंड-डंप ऑपरेशन' यानी प्रतिभूति धोखाधड़ी मामले में 221 इकाइयों पर सात साल तक के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही व्यक्तिगत निवेशक हनीफ शेख पर 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सेबी ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'पंप-एंड-डंप ऑपरेशन' प्रतिभूति धोखाधड़ी का एक रूप है। धोखाधड़ी करने वाले पहले किसी छोटी या कम कारोबार वाली कंपनी के शेयर खरीदते हैं, सोशल मीडिया या थोक संदेशों के माध्यम से झूठी अफवाहें फैलाकर शेयर की कीमत को कृत्रिम रूप से बढ़ाते (पंप) हैं और फिर शेयरों को उच्च कीमतों पर बेच देते (डंप) हैं। इससे खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान होता है। सेबी ने मंगलवार को जारी आदेश में कहा कि मॉरिया उद्योग लिमिटेड, 7एनआर रिटेल, दार्जिलिंग रोपवे कंपनी, जीबीएल इंडस्ट्रीज और विशाल फैब्रिक्स लिमिटेड के शेयरों में शेख और उसकी सहयोगी कंपनियों ने हेरफेर किया है। शेख इस मामले का कथित मुख्य साजिशकर्ता है। यह मामला 2017 से 2020 के बीच पांच शेयरों में बड़े पैमाने पर 'पंप-एंड-डंप' से जुड़ा है। सेबी ने 394 पृष्ठों के अंतिम आदेश में कहा कि हनीफ शेख ने एक सुनियोजित धोखाधड़ी साजिश रची, जिसमें 200 से अधिक आपस में जुड़े हुए संस्थान शामिल थे।

घोटाले से करीब 143.79 करोड़ का अवैध लाभ अर्जित किया गया

नियामक के अनुसार, इस घोटाले से करीब 143.79 करोड़ रुपये का अवैध लाभ अर्जित किया गया। सेबी ने हनीफ शेख को सात वर्षों के लिए बाजार से प्रतिबंधित किया और 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। वहीं, उनसे जुड़ी पांच इकाइयों को छह वर्षों के लिए प्रतिबंध करते हुए उन पर दो-दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सोना 1,300 रुपये टूटा चांदी 5,000 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में 1,300 रुपये की गिरावट आई और यह 1.44 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसकी वजह वैश्विक बाजार के कमजोर रुख और मजबूत डॉलर का इस कीमती धातु पर असर पड़ना था। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई और यह 1,300 रुपये गिरकर 1,44,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया।चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और यह 5,000 रुपये बढ़कर 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक, गौरव गर्ग ने कहा, ''बुधवार को घरेलू बाजार में सोने की कीमतें डॉलर के मजबूत होने और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने के कारण दबाव में रहीं, जिससे इस कीमती धातु की मांग प्रभावित हुई।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 21.75 डॉलर या 0.54 प्रतिशत घटकर 3,986.07 डॉलर प्रति औंस रह गया और चांदी एक प्रतिशत घटकर 58 डॉलर प्रति औंस रह गई। मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख, प्रवीण सिंह ने कहा, ''विदेशी बाजार में हाजिर सोना लगातार तीसरे दिन गिरा और इसने 3,980 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार किया।

मारुति की बिक्री जून में 19 फीसदी बढ़कर 2 लाख से ऊपर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की कुल बिक्री जून में 19.3 प्रतिशत बढ़कर 2,00,390 इकाई रही, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 1,67,993 इकाई थी। कंपनी ने बताया कि पिछले महीने घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 23.8 प्रतिशत बढ़कर 1,47,187 इकाई रही, जो जून 2025 में 1,18,906 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो समेत छोटी कारों की बिक्री जून में बढ़कर 11,416 इकाई रही, जबकि एक वर्ष पहले समान महीने में यह 6,414 इकाई थी। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री जून 2025 के 55,205 इकाई से बढ़कर पिछले महीने 63,815 इकाई हो गई। ब्रेजा, अर्टिगा, ई-विटारा, फ्रॉन्क्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी, विक्टोरिस और एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री समीक्षाधीन महीने में सालाना आधार पर 47,947 इकाई से बढ़कर 61,726 इकाई हो गई।

बेदखली सूचना
मैं, रणधीर सिंह, पुत्र बालू राम, निवासी मकान नं. 35, सिंघू, दिल्ली-110040, आम जनता को सूचित करता हूँ कि मैं अपने पुत्र सतबीर सिंह के अनुचित चाल-चलन एवं अभद्र व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ तथा उससे अपने सभी पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त करता हूँ। यदि इनसे कोई भी व्यक्ति भविष्य में किसी प्रकार का लेन-देन व सम्बन्ध रखता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **तालिब, पुत्रः सादिक, पताः गली नं. 4, खड्डे वाली मस्जिद के पास, गौतम विहार, उस्मानपुर, दिल्ली** ने **E-FIR No. 00078/21, U/s 356/379/411 IPC, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **तालिब** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **तालिब** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 00078/21, U/s 356/379/411 IPC, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अभियुक्त **तालिब** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.08.2026** या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार – सुश्री किरणदीप कौर
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01
उत्तर–पूर्व जिला, कमरा नं. 05
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/8545/NE/2026

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!
महत्वपूर्ण जानकारी
ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की परिचालन अवधि में विस्तार
सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की परिचालन अवधि को निम्नानुसार बढ़ाने का निर्णय लिया गया है :–

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन		आवृति/चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि तक	विस्तारित अवधि		फेरे
	से	तक			से	तक	
07621	हज़ूर साहिब नांदेड़	हज़रत निज़ामुद्दीन	साप्ताहिक (शनिवार)	27.06.2026	**04.07.2026**	**25.07.2026**	04
07622	हज़रत निज़ामुद्दीन	हज़ूर साहिब नांदेड़	साप्ताहिक (रविवार)	28.06.2026	**05.07.2026**	**26.07.2026**	04
09609	उदयपुर सिटी	योग नगरी ऋषिकेश	साप्ताहिक (मंगलवार)	30.06.2026	**07.07.2026**	**28.07.2026**	04
09610	योग नगरी ऋषिकेश	उदयपुर सिटी	साप्ताहिक (बुधवार)	01.07.2026	**08.07.2026**	**29.07.2026**	04

अन्य सभी विवरण पूर्ववत रहेंगे।
उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों की समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखे।
पर हमें फॉलो करें
2242/2026
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष – संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद–विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष – खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन–पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद–विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म–कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह – कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या – कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला – लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन–सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक – संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर – आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ – क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन–पाठन में रुचि रहेगी।

मीन – किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शेयर बाजार में दो दिन की गिरावट का सिलसिला थमा

- सेंसेक्स 444 और निफ्टी 140 अंक चढ़ा
- कच्चे तेल की कीमतों में नरमी दर्ज की गई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच लगातार दो सत्र की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 443.97 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,922.64 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 631.41 अंक यानी 0.82 प्रतिशत चढ़कर 77,110.08 अंक तक पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 140.10 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,005.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटर्नल, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर में सबसे अधिक तेजी रही। वहीं एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा स्टील और इन्फोसिस के शेयर गिरावट में रहे। बजाज ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार, ''भारतीय शेयर बाजारों ने सकारात्मक रुख के साथ शुरुआत की और कारोबार के दौरान बढ़त बनाए रखी। वैश्विक बाजारों में बेहतर माहौल, वैश्विक तनाव में कमी और कच्चे तेल की स्थिर कीमतों ने बाजार को समर्थन दिया।'' एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 और चीन का एसएसई कम्पोजिट बढ़त में, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ। हांगकांग के बाजार में आज अवकाश था। यूरोप के अधिकतर बाजार दोपहर के कारोबार में गिरावट में थे।

शब्द पहेली - 6274

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -6273 का हल

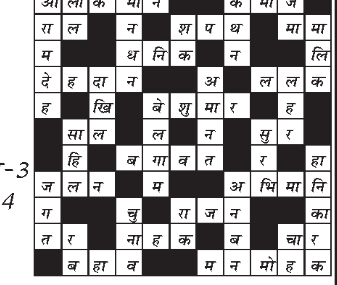

मैक्सिको ने 40 साल बाद जीता नॉकआउट मुकाबला

इक्वाडोर को 2-0 से पीटा, एज्टेका में अजेय रथ जारी

एजेंसी ▶▶| मैक्सिको सिटी

जूलियन क्विनोन्स और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में 9 मिनट के अंतराल में गोल किए, जिससे मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई और नॉकआउट चरण में जीत हासिल करने के 40 साल के सूखे को खत्म किया।

क्विनोनेस ने 22वें मिनट में मैक्सिको के लिए पहला गोल किया जबकि जिमेनेज ने 31वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। प्रतिष्ठित एज़्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम ने 10 विश्व कप मैचों में अजेय रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इस मैदान पर मैक्सिको को केवल दो हार का सामना करना पड़ा है।

अंतिम 16 में लगातार सात बार हारा मैक्सिको

मैक्सिको की टीम ने 1986 में टूर्नामेंट की मेजबानी करते हुए राउंड ऑफ 16 में बुल्गारिया को हराने के बाद से नॉकआउट चरण का कोई मैच नहीं जीता था। इसके बाद मैक्सिको को 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 के विश्व कप में अंतिम 16 में लगातार सात बार हार का सामना करना पड़ा। वह कतर में 2022 में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था। मैक्सिको रविवार को अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड और कांगो के बीच बुधवार को होने वाले मैच के विजेता का सामना करेगा।

नॉकआउट के नए 'किंग' एमबाप्पे, रचा कीर्तिमान

स्टार फुटबॉलर काइलियन एमबाप्पे ने फ्रांस की स्वीडन के खिलाफ 3-0 से जीत में दो गोल करके विश्व कप के नॉकआउट राउंड में सर्वाधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया, जिससे वह फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर सर्वाधिक गोल करने के लियोनेल मेस्सी के रिकॉर्ड के करीब भी पहुंच गए।

एजेंसी ▶▶| ईस्ट रदरफोर्ड

एमबाप्पे ने 45वें मिनट में एक शानदार क्रॉसओवर शॉट से फ्रांस को बढ़त दिलाई। यह विश्व कप के नॉकआउट राउंड में उनका नौवां गोल था, जो विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो (दोनों आठ-आठ गोल) को पीछे छोड़ा।

वह यहीं पर नहीं रुके और उन्होंने मैच के 74वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके विश्व कप नॉकआउट राउंड में अपने कुल गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी। इस गोल से एमबाप्पे के मौजूदा टूर्नामेंट में अब छह गोल हो गए हैं और उन्होंने सर्वाधिक गोल करने के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट की दौड़ में अर्जेंटीना के फॉरवर्ड मेस्सी की बराबरी कर ली है।

मेस्सी के रिकॉर्ड से बस 1 गोल पीछे एमबाप्पे

विश्व कप करियर में उनके कुल गोल की संख्या 18 हो गई है, जो मेस्सी के रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। एमबाप्पे ने विश्व कप में अब तक कुल 18 जबकि मेस्सी ने 29 मैच खेले हैं। फ्रांस अब अपने अगले मैच में पराग्वे का सामना करेगा। एमबाप्पे से जब मैदान से बाहर आते समय पूछा गया कि क्या वह पराग्वे का सामना करने के लिए पहले से ही उत्साहित हैं, तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, 'मैं चेंजिंग रूम और एसी में जाने के लिए बेताब हूं।' एमबाप्पे ने यह टिप्पणी भीषण गर्मी को लेकर की। यह मैच जब शाम को पांच बजे शुरू हुआ तब तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था और उमस भी काफी थी।

विश्व कप का पूरा आनंद लेना चाहता हूं: एमबाप्पे

एमबाप्पे ने कहा, 'मैंने पहले भी कहा था कि मैं इस विश्व कप का पूरा आनंद लेना चाहता हूं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैंने पिछले विश्व कप का आनंद नहीं लिया, लेकिन तब मैं युवा था। मेरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था लेकिन अब मुझे विश्वास है कि मैं अच्छा प्रदर्शन करने के साथ खेल का आनंद भी ले सकता हूं।'

फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराया

काइलियन एमबाप्पे के दो गोल की मदद से फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में जगह बनाई, जहां उसका सामना पराग्वे से होगा। फ्रांस के लिए ब्रैडली बारकोला ने भी 53वें मिनट में एक गोल किया। एमबाप्पे ने 74वें मिनट में टीम की तरफ से तीसरा गोल दागकर उसकी जीत सुनिश्चित कर दी। चार साल पहले विश्व कप में उपविजेता रही और इस बार टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार फ्रांस ने अब तक टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं और उसके खिलाफ केवल दो गोल हुए हैं। उसकी तरफ से माइकल ओलिस ने पांच गोल में मदद की है। फ्रांस ने मैच में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और स्वीडन को किसी भी समय वापसी का खास मौका नहीं दिया। फ्रांस ने इस मैच में 25 बार गोल करने के मौके बनाए जबकि स्वीडन केवल सात बार भी ऐसा कर पाया। पहले हाफ में यह आंकड़ा 15-3 का था।

लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने की कवायद में लगा फ्रांस 4 जुलाई को फिलाडेल्फिया में पराग्वे के खिलाफ खेलेगा, जिसे जर्मनी को बाहर का

हिनकैपी को मुंह ढकना पड़ा भारी, मिला रेड कार्ड

एजेंसी ▶▶| मैक्सिको सिटी

इक्वाडोर के पिएरो हिनकैपी विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के नए नियम के तहत विश्व कप में लाल कार्ड पाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस नियम में प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी के साथ बहस के दौरान मुंह ढकने पर खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाकर बाहर करने का प्रावधान है। मैक्सिको की राउंड ऑफ 32 में इक्वाडोर पर 2-0 से जीत के दौरान हिनकैपी को दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में बाहर भेज दिया गया था। उन्हें मैक्सिको के फॉरवर्ड सैंटी गिमेनेज के साथ झड़प के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया था।

इक्वाडोर टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है लेकिन हिनकैपी उसके अगले अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाएंगे। फीफा ने यह नया नियम इसलिए बनाया है ताकि खिलाड़ी अपने मुंह को ढककर विरोधी टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों को छुपा न सकें। पराग्वे के मिगुएल अल्मिरोन इस नए नियम के तहत दंडित होने वाले पहले खिलाड़ी थे। उन्हें पिछले सप्ताह तुर्की के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में मैदान से बाहर भेज दिया गया था।

राउंड आफ 32 के मैच में एक फैन अपनी टीम की जीत के बाद खुशी का इजहार करती हुई।

खबर संक्षेप

अंडर-19 : श्रीलंका के खिलाफ 3 वनडे खेलेंगी भारतीय टीम

कोलंबो। विमथ दिनसारा भारत के खिलाफ होने वाली अंडर-19 श्रृंखला में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे जबकि कवीजा गमागे को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। भारत इस दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला और 2 मैचों की चार दिवसीय श्रृंखला खेलेगा। एक दिवसीय मैच 4, 6 और 9 जुलाई को हंबनटोटा में खेले जाएंगे। पहला चार दिवसीय मैच 13 जुलाई से गॉल में और दूसरा मैच 20 जुलाई से कोलंबो में खेला जाएगा।

25 जुलाई से डूरंड कप हिस्सा लेंगी 24 टीमें

कोलकाता। डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में इस साल 24 टीम हिस्सा लेंगी, जिनमें से सात टीम पदार्पण कर रही हैं। प्रतियोगिता के मुकाबले 25 जुलाई से 23 अगस्त तक पांच शहरों में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 25 जुलाई को कोलकाता में होगी। इसके अलावा अगले चार हफ्तों में रांची, इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में भी मैच खेले जाएंगे। फाइनल कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होगा। इस प्रतियोगिता में एक बार फिर इंडियन सुपर लीग क्लब, आई लीग टीमें, सेना की टीमें, उभरती हुई घरेलू टीमें और विदेशी टीमें एक साथ खेलेंगी। सात नई टीम में श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की डिफेंडर्स एफसी और मेघालय प्रीमियर लीग चैंपियन नोंगसेह स्पोर्ट्स, सोशल एंड कल्चरल क्लब (एसएस एवं सीसी) शामिल हैं। कोलकाता एक बार फिर टूर्नामेंट का मुख्य केंद्र होगा। यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन और किशोर भारती क्रीड़ांगन में दो ग्रुप के मैच, उद्घाटन मैच, दो क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा।

विंबलडन

चार साल बाद सेरेना की कोर्ट पर वापसी, दर्शकों का उत्साह चरम पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

लगभग 4 साल में अपना पहला एकल मैच खेलने वाली सेरेना विलियम्स को विंबलडन में वापसी पर भले ही हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने खेल का पूरा आनंद लिया और इस बीच दर्शकों का उत्साह भी चरम पर था।

इस 44 वर्षीय खिलाड़ी ने जैसे ही सेंटर कोर्ट पर कदम रखा तो उत्साह और बढ़ गया। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने विंबलडन के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हारने के बावजूद सराहनीय प्रदर्शन किया। उनकी दोनों बेटियां उनका उत्साह बढ़ा रही थीं। मैच समाप्त होने के बाद सेरेना तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मुस्कुराते हुए मैदान से बाहर चली गईं।

120 मील प्रति घंटे की गति से सर्विस

सेरेना ने मैच के दौरान दिखाया कि वह अब भी 120 मील प्रति घंटे से अधिक की गति से सर्व कर सकती हैं और अपने ग्राउंडस्ट्रोक से अंक हासिल कर सकती हैं। हालांकि उनके लिए मूवमेंट एक समस्या थी। यही वजह थी 87वीं रैंकिंग की खिलाड़ी जॉइंट ने अमेरिकी खिलाड़ी की पहुंच से बाहर शॉट मारकर अधिक अंक जीतने में सफल रही। सेरेना अब महिला युगल मैच में अपना भाग्य आजमाएगी, जहां उन्होंने अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ जोड़ी बनाई है।

विंबलडनः दूसरे दौर में पहुंचे जिज़ू बर्ग्ज, हम्बर्ट को दी मात

लंदन(एजेंसी)। जिज़ू बर्ग्ज ने 48 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार यूगो हम्बर्ट की चुनौती का सामना किया। इस बार यह मुकाबला विंबलडन के ऑल-इंग्लैंड क्लब में पुरुषों के सिंगल्स के पहले राउंड में हुआ, जिसमें उन्होंने ईस्टबोर्न फाइनल में मिली अपनी जीत को दोहराया। बर्ग्ज ने नंबर 27 सीड खिलाड़ी के खिलाफ शानदार शुरुआत की। जब हम्बर्ट ने वापसी की कोशिश की, तो बर्ग्ज डटे रहे और कोर्ट 17 पर 6-2, 7-5, 4-6, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की। बेल्जियम के इस खिलाड़ी ने रविवार को ईस्टबोर्न फाइनल में पहला सेट गंवाने के बाद हम्बर्ट को हराया था।

आईसीसी रैंकिंगः ईशान बने नंबर-1 बल्लेबाज, अभिषेक को पछाड़ा

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने जारी आईसीसी की पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। किशन (876 रैंकिंग अंक) के शीर्ष पर पहुंचने में इसी साल हुए टी20 विश्व कप में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है।

विश्व कप में बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए। उन्हें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। अभिषेक (869) लगभग 12 महीने तक शीर्ष पर रहे। किशन और अभिषेक से पहले भारतीय खिलाड़ियों में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 अंक के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

तिलक छठे स्थान पर काबिज

नवीनतम सूची में भारत के नए उपकप्तान तिलक वर्मा (747) छठे स्थान पर बने हुए हैं जबकि पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव एक स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। गेंदबाजों में भारत के वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह एक-एक स्थान के नुकसान से क्रमशः तीसरे और छठे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान शीर्ष पर बने हुए हैं।

गिल को एक स्थान का फायदा

पुरुषों की टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ट्रेविस हेड शीर्ष पर पहुंच गए हैं जबकि जो रूट तीसरे स्थान पर खिसक गए। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एक स्थान के फायदे से छठे पायदान पर हैं जबकि यशस्वी जायसवाल एक स्थान नीचे खिसककर नौवें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 से बाहर बल्लेबाजों में ऋषभ पंत 13वें स्थान के साथ सबसे अच्छी रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। गेंदबाजों में बुमराह भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं।

श्रीसंत को मिली बड़ी खुशखबरी केसीए ने हटाया 3 साल का बैन

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को हटा लिया। यह प्रतिबंध केसीए के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था। केसीए के बयान के मुताबिक उसकी आम सभा की विशेष बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया, 'बैठक में

सर्वसम्मति से प्रतिबंध हटाने का फैसला किया गया। साथ ही केसीए ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि अगर वह भविष्य में ऐसी हरकतें दोहराते हैं तो उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।'

अंडर-20 एशियन कुश्ती : धीरज और नीरज ने जीते कांस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

थाईलैंड में आयोजित की जा रही अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय पहलवानों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के दौरान देश के दो होनहार युवा खिलाड़ियों ने मैट पर अपने बेहतरीन दांव-पेंच का लोहा मनवाते हुए देश की झोली में दो कांस्य (ब्रॉन्ज) पदक डाले हैं। प्रतियोगिता के ग्रीको रोमन स्टाइल के 77 किलोग्राम भारवर्ग में धीरज मलिक ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पर

धीरज मलिक।

नीरज पटेल।

कब्जा किया। वहीं, दूसरी ओर 55 किलोग्राम भारवर्ग में मध्यप्रदेश के नीरज पटेल ने अपने जबरदस्त तकनीकी कौशल और सूझबूझ का परिचय देते हुए विरोधी को चित किया और देश के लिए दूसरा कांस्य पदक जीता। खिलाड़ियों की इस अंतरराष्ट्रीय सफलता पर खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में धीरज मलिक और नीरज पटेल की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि हमारी जमीनी स्तर की प्रतिभाएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ग्रीको रोमन शैली में पदक जीतना यह दर्शाता है कि हमारे पहलवान अब हर फॉर्मेट में खुद को मजबूत कर रहे हैं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिपः तन्वी पत्री की पुरवांतो पर आसान जीत

संतोष ने किया उलटफेर, छठे वरीय प्रेमपुंगपोंग को हराया

एजेंसी ▶▶| यात्सुशिरो

ध्यान संतोष ने थाईलैंड के छठी वरीयता प्राप्त पुन्नातात प्रेमपुंगपोंग को हराकर उलटफेर करते हुए बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के पहले दौर में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की। संतोष ने लड़कों के एकल वर्ग के पहले दौर में प्रेमपुंगपोंग को 21-17, 21-18 से हराया।

रूपारेलिया ने रांडिलिगामा को दिखाया बाहर का रास्ता

तन्वी पत्री ने लड़कियों के एकल वर्ग के शुरुआती दौर में इंडोनेशिया की क्रिस्टाबेल पुरवांतो के खिलाफ 21-18, 21-6 की आसान जीत दर्ज की जबकि पांचवीं वरीयता प्राप्त रूपारेलिया ने श्रीलंका की पमुदु रांडिलिगामा को 21-13, 16-21, 21-7 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आदर्शिनी श्री ने मलेशिया की ली के शिन को 21-12, 21-12 से हराया लेकिन अभिनव गर्ग को मलेशिया के लुकास ली के खिलाफ 13-21, 22-24 से हार का सामना करना पड़ा।

तन्वी पत्री

कनाडा ओपन : अच्युतादित्य अर्जुन की जोड़ी बाहर

मार्खम। अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और पोचना अर्जुन की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी सीधे गेम में हारकर कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में ही बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 प्रतियोगिता के पहले दौर में कनाडा के केविन ली और टाइ अलेक्जेंडर लिंडेमैन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से केवल 23 मिनट में 9-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की निगाहें पुरुष एकल स्पर्धा में चौथी वरीयता प्राप्त किदांबी श्रीकांत पर टिकी हैं, जो पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली ज़ी जिया का सामना करेंगे। महिला एकल में आकर्षी कश्यप, देविका सिहाग, अनमोल खरब, थारुन मन्नेपल्ली, सनीथ दयानंद और तान्या हेमंत अपनी चुनौती पेश करेंगे।

टेबल टेनिस चैंपियनशिप

सेमीफाइनल में अभिनंद- दिव्यांशी

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

पीबी अभिनंद और दिव्यांशी भौमिक की भारत की शीर्ष वरीय अंडर-19 मिश्रित जोड़ी ने एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन की जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में चीन के यिरेन तांग और यियी जियांग पर 11-9, 11-6, 11-7 की शानदार जीत के साथ अभिनंद और दिव्यांशी ने ना केवल अंतिम चार में जगह पक्की की बल्कि इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैंपियनशिप में देश के लिए कम से कम कांस्य पदक भी पक्का कर लिया।

अभिनंद और दिव्यांशी सेमीफाइनल में थिताफत प्रीचायान और कुलापास्त्र विजितविरियागुल की थाईलैंड की जोड़ी से भिड़ेगी। स्थानीय जोड़ी को घरेलू दर्शकों का समर्थन तो मिलेगा लेकिन टूर्नामेंट की शीर्ष वरीय जोड़ी को रोकना उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। प्रियनुज भट्टाचार्य और सिंड्रेला दास की भारत की दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी ने भी प्रभावित किया लेकिन वे क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए।

बुधवार को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, फिर मीडिया से बातचीत में बोले नए सेनाप्रमुख

सेना में तीन महत्वपूर्ण पदों पर उच्च-अधिकारियों ने ग्रहण किया अपना पदभार

जनरल धीरज सेठ ने 'विजय' को बताया सेना की प्राथमिकताओं की आधारशिला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना के लिए बुधवार का दिन महत्वपूर्ण पदों पर शीर्ष अधिकारियों के पदभार ग्रहण करने से जुड़ी औपचारिकताओं के नाम रहा। जिसमें सबसे पहले 31 वें सेनाप्रमुख के रूप में 30 जून को अपना कार्यभार संभालने के ठीक अगले दिन यानी 1 जुलाई को जनरल धीरज सेठ ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) पर राष्ट्र रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उसके बाद साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रांगण में आयोजित किए गए एक समारोह में गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण किया।

मीडिया से बातचीत में सेनाप्रमुख ने 'विजय' को सेना की प्राथमिकताओं की आधारशिला बताया। विजय में वी का अर्थ (विजिलेंस, सतर्कता), आई (इनोवेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन, नवाचार-बदलाव), जे (जाइंटनेस एंड इंटीग्रेशन, संयुक्तता-एकीकरण), ए (आत्मनिर्भरता) और वाई (योद्धा फर्स्ट, योद्धा सर्वोपरि) है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया 'जय' का मंत्र ही उनकी विजय की प्राथमिकताओं का आधार है। जो सेना को सफलता की ओर अग्रसर करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दशक परिवर्तन के विजन को जनरल सेठ ने सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला कदम बताया। उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सेना राष्ट्र की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

दृढ़ संकल्प संग आगे बढ़ेगा आधुनिकीकरण: जनरल सेठ ने सेनाप्रमुख के रूप में मिली इस नई जिम्मेदारी को लेकर उन पर विश्वास जताने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा, सेना का नेतृत्व संभालना उनके लिए गर्व और

विनम्रता का क्षण है। कर्तव्य, सम्मान और राष्ट्र सर्वोपरि जैसे आदर्शों के प्रति उन्होंने प्रतिबद्धता जताई। साथ ही सेना को युद्ध कुशल होने के साथ-साथ पूरी तरह से युद्ध के लिए तैयार बल बताते हुए कहा कि वह किसी भी चुनौती का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से सक्षम और तैयार है। जनरल सेठ ने कहा, बदलते हुए सुरक्षा परिवेश के तहत सेना के आधुनिकीकरण को नई ऊर्जा, दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। मेरा लक्ष्य बहुआयामी युद्धक्षेत्र में प्रभावी ढंग से काम करने वाली एक ऐसी तकनीक सक्षम और भविष्य के लिए तैयार सेना का निर्माण करना है।

विजय का विस्तृत रूप: विजय में शामिल सतर्कता का अर्थ सीमाओं पर लगातार निगरानी, उभरते हुई चुनौतियों पर नजर तथा उच्चस्तरीय परिचालन तत्परता को बनाए रखना है। नवाचार-परिवर्तन में युद्ध की बदलती प्रकृति के हिसाब से सिद्धांतों, तकनीक और क्षमताओं में नवाचार को बढ़ावा देना है। संयुक्तता-एकीकरण में वायुसेना, नौसेना के साथ पूर्ण तालमेल और समन्वय सुनिश्चित करना शामिल है। जबकि आत्मनिर्भरता में स्वदेशी क्षमताओं, तकनीकों को मजबूत करना तथा योद्धा सर्वोपरि में अग्निवीर से लेकर वरिष्ठतम पूर्व सैनिक तक हर सैनिक सेना की सबसे बड़ी शक्ति है।

ये हैं सेना को मिले 3 नए अधिकारी

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सेना में 1 जुलाई को जिन तीन नए शीर्ष अधिकारियों ने अपना पदभार ग्रहण किया है। उनमें नए उप-सेनाप्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, दक्षिण-पश्चिमी कमान (जयपुर मुख्यालय) के प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा और दक्षिणी कमान (पुणे मुख्यालय) के प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर शामिल हैं।

ले. जनरल जैन- *वर्ष 1988 में सेना की महार रेजिमेंट में कमीशन हुए। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र रहे हैं। लगभग चार दशकों की सैन्य सेवा के दौरान उन्होंने देश-विदेश में परिचालन, रणनीतिक और स्टाफ जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारियों का निवर्हन किया है। जिसमें यूएन मिशन के तहत दक्षिण-सूडान, इथोपिया और ऑपरेशन पवन मुख्य हैं।*

ले. जनरल मल्होत्रा- *वर्ष 1989 में सेना की 47 बख्तरबंद रेजिमेंट में कमीशन हुए। राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज से उन्होंने स्नातक की डिग्री ली है। बल में अपने 37 वर्षों से अधिक लंबे अनुभव में संचालन, संगठनात्मक प्रभावशीलता और संस्थागत सामंजस्य में अहम योगदान दिया है। उनके कमान अनुभव में शामिल चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में सियाचिन ग्लेशियर, बख्तरबंद रेजिमेंट, स्वतंत्र बख्तरबंद ब्रिगेड, डिवीजन व रेगिस्तान कोर अहम हैं।*

ले. जनरल पुष्कर- *वर्ष 1988 में सेना की 74 बख्तरबंद रेजिमेंट में कमीशन हुए। एनडीए के पूर्व छात्र रहे हैं। अपने चार दशक से अधिक के कार्य अनुभव में उन्होंने विभिन्न भौगोलिक-संचालन संबंधी परिवेशों में कमान, स्टाफ तथा प्रशिक्षण जैसे कई पदों पर कार्य किया है। पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ले.जनरल पुष्कर ने सेना की दूसरी कोर के प्रमुख (जीओसी) के रूप में निर्णायक नेतृत्व और रणनीतिक दूरदर्शिता का परिचय दिया था। ले.जनरल पुष्कर ने ले.जनरल संदीप जैन की जगह पर यह नया दायित्व संभाला है।*

भारतीय वायुसेना के उप-प्रमुख बने एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने सीआईएससी के रूप में संभाला अपना कार्यभार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने बुधवार को सेनाप्रमुखों की समिति के अध्यक्ष के एकीकृत रक्षा स्टाफ प्रमुख (सीआईएससी) के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। वर्तमान दायित्व को ग्रहण करने से पहले वह वायुसेना की दक्षिण-पश्चिमी कमान के प्रमुख (एओसी-इन-सी) के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को संभाल रहे थे। 13 जून 1987 को एयर मार्शल सिंह वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन हुए।

वह एक 'ए' श्रेणी के योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं और उन्हें 4 हजार 500 घंटे से ज्यादा की उड़ान की अनुभव हासिल है। इसके अलावा वह एक लड़ाकू स्कवाड्रन, रडार स्टेशन, लड़ाकू अड्डे को भी अपना नेतृत्व प्रदान कर चुके हैं। इतना ही नहीं एयर मार्शल सिंह जम्मू-कश्मीर के एयर ऑफिसर कमांडिंग भी रह चुके हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। अपना कार्यभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने राजधानी स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) पर जाकर शहीदों पर पुष्पचक्र अर्पित किया और फिर साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्रालय के

तेजिंदर सिंह

प्रांगण में आयोजित किए गए एक समारोह में दिए गए त्रि-सैन्य स्तरीय गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण किया।

इन अहम पदों पर निभाई जिम्मेदारियां

एयर मार्शल सिंह ने जिन उच्च-पदों पर अपने दायित्वों का निर्वाह किया है। उनमें कमान मुख्यालय में ऑपरेशनल स्टॉफ, वायु मुख्यालय में एयर कमोडोर (कार्मिक अधिकारी-1), एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप सहायक प्रमुख, मुख्यालय (आईडीएस) में वित्तीय (योजना), एयर कमोडोर (एयरोस्पेस सुरक्षा), वायु मुख्यालय में सहायक प्रमुख वायुसेना संचालक (आक्रामक), सहायक प्रमुख वायुसेना संचालक (रणनीति), पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी, उप वायुसेनाप्रमुख और प्रशिक्षण कमान के प्रमुख (एओसी-इन-सी) मुख्य हैं। उनकी सेवाओं के लिए 2007 में उन्हें वायुसेना पदक, 2022 अति विशिष्ट सेवा पदक और 2026 में परम विशिष्ट सेवा पदक जैसे सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

1986 में लड़ाकू शाखा में कमीशन हुए दीक्षित

वहीं, उप-वायुसेनाप्रमुख के रूप में अपना पदभार ग्रहण करने वाले एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित 6 दिसंबर 1986 में वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन हुए थे। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, डिफेंस स्टाफ सर्विस कॉलेज (बांग्लादेश) और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्हें मिराज-2000, मिग के विभिन्न संस्करणों, एचपीटी-32, एएन-32, एवरो, किरण, जगुआर, आईएल-78, तेजस और हॉक जैसे विमानों में 3 हजार 500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। अपने करीब चार दशकों के लंबे अनुभव के दौरान एयर मार्शल दीक्षित ऑपरेशन सफेद सागर, रक्षक, कोप इंडिया और ऑपरेशन सिंदूर सहित कई प्रमुख सैन्य अभियानों और सैन्य अभ्यासों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। जबकि वर्तमान जिम्मेदारी को संभालने से पहले वह वायुसेना की सेंट्रल एयर कमांड के प्रमुख (एओसी-इन-सी) के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्हें यह जिम्मेदारी बीते मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए एयर मार्शल नागेश कपूर की जगह पर मिली है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का फ्रांस दौरा

आर्थिक और निवेश संबंधों पर रहेगा ध्यान, कई द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को फ्रांस के आधिकारिक दौरे की शुरुआत की, जहां वह भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, आर्थिक सहयोग को गहरा करने और निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के

उद्देश्य से कई उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लेंगी। इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम फ्रांस के ऐक्स-एन-प्रोवेंस में आयोजित होने वाला भारत-फ्रांस आर्थिक एवं वित्तीय संवाद (ईएफडी) होगा। इस बैठक की सह-अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त, औद्योगिक ऊर्जा और डिजिटल संप्रभुता मंत्री रोलैंड लेस्क्योर करेंगे।

खेत, घर, पशुधन, हर नुकसान की भरपाई का केंद्रीय मंत्री शिवराज ने दिया आश्वासन

- शिवराज सिंह चौहान का किरेन रिजिजू और मुख्यमंत्री पेमा खांडू के साथ हवाई सर्वेक्षण और जमीनी दौरा
- शिवराज सिंह ने बाढ़ पीड़ितों को दिया भरोसा, हर प्रभावित परिवार को मिलेगी मदद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश में आई भीषण बाढ़ के बीच बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और मुख्यमंत्री पेमा खांडू के साथ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई और जमीनी दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार इस संकट में पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने केयी

पान्योर जिले समेत कई बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। वे सड़क मार्ग से भी गांवों में पहुंचे और प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। पीड़ितों से मुलाकात के दौरान चौहान ने कहा कि दुःख बांटने से ही कम होता है और संकट की घड़ी में एक-दूसरे का साथ देना ही जीवन की सार्थकता है। उन्होंने बहनों से बात करते हुए भरोसा दिलाया कि वे अकेली नहीं हैं और केंद्र तथा राज्य सरकार हर कदम पर उनके साथ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत सर्वे कराया जाएगा और जिनके घर बह गए हैं, उनके लिए नए मकान बनवाए जाएंगे। खेतों में हुए नुकसान, फसलों की बर्बादी, पशुधन हानि; सभी का आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाएगा।

आईसीसीआर आज करेगी ढाका विश्वविद्यालय के हिंदी के विद्वानों का स्वागत

भारत-बांग्लादेश के बीच नजर आएगा ऐतिहासिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों में बीते कुछ वक्त से जारी उतार-चढ़ाव के बीच गुरुवार को एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का नजारा देखने को मिलेगा। जिसके तहत नई दिल्ली स्थित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की मेजबानी में ढाका विश्वविद्यालय के हिंदी के विद्वानों के एक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल की यह भारत यात्रा कुल 9 दिवसीय होगी। जो 2 जुलाई से 10 जुलाई तक चलेगी। पड़ोसी देश के प्रतिनिधिमंडल में ढाका विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मॉडर्न लैंग्वेज के छात्र और फैकल्टी के सदस्य शामिल होंगे।

स्टूडेंट विजिटर कार्यक्रम की अहम भूमिका

मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा कार्यक्रम का आयोजन आईसीसीआर के स्टूडेंट विजिटर्स कार्यक्रम 2026-27 के तहत किया गया है। जिसमें परिषद के अलावा ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की भी अहम भूमिका है।

प्रतिनिधिमंडल द्वारा अपनी यात्रा के दौरान यहां देश में प्रतिष्ठित अकादमिक और साहित्यिक संस्थानों का दौरा किया जाएगा। जिसमें कई अहम मुलाकातें और वैचारिक आदान-प्रदान कार्यक्रम होंगे। साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. वरुण गुलाटी, सेंटर फॉर इंडियन लैंग्वेजेज (जेएनयू) के प्रमुख प्रोफेसर सुधीर प्रताप सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय की हिंदी विभाग की प्रमुख प्रोफेसर सुधा सिंह, बीएचयू के हिंदी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर वशिष्ठ द्विवेदी और आगरा स्थित केंद्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर हरिशंकर से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात होगी। इसके अलावा संस्थान में अध्ययन कर रहे अंतरराष्ट्रीय छात्रों के साथ भी भारत के पड़ोसी देश से आने वाले इस दल द्वारा संवाद किया जाएगा।

विदेश सचिव को मिला एक वर्ष का कार्य विस्तार

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री को एक साल का कार्य विस्तार दे दिया है। जिसकी अवधि 1 जुलाई 2026 से अगले साल 14 जुलाई 2027 तक होगी या अगले आदेश तक यह निर्णय प्रभावी रहेगा। यह जानकारी केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने एक बयान जारी कर दी है। समिति द्वारा ही विदेश सचिव के कार्यकाल को एक साल के लिए आगे बढ़ाया गया है। मिस्री वर्ष 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं। जून 2024 में उन्होंने विदेश सचिव के रूप में अपना कार्यभार संभाला था। जिसके पूर्व में वह भारत के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। मिस्री को देश में चीन के विशेषज्ञ के रूप में भी जाना जाता है।

बोले जायसवाल, इस निंदनीय, बर्बरतापूर्ण कृत्य में शामिल दोषियों को तुरंत न्याय के कटघरे में खड़ा करना चाहिए

पाकिस्तान द्वारा तोड़े गए ऐतिहासिक गुरुद्वारे की भारत ने की कड़ी निंदा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर पाकिस्तान द्वारा पंजाब प्रांत के फारूकाबाद में स्थित श्री गुरु सिंह सभा साहिब नामक 125 साल पुराने ऐतिहासिक गुरुद्वारे को तोड़े जाने के मामले की बेहद कड़े अंदाज में निंदा की है।

साथ ही जल्द से जल्द इस अत्यंत निंदनीय व बर्बरतापूर्ण कृत्य की निष्पक्षता से जांच करने और इसमें शामिल सभी दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है। वहीं, इस घटना को लेकर पाकिस्तान में सिख समुदाय के लोगों में खासा रोष है। जिसकी वजह से स्थानीय प्रशासन ने गुरुद्वारे वाले इलाके को सील कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के हिसाब से

गुरुद्वारे के गुंबद को तोड़ा गया है। जिसकी तस्वीरें प्रचार माध्यमों में काफी वायरल हुई हैं।

सिखों की आस्था पर हमला

बयान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि गुरुद्वारे को तोड़े जाने की यह घटना भारत के लिए न केवल बेहद दुख पहुंचाने वाली है। बल्कि यह हमारे लिए काफी परेशान करने वाली भी है। सिख समुदाय इसे लेकर आक्रोशित है। क्योंकि यह सीधे-सीधे उनकी आस्था पर किया गया सुनियोजित-सुव्यवस्थित हमला है। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद से इस पवित्र धार्मिक स्थल के क्षतिग्रस्त हिस्सों का तुरंत पुनर्निर्माण करने की पुरजोर अंदाज में मांग की है। यह कोई पहला मामला नहीं है। जब पाकिस्तान में धार्मिक आस्था के स्थलों पर हमला किया गया है। पूर्व में भी इस तरह के कई प्रकरण सामने आ चुके हैं। जबकि स्थानीय प्रशासन और इवेक्यूइ ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) द्वारा मामले पर कोई कार्रवाई न किए जाने से भी चिंता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों को निशाना बनाए जाना बेहद चिंताजनक है। इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के माध्यम से ही ऐसे मामलों पर नकेल कसी जा सकती है।

अल्पसंख्यकों के प्रति दायित्व निभाए पाक

भारत ने पाकिस्तान से उनके देश में रह रहे तमाम धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, सम्मान और उनके धार्मिक स्थलों के प्रति संरक्षण को लेकर बने हुए उत्तरदायित्व को निभाने का आग्रह किया है। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि पाकिस्तान सांप्रदायिक हिंसा, धर्म पर आधारित असहिष्णुता पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए और इस संबंध में तत्काल रूप से प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के लोग एक सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल में अपने धार्मिक अधिकारों का पालन कर सकें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109